



भारतीय जन संचार संस्थान
INDIAN INSTITUTE OF
MASS COMMUNICATION

Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi - 110067

ANNUAL
REPORT
2017-18





Shri Kailash Satyarthi, Nobel Peace Laureate lighting lamp at the Annual Convocation for the 2016-17 batch.



Secretary, I&B & Chairman, IIMC inaugurating 'Community Radio Empowerment & Resource Centre' at New Delhi Campus

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2017-18

भारतीय जन संचार संस्थान वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

प्रस्तावना

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) का पंजीकरण सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (21) 1860 के तहत हुआ था। इसकी स्थापना 17 अगस्त 1965 को पत्रकारिता, मीडिया और जन संचार के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के मूलभूत लक्ष्यों की पूर्ति हेतु हुई थी।

संस्थान की शुरुआत के समय इसमें निदेशक के अलावा चार प्राध्यापक और यूनेस्को का एक परामर्शदाता शामिल था। यह संस्थान राज्य एवं केन्द्र सरकार के सूचना सेवा अधिकारियों के लिए कार्यक्रम और कोलम्बो योजना के अंतर्गत कुछ विदेशी प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन तथा लघु स्तर पर शोध अध्ययन करता था। संस्थान ने गत 53 वर्षों में अपनी स्थापना के मूल लक्ष्य “केन्द्र और राज्य सरकारों के सूचना और प्रचार कर्मियों को और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उद्योगों की सूचना एवं प्रचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु शोध और प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराना” के अनुरूप आधुनिक युग में तेजी से विस्तृत होते हुए तथा परिवर्तनशील मीडिया उद्योग की विविध एवं अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अनेक विशेष पाठ्यक्रमों की शुरुआत और उनका सफल प्रबंधन किया है।

31 मार्च, 2018 की स्थिति को सामने रखा जाए तो आज भारतीय जन संचार संस्थान भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के अलावा प्रिंट मीडिया पत्रकारिता में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और ओडिया भाषा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। इसके अलावा संस्थान रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता तथा विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। संस्थान 1969 से ही भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में अफ्रीकी, एशियाई, लातीन अमरीकी और पूर्वी यूरोपीय देशों के मिड कैरियर श्रमजीवी पत्रकारों के लिए विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह जिन विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत किया जा रहा है वह हैं :- भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटेक-ITEC), विशेष राष्ट्रमंडल अफ्रीकी सहायता योजना (स्काप-SCAAP) तथा कोलंबो योजना के तहत तकनीकी सहयोग योजना (टीसीएस-TCS) कार्यक्रम। संस्थान केन्द्र और राज्य सरकारों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के मीडिया, प्रचार और प्रचालन से जुड़े विभिन्न संगठनों में कार्यरत संचार कर्मियों की प्रशिक्षण संबंधी निरंतर बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक सप्ताह से चार सप्ताह तक की अवधि के विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है। इसमें खासतौर से सेना और पुलिस के अधिकारियों के लिए संचालित किए जाने वाले कोर्स शामिल हैं। संस्थान प्रशिक्षण, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं इत्यादि के आयोजन में विविध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से भी सहयोग करता है तथा संयुक्त शोध परियोजनाओं पर भी कार्य करता है।

हाल में जन संचार के क्षेत्र में काफी तेजी से कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं और ये निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले और उसमें अहम भूमिका निभाने वाले कारक के रूप में उभरे हैं। जन संचार ने बड़ी ही तीव्रता से महत्वपूर्ण एवं उच्च प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त कर लिया है तथा विभिन्न शैक्षणिक विधाओं के विद्यार्थियों के लिए इस क्षेत्र से जुड़ना एक बड़ा आकर्षण बन गया है। सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने संचार माध्यमों (मीडिया) के विस्तार

और उनके काम करने के तरीके में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसने उक्त क्षेत्र से जुड़े छात्रों, शिक्षकों और व्यावसायिकों के लिए बड़ी चुनौतियां भी खड़ी की हैं। जितनी तेजी से सूचना प्रौद्योगिकी बदल रही है, उतनी ही तेजी से जन संचार और मीडिया के शिक्षण का स्वरूप भी बदल रहा है। शिक्षा के किसी भी दूसरे क्षेत्र में बदलाव की प्रक्रिया इतनी तेज नहीं रही है। माध्यम के प्रभाव को बनाए रखने और उसमें निरंतर वृद्धि के लिए उभरती हुई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करना निश्चित ही समय की मांग है; साथ ही नए मीडिया से जुड़ने और उसमें विस्तार के तरीके खोजने की भी जरूरत है।

इसके मद्देनजर संस्थान तेजी से बदलती हुई नई जरूरतों का सामना करने के लिए पाठ्यविषयों का निरंतर मूल्यांकन करता है, जिससे बदलते हुए परिदृश्य में भी संस्थान द्वारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता बनी रहती है। संस्थान भविष्य में मीडिया संस्थानों से जुड़ने की इच्छा रखने वाले युवा छात्र-छात्राओं को संचार के लिए आवश्यक सामान्य कौशल तथा इस क्षेत्र के विभिन्न आयामों की बारीकियों और तकनीकों का प्रशिक्षण देता है। संस्थान विद्यार्थियों को समाज के उपयोगी सदस्यों के रूप में विकसित होने में मदद करता है। विकास की इस प्रक्रिया में जानकारीयों और खबरों को समाज के अन्य लोगों तक व्यापक पैमाने पर पहुंचाने के लिए सूचनाओं और संचार माध्यमों का प्रभावपूर्ण इस्तेमाल ज़रूरी है। अपनी इसी विशिष्टता के कारण संस्थान और इससे निकलने वाले छात्रों ने अपना एक अलग मुकाम हासिल किया और पहचान स्थापित की है।

संस्थान सूचना के ऐसे ढांचे के निर्माण में तथा उसे और सुचारु व मज़बूत बनाने में मदद करता है, जो न केवल भारत अपितु सभी विकासशील देशों के लिए उपयोगी हो। संस्थान केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों और अंगों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक निकायों के अलावा अनुरोध हासिल होने पर अन्य संस्थाओं, संगठनों और विभिन्न निकायों को भी उनकी ज़रूरत के अनुसार विशेषज्ञता और परामर्श सेवाएं प्रदान करता है।

संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की बढ़ती लोकप्रियता तथा क्षेत्रीय ज़रूरतों की पूर्ति के लिए संस्थान ने 1993 में ढ़ेंकानाल (ओडिशा) में एक शाखा खोली ताकि क्षेत्रीय आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस समय वहां दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा पत्रकारिता पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यह अंग्रेजी और ओडिया भाषा के पाठ्यक्रम हैं।

विस्तार का अगला चरण वर्ष 2011 और 2012 में संपन्न हुआ। 2011 में भारतीय जन संचार संस्थान के दो नये क्षेत्रीय परिसर मिज़ोरम के आइज़ोल तथा महाराष्ट्र के अमरावती में खोले गए। 2012 में संस्थान के दो और क्षेत्रीय परिसर जम्मू (जम्मू और कश्मीर) तथा कोट्टायम (केरल) में खोले गए। चारों नये क्षेत्रीय परिसर अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान करते हैं, जबकि पहले से कार्यरत पांचवें क्षेत्रीय परिसर ढ़ेंकानाल में अंग्रेजी और ओडिया, दोनों भाषाओं के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

इस तरह संस्थान का स्वरूप एक दिल्ली आधारित संस्थान (जिसकी एक शाखा ढ़ेंकानाल, ओडिशा क्षेत्रीय परिसर वाला संस्थान था), से पूरी तरह बदल कर राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में परिवर्तित हो गया जो अपने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय के अलावा ये देश के सभी पांच प्रमुख क्षेत्रों उत्तर, दक्षिण पूर्व, पश्चिम और उत्तर-पूर्व में कार्यरत हैं। संस्थान को भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। संस्थान की गतिविधियों का मार्गदर्शन कार्यकारी परिषद करती है। इस परिषद के अध्यक्ष सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव हैं वे ही भारतीय जन संचार समिति के अध्यक्ष का भी पदभार संभालते हैं। समिति में सूचना और प्रसारण मंत्रालय और

अन्य मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा संस्थान की संकाय के प्रतिनिधि और मीडिया जगत के विख्यात संचार कर्मी शामिल हैं। संस्थान के महानिदेशक कार्यकारी परिषद के सदस्य-सचिव होते हैं।

अपनी स्थापना के पचास से भी अधिक वर्षों तक निरंतर कठिन परिश्रम तथा बेहतरीन परिणाम देने की भावना की लगातार जारी कोशिश के कारण ही संस्थान ने संचार शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में “उत्कृष्ट केंद्र” की अनुकरणीय प्रतिष्ठा हासिल की है।

वर्ष 2017-18 के दौरान शैक्षिक और प्रशिक्षण गतिविधियां

भारतीय सूचना सेवा अधिकारियों का प्रशिक्षण

2017 में, 12 भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) समूह ‘क’ अधिकारी प्रशिक्षकों ने 16 जनवरी 2017 से 15 अक्टूबर, 2017 तक 9 महीने का मीडिया और संचार संबंधी प्रवेश प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण कार्य असम राइफल्स से संबंध रक्षा संबंधी कार्य वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से संबंधित कार्य और मानेसर में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) से संबंधित जैसे बाहरी कार्य थे। पिछले वर्ष से भिन्न वर्ष 2016-17 के आईआईएस समूह ‘क’ अधिकारी प्रशिक्षु वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के बजाए झारखंड गए थे। वन्य जीवन और सामाजिक वन विज्ञान पर संरक्षण अध्ययन को उनके आरंभिक प्रशिक्षण के भाग के रूप में पहली बार शामिल किया गया। तकनीकी कौशल जैसे समाचार लेखन, रेडियो टेलीविजन लेखन तथा एफटीआईआई पुणे में वृत्त चित्र बनाने जैसी विधाओं से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण पर्यावरण लेखा-परीक्षा, सामाजिक लेखा-परीक्षा और जमीनी स्तर पर संचार जैसे मुद्दों से भी जुड़े रहे। प्रशिक्षण का मुख्य आकर्षण तीन सप्ताह का भारत दर्शन कार्यक्रम रहा। इस अध्ययन यात्रा के दौरान उन्होंने कम्युनिटी रेडियो, रेडियो बुन्देलखंड का दौरा किया।

आईआईएमसी ने दिनांक 24 अप्रैल से 19 मई, 2017 तक 25 आईआईएस समूह ‘क’ अधिकारियों के लिए मध्यकालीन व्यवसाय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 4 सप्ताह के लिए चरण III प्रशिक्षण आयोजित किया। यह प्रशिक्षण मुख्य रूप से मीडिया और संचार पहलुओं पर केन्द्रित था। उनके लिए प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई), गुरुग्राम में एक सत्र का आयोजन किया गया, जो मुख्य रूप से नेतृत्व कौशल, ब्रांड प्रबंधन और विज्ञापन तथा विपणन सहित डिजिटल विपणन पर केन्द्रित था। सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) में भी एक सप्ताह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह मुख्य रूप से प्रशासन और वित्तीय मामलों पर केन्द्रित था। वर्ष 2015-16 बैच के आईआईएस समूह ‘क’ अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए संचार और मीडिया में उनके दो वर्ष के आरंभिक प्रशिक्षण पूरा होने के बाद पहली बार एक सप्ताह के लिए चरण II प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

वर्तमान में वर्ष 2017 के नए बैच में आईआईएस समूह ‘क’ के 19 अधिकारी प्रशिक्षु आरंभिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और वरिष्ठ ग्रेड आईआईएस समूह ‘ख’ के 06 अधिकारी प्रशिक्षु संचार और मीडिया में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

संस्थान ने अपनी स्थापना के बाद से ही कड़े परिश्रम से अपने प्रशिक्षण की विषय-वस्तु में सुधार करते हुए मीडिया और संचार शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशेष स्थान बना लिया है। आज इसे इस क्षेत्र के प्रशिक्षण संस्थानों में गौरवपूर्ण

स्थान प्राप्त है। यह मीडिया उद्योग में आने के इच्छुक प्रशिक्षुओं के लिए हिंदी, अंग्रेजी, ओडिया पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जन संपर्क तथा रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हासिल करने का अवसर प्रदान करता है। संस्थान द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रमों में, कक्षा में प्रशिक्षण, कड़े अभिप्रायों, प्रायोगिक पत्रों और परियोजनाओं (प्रोजेक्ट) आदि का उचित सम्मिश्रण रहता है। कक्षा में बताई या पढ़ाई गई बातों का अभ्यास करने के लिए क्षेत्रीय भ्रमण के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराया जाता है। विद्यार्थियों के लिए यह कौशल सीखना इसलिए आवश्यक है ताकि वह अपने कैरियर में सफलता प्राप्त कर सकें। प्राप्त की जा रही शिक्षा को वास्तविक और व्यावहारिक तौर पर उस वातावरण से जोड़ने के ऐसे अभ्यास उन्हें उन परिस्थितियों से परिचित कराते हैं, जिनका उन्हें मीडिया कर्मियों की भूमिका के रूप में सामना करना पड़ सकता है। तीव्रता से विकसित होते हुए मीडिया एवं संचार के क्षेत्र में बदलती हुई प्रवृत्तियों और तकनीक के साथ चलने के लिए पाठ्यक्रमों की विषय वस्तु की निरंतर समीक्षा की जाती है और उनमें संशोधन किए जाते हैं ताकि परिवर्तित परिस्थितियों में भी पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता कायम रखी जा सके। पाठ्यक्रमों को तैयार करते समय, उद्योग की विविधतापूर्ण आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाता है ताकि विद्यार्थी नीतिपरक एवं ज़मीनी यथार्थ से भी परिचित हों। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों में जिम्मेदारी की भावना भरने का भी प्रयास किया जाता है ताकि वो भारत के बहुभाषी, बहुधर्मी, और बहुआयामी समाज में अपनी-अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने में समर्थ हो सकें।

संस्थान अपने विद्यार्थियों को इंटरनशिप उपलब्ध कराने में भी मदद करता है ताकि वे पाठ्यक्रम से समाप्त होने पर नौकरी प्राप्त करने के लिए आवश्यक कुशलता हासिल कर सकें। कोर्स की समाप्ति के बाद कैम्पस प्लेसमेंट शिविर सहित अन्य तरीकों से उन्हें नौकरी प्राप्त करने में मदद की जाती है। ये नियुक्तियां समाचारपत्रों, टीवी चैनलों, मीडिया कार्यालयों और विज्ञापन एवं जन संपर्क एजेंसियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में होती हैं।

पत्रकारिता (हिंदी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत हिंदी समाचारपत्रों, पत्रिकाओं, टीवी एवं रेडियो के लिए कौशलपूर्ण एवं व्यावसायिक तौर पर प्रशिक्षित मीडिया पेशेवरों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए की गई। भारत में मीडिया के विकास के साथ-साथ शीघ्र ही पाठ्यचर्या में नये मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफार्म का समावेश किया गया। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सैद्धांतिक पृष्ठभूमि प्रदान करना और समाचार एकीकरण, निर्माण, प्रस्तुतिकरण और प्रसारण की प्रक्रिया में व्यावसायिक कौशल देना है।

वर्ष 2017-18 में हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम के कोर्स में 60 विद्यार्थी थे। 45 प्रशिक्षु सफल हुए और अन्य दस प्रशिक्षु पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए परीक्षा में फिर से पूरक परीक्षा देंगे। पाठ्यक्रम के प्रारंभिक चरण में संचार के सिद्धांत और अवधारणाओं तथा पत्रकारिता के इतिहास और कानून एवं आचार संहिता पर विशेष बल दिया गया। पहले सप्ताह से ही प्रशिक्षुओं को कंप्यूटर पर हिंदी में यूनिकोड का प्रशिक्षण दिया गया ताकि प्रकाशन हेतु उनके हिंदी टंकण कौशल और सॉफ्टवेयर ज्ञान में बढ़ोतरी हो सके। दोनों सत्रों में सैद्धांतिक और व्यावहारिक, दोनों पक्षों पर समान रूप से ध्यान दिया गया।

वर्ष 2013 में हिंदी पत्रकारिता के लिए उद्योग द्वारा सर्वाधिक प्रयुक्त एवं एकीकृत समाचार संपादन प्रणाली प्राप्त करके विशेष कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई ताकि उसमें प्रयोगशाला पत्रों का प्रकाशन किया जा सके। इस वर्ष विद्यार्थियों ने “न्यूज रैप” संपादन प्रणाली तथा एकीकृत एडोबे पर अपने प्रायोगिक शोध पत्र प्रकाशित किए।

उन्होंने पाठ्यक्रम के दौरान डिजाइन पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर में संपादन और अन्य प्रायोगिक पत्र ऑनलाइन प्रस्तुत किए। संस्थान धीरे-धीरे पेपररहित प्रशिक्षण की ओर बढ़ रहा है। विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत तौर पर व समूहों में 50 से अधिक प्रयोगशाला पत्र प्रकाशित किए।

इस बार विद्यार्थी एक शैक्षणिक दौरे पर सूरजकुंड मेले में भी गए और उन्होंने इस दौरे की रिपोर्टिंग करते हुए विशेष प्रयोगशाला पत्र प्रकाशित किए। उन्होंने रेडियो और टेलीविजन के लिए भी इसकी रिपोर्टिंग की। मीडिया में व्यावसायीकरण के बढ़ते हुए रुझान को देखते हुए अपनी जिम्मेदारियां भी हैं। संस्थान के अधिदेश के अनुरूप विकास संचार में प्रशिक्षण देने के लिए भरसक प्रयास किया गया। छात्रों ने संस्थान के सामुदायिक रेडियो स्टेशन में काफी रुचि दिखाई और समूहों में इसके लिए कई कार्यक्रम तैयार किए।

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर सभी विद्यार्थी विभिन्न संगठनों में व्यावहारिक अभ्यास के लिए गए। संस्थान के प्लेसमेंट विभाग ने केंद्रीकृत इंटरनशिप/नियोजन पखवाड़े के दौरान विद्यार्थियों को समाचारपत्रों और उनके डिजिटल संस्करणों, टेलीविजन चैनलों और समाचार एजेंसियों में प्लेसमेंट में मदद की। विद्यार्थियों का दैनिक भास्कर, नवभारत टाइम्स ऑनलाइन, अमर उजाला डिजिटल, इंडिया टुडे डिजिटल, जागरण जोश और हरिभूमि और उनके ऑनलाइन संस्करणों, एबीपी न्यूज, एपीएन टीवी और ईटीवी भारत में नियोजन हुआ जबकि कुछ छात्रों ने उच्च अध्ययन को चुना।

पत्रकारिता (उर्दू) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: भारतीय जन संचार संस्थान में उर्दू पत्रकारिता का डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2016-17 में कार्यकारी परिषद द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम को उन्नयन करके इसे स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स का दर्जा प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण के लिए एक नया अभ्यास शुरू किया गया है और हिन्दी तथा अंग्रेजी पत्रकारिता पाठ्यक्रम के छात्र सुबह के सत्र में संयुक्त कक्षाओं में बैठे और दोपहर के सत्र में भाषा विशिष्ट कार्य किये। इस प्रक्रिया ने उर्दू पत्रकारिता के छात्रों का बेहतर एकीकरण करके मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता की।

वर्ष 2017-18 में पांच छात्रों ने प्रवेश लिया और उन सभी ने पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। उनमें से दो छात्रों की ईटीवी भारत में नियुक्ति हुई और एक ने वेब न्यूज पोर्टल रोर मीडिया में कार्यभार संभाला, जबकि दो प्रशिक्षु स्वतंत्र पत्रकार के रूप में कार्य कर रहे हैं।

पत्रकारिता (अंग्रेजी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवा छात्रों को पेशेवर पत्रकार बनाने के उद्देश्य से पत्रकारिता के विविध पहलुओं और तकनीकों पर प्रशिक्षण देने के लिए डिजाइन किया गया था। यह नौ महीने का पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण, कठिन और व्यवहारोन्मुख है जो छात्रों में कौशल और दूरदर्शिता को विकसित करने पर ध्यान देता है, यह एक सफल पत्रकार बनाने के लिए आवश्यक है।

वर्ष 2017-18 के दौरान इस पाठ्यक्रम में 58 छात्रों को मुद्रण, इलेक्ट्रॉनिक, विकास और डिजिटल मीडिया में सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मीडिया के अलावा उनको विज्ञापन, जन संपर्क, सार्वजनिक स्वास्थ्य संचार और वृत्तचित्र निर्माण के क्षेत्र में भी प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें मीडिया के लिए लेखन, डिजाइनिंग और लेआउट, समाचारपत्र और पत्रिका निर्माण, टेलीविजन और रेडियो निर्माण और उद्योग में उपयोग में लाए जाने

वाले नवीनतम साफ्टवेयर और तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

इस वर्ष 42 छात्रों ने समूहों में शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन किया। वे वेबसाइट निर्माण, रेडियो बुलेटिनों का निर्माण, डिजिटल कहानियां, टेलीविजन बुलेटिनों का निर्माण जैसे अन्य समूह कार्यकलापों को पूरा करने में सक्षम रहे। छात्रों ने अपना रेडियो 96.9 में भी भाग लिया जो आईआईएमसी का सामुदायिक रेडियो स्टेशन है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च पर विशेष प्रयोगशाला पत्रिका का प्रकाशन किया गया। महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर 7 प्रयोगशाला पत्रिकाओं में लगभग 100 लेख प्रकाशित किए गए। बेटी फाउंडेशन ने महिला दिवस पर निर्मित सबसे अच्छे लैब जर्नल को चुनने के लिए प्रतियोगिता भी आयोजित की जिसमें अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों ने पहले तीन पुरस्कार जीते।

इस वर्ष विभाग ने मोबाइल पत्रकारिता, दृश्य संचार, वृत्तचित्र निर्माण, फोटो पत्रकारिता, डिजिटल कथा कथन, कृत्रिम बुद्धि द्वारा वीडियो विकसित करना, सार्वजनिक स्वास्थ्य संचार, बजट की व्याख्या, डिजिटल सिनेमाटोग्राफी, सरकारी सूचना प्रणाली, सामाजिक मीडिया के लिए लेखन, संसदीय समाचार लेखन आदि पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए।

संस्थान ने साप्ताहिक सेमिनार श्रृंखला शुरू की जिसमें छात्रों ने गोपनीयता का अधिकार, तीन तलाक निर्णय, भ्रामक खबर, मैनुअल स्कावेन्जिंग आदि जैसे समकालीन मुद्दों पर अपनी प्रस्तुति दी। इन संगोष्ठियों को आयोजित करने का उद्देश्य था :

महत्वपूर्ण मुद्दों पर संवाद और चर्चा के वातावरण का निर्माण करना।

प्रभावी संचार पर छात्रों को प्रशिक्षण देना।

छात्रों ने दिनांक 8 फरवरी, 2018 को सूरज कुंड मेले का दौरा किया और इस पर एक फोटो फीचर बनाया। इनमें से कुछ फोटो फीचर मुख्यधारा मीडिया में प्रकाशित किए गए। उन्होंने सामाजिक मीडिया और महिला सशक्तिकरण, ई-स्वास्थ्य सेवा, ई-शासन, शिक्षा में आईसीटी, बाल अधिकार आदि विषयों पर भी काम किया जिसमें उन्होंने सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा शुरू किए गए सभी पहलुओं का प्रलेखन किया।

अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों ने विविध इंटर कॉलेज और इंट्रा कॉलेज प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अनेक पुरस्कार जीते। अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों ने दिनांक 13 अप्रैल को आयोजित एनडीटीवी कान्क्लेव 2018, संपूर्ण द्वारा आयोजित महिलाओं की सुरक्षा, सीआईआई सम्मेलन और मीडिया नामा द्वारा आयोजित फेक न्यूज जैसे समारोह में भी भाग लिया।

वर्ष 2017-18 में छात्रों को आईपीएसी, बिजनेस स्टैंडर्ड, जिंदल स्टील, इंडिया न्यूज अहेड, नेटवर्क 18, ईटीवी, एनडीटीवी, टाइम्स इंटरनेट, इकनॉमिक टाइम्स, इंडियन एक्सप्रेस ऑनलाइन, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, एएनआई, एआईआर, रेडियो मिर्ची, पीटीआई, प्रसारण विभाग निदेशालय, जिंदल स्टेनलेस, कैरियर्स 360, रोर मीडिया आदि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में नियुक्तियां प्राप्त हुईं।

विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग उद्योग के लिए बेहतरीन पेशेवर कर्मी तैयार करने के गौरव को निरंतर प्राप्त करता रहा है। विज्ञापन एवं जनसंपर्क में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में सर्वाधिक बल समकालीन और प्रगतिशील अध्ययन पर रहता है। इसके साथ सुविचारित पाठ्यक्रम तथा शिक्षण और उद्योग का अनुभव इस पाठ्यक्रम की विशेष पहचान के तौर पर उभरा है।

वर्ष 2017-18 में विज्ञापन एवं जनसंपर्क पाठ्यक्रम में कुल 70 विद्यार्थी थे। पाठ्यक्रम के 12 प्रश्नपत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को गहन शिक्षण, प्रशिक्षण एवं कौशल अभिवृद्धि अभ्यास कराया गया। गत वर्षों की भांति संस्थान के संकाय के अलावा उद्योग जगत की सर्वोत्तम हस्तियों ने भी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों ने कई नामी गिरामी ब्रांडों, मीडिया के खोजी मुद्दों तथा संकट प्रबंधन सिमुलेशन और कॉपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी एस आर-CSR) ब्रांड निर्माण इत्यादि पर कार्य किया। इस बार सैद्धांतिक पढ़ाई के दौरान नए तरीकों का भी इस्तेमाल किया गया। इनमें छात्रों को बेहतर ढंग से समझाने के लिए चरित्रों द्वारा नाटक अदायगी, केस स्टडीज़, किताबों की समीक्षा और प्रश्नोत्तरी इत्यादि के रूप में अध्यापन की नवीन पद्धतियां आरंभ की गईं।

छात्रों ने महत्वपूर्ण विज्ञापन अभियानों पर कार्य किया। पिछले वर्ष उन्होंने सड़क परिवहन मंत्रालय के लिए सड़क सुरक्षा पर अभियान चलाया और मंत्रालय से इसके लिए एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि के रूप में प्राप्त की। इस वर्ष एक वार्षिक प्रदर्शन अभियान आयोजित किया गया। सबसे प्रत्याशित समारोह वार्षिक अभियान को इन्द्रधनुष नाम दिया गया जो इस वर्ष 23 मार्च को सुबह 10.30 बजे से मिनी सभागार में रखा गया था। इस वर्ष की प्रदर्शनी में विज्ञापन और जन संपर्क विभागों के छात्रों और रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता के छात्रों ने भी भाग लिया। छात्रों द्वारा अभियानों में दवाई का दुरुपयोग, बाल श्रम, बाल अभिग्रहण आदि जैसे सामाजिक जागरूकता वाले विषयों की छानबीन की गई। यौन शिक्षा जैसे विषय और उत्तराखंड पर्यटन जैसे कुछ अद्वितीय विषयों पर भी विचार किया गया। डॉ. सुरभी दहिया, श्री आनन्द भूषण, श्री अहेड़बाम प्रहलाद और श्री राजेश राणा ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। लो लिंटास, मैकन एरिक्सन, फ्लोरोसेंस कम्युनिकेशन्स आदि जैसे प्रसिद्ध संगठनों से विविध संकाय सदस्यों और उद्योग विशेषज्ञों ने प्रस्तुत विविध अभियानों का विश्लेषण किया और सराहना की। साथ ही उन्होंने अपने मूल्यवान सुझाव भी दिये ताकि उद्योग में प्रवेश करने वाले छात्रों को आने वाले भविष्य में सहायता हो सके।

यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा और छात्रों द्वारा किया गया कड़ा परिश्रम तब फलीभूत हुआ, जब महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय ने बच्चों को गोद लेने से संबंधित परियोजनाओं में से एक “दुलार की पुकार” का प्रचार-प्रसार करने की सहमति प्रदान की। इस कार्यक्रम ने यकीनन भावी अभियानों के लिए एक मिसाल कायम की है। अन्य छात्रों ने अपने अभियान विशेषज्ञों और मंत्रालय के प्रतिनिधियों को प्रस्तुत किए और अपनी सृजनात्मक कार्य प्रणाली और निर्माण की गुणवत्ता एवं कर्मठता के लिए सराहना भी प्राप्त की।

8 दिसम्बर, 2017 को विज्ञान एवं जन संपर्क के छात्रों ने एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। ये प्रस्तुतिकरण छात्रों द्वारा कुशल रूप से तैयार और प्रबंधित किए गए थे। उनके नाटकों ने कुछ ऐसे ज्वलंत मुद्दों को उठाया जिससे हमारा समाज पीड़ित है यथा महिलाओं के लिए बराबर अधिकार, बलात्कार की मानसिकता से आजादी, ट्रांसजेंडर अधिकार, मासिक धर्म से जुड़ी रूढ़िवादिता और जाति आधारित भेदभाव। हमारी संस्कृति और समाज में इन समस्याओं की जड़े काफी गहरी हैं और हमारे छात्रों ने न केवल इन्हें उजागर किया, बल्कि सकारात्मक परिवर्तन के लिए अपील भी की। ऐसे कार्यक्रमों और प्रयासों से एक बेहतर विश्व के निर्माण हेतु संचार व्यावसायिक तैयार करने के हमारे समान उद्देश्य के प्रति आस्था को पुनः जागृत करने में बल मिलता है।

विज्ञापन एवं जन संपर्क विभाग की पांच टीमों वाट कंसल्ट द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के दूसरे चरण में चुनी गईं। सभी टीमों ने डिजिटल पिच तैयार की थी जिसका पुरस्कार कांस महोत्सव का दौरा था। महक, प्रतिभा और

दीक्षिता को 25,000 रुपए नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र, ट्रॉफी और ढेर सारी प्रशंसा प्राप्त हुई।

आईआईएमसी के विज्ञापन एवं जन संपर्क विभाग ने छात्रों के अध्ययन अनुभव को बढ़ाने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित की। हमारी कुछ महत्वपूर्ण कार्यशालाएं जिन्होंने हमारे छात्रों को अपना कौशल निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उनमें मोबाइल पत्रकारिता और अनुप्रयोग पर सुबी चतुर्वेदी की कार्यशाला शामिल है जिसमें छात्रों ने मोबाइल पर उपलब्ध सामग्री, विशेषकर वह सामग्री जो खबरों में है, का जायजा लिया। ऐसी ही एक अन्य कार्यशाला सुश्री बिदिशा चक्रवर्ती और सुश्री लीजा द्वारा आयोजित की गई जो संकट प्रबंधन में जन संपर्क की भूमिका के बारे में थी। यह वह समस्याएं हैं जिनका सामना हमारे अधिकतर छात्र अपने करियर में करते ही हैं। अन्य सफल कार्यशालाओं में श्री पालिन निंगथाउजन और सुश्री दिशा द्वारा डिजिटल मार्केटिंग और सामाजिक मीडिया पर थी। इस कार्यशाला से हमारे छात्रों को महत्वपूर्ण डिजिटल ज्ञान प्राप्त हुआ। उमा शंकर पांडे द्वारा मीडिया के असरदार प्रभावों पर ज्ञानवर्धक कार्यशाला भी आयोजित की गई। द ट्रिब्यून चंडीगढ़ से श्री जुपिन्दरजीत सिंह ने “राइटिंग मिडल्स” पर एक कार्यशाला तथा प्रसून, निदेशक, मैजिक ब्रिक्स डॉट कॉम (MagicBricks.com) तथा अंजली बैरी ने “कैम्पेन्स इन द डिजिटल स्पेस” पर एक कार्यशाला आयोजित की।

इस वर्ष न केवल विज्ञापन/पीआर छात्रों बल्कि क्षेत्रीय परिसर सहित अन्य पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए भी विज्ञापन और पीआर में उत्साहजनक प्लेसमेंट देखने को मिली। प्लेसमेंट के लिए आई कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र कंपनियों में से टाटा, जिंदल, इफ्को, एडफैक्टर्स, इडलमैन पीआर, एवीएन मीडिया, पीआर पंडित, वाट कंसल्ट, एक्सेंचर आदि प्रमुख थीं। सबसे उच्चतम वेतन पैकेज टाटा और जिंदल की ओर से 12 लाख रुपए प्रति वर्ष का था।

रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम : शैक्षणिक वर्ष 2017-18 में, रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता का स्नातकोत्तर डिप्लोमा में दाखिला लेने वाले सभी 43 छात्रों ने प्रशिक्षण के द्वारा उक्त पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। इन विद्यार्थियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक तौर पर व्यापक, गहन और कड़े अभ्यास का सामना करना पड़ा।

तीव्रता से विकसित होते हुए मीडिया उद्योग और बदलती हुई तकनीकों के अनुसार पाठ्यचर्या में लगातार बदलाव किया जाता है। छात्रों को प्रख्यात मीडिया व्यावसायिकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कमर वाहिद नकवी ने टेलीविजन समाचार निर्माण पर सप्ताह भर लंबी कार्यशाला की। अखलाक उस्मानी ने उन्हें टीवी समाचार पैकेजिंग सिखाई। सुदीप्तो सेन ने सिनेमा की जादुई दुनिया से परिचित कराया। दानिश इकबाल ने उन्हें रेडियो नाटक से परिचित कराया। डॉ. तबनीहा अंजुम, विनोद कुमार, शाही शायका और समीर अशरफ ने उन्हें फोटोग्राफी के टिप्स दिए। शेफाली चतुर्वेदी और आर. जे. सिमरन कोहली ने उन्हें मनोरंजन रेडियो की गलियों की सैर कराई। आज तक चैनल के शम्स ताहिर खान (अपराध रिपोर्टिंग), विक्रान्त गुप्ता (खेल रिपोर्टिंग) और सईद अंसारी (समाचार एंकर), एनडीटीवी के पल्लव बागला, और दूरदर्शन के अशोक श्रीवास्तव ने अपने क्षेत्र के अनुभवों को साझा किया। विशेषज्ञों ने छात्रों की प्रतिभा को तराशा और उससे उत्साहजनक परिणाम देखने को मिले। छात्रों ने फरवरी, 2018 में आयोजित चित्र भारती फिल्म उत्सव में छः प्रविष्टियां दीं। सभी प्रविष्टियों को दर्शकों से वाहवाही मिली और उसमें से एक को पुरस्कार भी मिला। गारेन पानर को लघु फिल्म ‘1311 किलोमीटर’ में अभिनय करने के लिए श्रेष्ठ अभिनेता (महिला) घोषित किया गया।

डॉ. सईद नवाज अहमद के साथ छात्रों ने 'स्त्री सशक्तिकरण' पर आईआईएमसी टाइम्स के विशेष संस्करण निकाले। कार्डिफ विश्वविद्यालय के प्रो. मैथ्यू स्वेन और प्रो. एन्नेट डेटो ने मीडिया नीति के बारे में चर्चा की। श्री राहुल महाजन को सकारात्मक रिपोर्टिंग पर विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। श्री विक्रम बहल ने साक्षात्कार की कला और श्री शुभांशु चौधरी ने विकास संचार माध्यम में कैसे नवाचार करना है विषय पर व्याख्यान दिया। सुश्री अर्चना दत्ता और सुश्री वीना जैन (दोनों दूरदर्शन समाचार के पूर्व महानिदेशक हैं) ने सरकारी संचार माध्यमों की प्रणाली के बारे में व्याख्यान दिया।

छात्रों को रेडियो/टीवी समाचार कक्ष के प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के लिए, दूरदर्शन समाचार, आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग और बीबीसी के दिल्ली के दौरे के लिए ले जाया गया। उनके क्षेत्र कार्य में सूरजकुंड शिल्प मेले की कवरेज को भी शामिल किया है।

रेडियो और टेलीविजन विभाग आईआईएमसी के पांच अन्य संस्थानों के सभी छात्रों को प्रसारण पत्रकारिता में प्रशिक्षण देता है। यह भारतीय सशस्त्र सेनाओं, अर्ध सैनिक बलों, एनडीआरएफ और राज्यों के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को लघु अवधि रेडियो/टीवी कोर्सों के लिए लॉजिस्टिक और तकनीकी इनपुट भी देता है।

न्यू मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी

न्यू मीडिया विभाग ने अंग्रेजी पत्रकारिता, हिंदी पत्रकारिता, रेडियो और टेलीविजन तथा विकास पत्रकारिता के छात्रों के लिए अनेक कार्यशालाएं आयोजित कीं ताकि उनमें न्यू मीडिया की समझ और विभिन्न रूपों में मीडिया के संदेश बनाने के लिए उनके डिजिटल कौशल का विकास किया जा सके। विभाग में वर्ष 2017-18 में निम्नलिखित कार्यशालाएं आयोजित की:

अंग्रेजी पत्रकारिता और विकास पत्रकारिता के छात्रों के लिए दिनांक 27 सितंबर 2017 को मोबाइल पत्रकारिता की कार्यशाला आयोजित की गई। श्री विशाल अरोड़ा ने डॉ. आनंद प्रधान और डॉ. अनुभूति यादव के साथ मिलकर इस कार्यशाला का आयोजन किया।

हिंदी पत्रकारिता और रेडियो और टेलीविजन विभागों के लिए भी फरवरी, 2018 में मोबाइल पत्रकारिता कार्यशाला आयोजित की गई।

अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों के लिए पैनासोनिक द्वारा डिजिटल छायांकन पर भी एक कार्यशाला आयोजित की गई। पैनासोनिक के श्रीकेंज केंजी तकेयी, मुख्य प्रशिक्षक थे। छात्रों को अद्यतन वीडियो और स्टिल कैमरा पर वास्तविक प्रशिक्षण भी दिया गया।

अंग्रेजी पत्रकारिता के छात्रों के लिए 29-30 अक्टूबर 2017 को एक कॉमिक पत्रकारिता कार्यशाला भी आयोजित की गई। ग्रासरूट कॉमिक्स के फाउंडर श्री शरद शर्मा इसमें मुख्य प्रशिक्षक थे। यह विभाग अन्य सभी विभागों में न्यू मीडिया पेपर के अंतर्गत डाटा पत्रकारिता, डिजिटल मार्केटिंग, डिजिटल टूल्स और ऑनलाइन पत्रकारिता आदि पर भी कार्यशाला आयोजित करता है।

सरकारी कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

विभाग ने भारतीय सूचना सेवा विभाग के सहयोग से भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के लिए 3 जुलाई 2017 को नेशनल मीडिया सेंटर में शासन के लिए सोशल मीडिया विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

विभाग ने असम के जनसंपर्क अधिकारियों के लिए अगस्त, 2017 को **डिजिटल युग में जनसंपर्क विषय** पर एक कोर्स आयोजित किया।

विकास और अनुसंधान

विभाग ने वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जनसंचार विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय में 10 से 14 जुलाई 2017 (पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक) आयोजित एक कार्यशाला में न्यू मीडिया की शब्दावली बनाने में भी योगदान दिया।

विभाग ने कंसोर्टियम फॉर एजुकेशन कम्युनिकेशन सीईसी), पीजी पाठशाला, स्वयं और मुक्त शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के राष्ट्रीय कोष के लिए न्यू मीडिया पर ई सामग्री भी तैयार की है।

विभाग ने **सोशल मीडिया फॉर सिटीजन इंगेजमेंट विषय** पर अनुसंधान रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस परियोजना को यूजीसी- यूपीई फोकस एरिया-II प्रोजेक्ट (मैसूर विश्वविद्यालय) द्वारा वित्तपोषित किया गया।

विभाग ने प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA) के साथ पाठ्यचर्या विकास और मूल्यांकन के लिए सहभागिता की।

विस्तार

यह विभाग संस्थान की वेबसाइट www.iimc.gov.in और सोशल मीडिया हैंडल को संचालित करता है।

विभाग ने 7 दिसंबर 2017 को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सशस्त्र बलों के अधिकारियों के साथ छात्रों का एक इंटरएक्टिव सत्र भी आयोजित किया।

वर्ष 2017-2018 की प्रमुख गतिविधियां

वर्ष 2017-2018 के दौरान क्षेत्रीय परिसरों में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए

आईआईएमसी के ढेंकानाल परिसर में आयोजित गतिविधियां

आईआईएमसी, ढेंकानाल का शैक्षणिक सत्र 1 अगस्त, 2017 को आरंभ हुआ। छात्रों के लिए अतिथि संकाय द्वारा सारगर्भित व्याख्यान दिए गए ताकि छात्र और अधिक सीख और जान सकें और उन्हें अपने आसपास की दुनिया की जानकारी मिल पाए।

4 अगस्त को ओडिशा पत्रकारिता दिवस के अवसर पर डॉ. अनूप दास, पूर्व समाज विज्ञान प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय ने **ग्लोबल कैपिटल एंड वर्नाकुलर मीडिया** विषय पर एक व्याख्यान दिया; 8 अगस्त को कैंपस में अगस्त क्रांति दिवस मनाया गया; प्रोफेसर सुधीर घोष ने 'गांधी एज़ ए कम्युनिकेटर' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

17 अगस्त को संस्थान का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ओडिशा के पूर्व मुख्य सचिव डॉ सुभाष पाणी ने **फैक्ट्स, फिक्शन एंड न्यूज़** विषय पर एक व्याख्यान दिया। जिसके बाद शाम को छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा एक सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

21 अगस्त को प्रोफेसर सूर्य मिश्रा द्वारा नियमों, विनियमों और विशेष अधिकारों का संदर्भ देते हुए भारतीय संसदीय प्रणाली पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

अभ्युत्थान फाइनैशियल सेंटर, भुवनेश्वर द्वारा 24 अगस्त को **डिजिटल वित्तीय साक्षरता** विषय पर एक कार्यशाला

भी आयोजित की गई और इसके साथ ही 28 अगस्त, 2017 को प्रोफेसर डॉ. एस. एन. मिश्रा, डीन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, केआईआईटी, भुवनेश्वर द्वारा प्रोफेसर के. एम. श्रीवास्तव स्मृति व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान का शीर्षक था 'विकास और वृद्धि'।

भाषा के सौंदर्य की सराहना करने के लिए परिसर में 4 से 14 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें हिंदी भाषा में वाद-विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दिनांक 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसके पश्चात शाम को छात्रों द्वारा एक सांस्कृतिक समारोह भी आयोजित किया गया।

छात्रों को फोटोग्राफी की विधा से परिचित कराने के लिए परिसर में 9 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक एक 3 दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला भी आयोजित की गई जिसमें हिमांशु व्यास, मुख्य फोटोग्राफर, हिंदुस्तान टाइम्स, जयपुर और तबीना अंजू कुरेशी, ब्यूरो हेड, डेक्कन हेराल्ड, जयपुर ने फोटोग्राफी के बारे में छात्रों का ज्ञानवर्धन किया।

उदीयमान पत्रकारों ने 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस भी मनाया जिसमें वरिष्ठ पत्रकार और ओम कॉम न्यूज़ संपादक श्री जजाती करन ने **भारत में मीडिया के समक्ष चुनौतियां** विषय पर चर्चा की। इस अवसर पर पहला लैब जर्नल और एक फोटोग्राफी ब्रोशर भी जारी किया गया।

22 नवंबर को आईआईएमसी, ढाकाल के पहले रेजिडेंट निदेशक की पुण्यतिथि के अवसर पर सुप्रसिद्ध नाटककार और रंगमंच निदेशक श्री सुबोध पटनायक द्वारा 'विकास के साधन के रूप में रंगमंच' विषय पर पहला प्रोफेसर बी. बी. मोहंती स्मृति व्याख्यान दिया गया।

संस्थान में आईएसडब्ल्यूओ और ओएक्सएफएम द्वारा 5 दिसंबर को **महिलाओं के विरुद्ध हिंसा** विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया।

रजत जयंती उत्सव के भाग के रूप में संस्थान में 14 से 16 जनवरी को फिल्मी चक्कर नामक एक तीन दिवसीय फिल्म कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता डॉ. पीयूष राय द्वारा आयोजित की गई थी जो पूर्व में आईआईएमसी, ढाकाल के विद्यार्थी भी रहे हैं। इस अवसर पर "सिनेमा- थ्रू दी प्रिज्म ऑफ रियलिटी" विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार भी आयोजित किया गया। इस समारोह में श्री देवदास छोट्रय, सेवानिवृत्त कुलपति, रावेनशा विश्वविद्यालय, प्रोफेसर नदीम खान, क्षेत्रीय निदेशक, आईआईएमसी, अमरावती और फिल्म अनुसंधानकर्ता और लेखक श्री सूर्य देव जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने भी शिरकत की।

फरवरी के आखिरी सप्ताह में रजत जयंती वर्ष का समारोह आरंभ हुआ। इस सप्ताह का पहला आयोजन 'डिजिटल युग में जनसंपर्क' विषय पर एक गोलमेज चर्चा थी। इस आयोजन में प्रोफेसर सुबीर घोष, लेखक श्री रामेंद्र कुमार श्री समीर गोस्वामी और श्री अमर ज्योति महापात्र, अध्यक्ष पीआरएसआई, ओडिशा चैंप्टर भी उपस्थित हुए। अगले दिन लोकप्रिय लेखक रामेंद्र कुमार द्वारा लेखन कौशल विकसित करने के संबंध में एक कार्यशाला आयोजित की गई।

26 फरवरी को संस्थान में पूर्व छात्रों की वार्षिक सभा आयोजित की गई जिसमें पिछले बैचों के छात्र अपने मात्री संस्थान की रजत जयंती मनाने के लिए इकट्ठा हुए थे।

और अंत में सबसे प्रमुख समारोह का समय आया। 27 फरवरी को दो दिवसीय रजत जयंती समारोह आरंभ हुआ

और इसमें देश के विभिन्न भागों से गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। अतिथियों में शामिल कुछ सम्मानित नाम इस प्रकार रहे -ब्रिगेडियर केपी सिंह देव, पूर्व सूचना और प्रसारण मंत्री, श्री के जी सुरेश, महानिदेशक, आईआईएमसी दिल्ली, प्रोफेसर विजय परमार, डीन एकेडमिक, प्रोफेसर गीता बाम्जई, श्री सुब्रतो बागची, अध्यक्ष, ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण, प्रतिष्ठित लेखक प्रोफेसर नित्यानंद मिश्रा, श्री सुबीर घोष, श्री स्नेह आशीष सुर, श्री समीर गोस्वामी और श्री अभय पथि।

इस अवसर पर रजत जयंती स्मारिका, मीडिया 360 और संवाद प्रसंग-2 नामक एक लेख संग्रह का विमोचन किया गया।

इस दिन 'डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ नॉलेज' और 'ट्रायल बाय मीडिया' विषय पर संभाषण आयोजित किए गए शाम को गायन और नाटक प्रभाग, भारत सरकार के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण ओडिशा का पारंपरिक गोटीपुआ नृत्य था।

28 फरवरी को आईआईएमसी, ढ़कानाल द्वारा इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के सहयोग से दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए एक विशेष पहल शुरू की गई। इस केंद्र, जो ब्रेल सक्षम कंप्यूटर से लैस है और इसमें एक ब्रेल पुस्तकालय भी है, का उपयोग पत्रकार बनने के इच्छुक दृष्टिबाधित व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा। इस दिन 'मीडिया का भविष्य' विषय पर एक गोलमेज चर्चा भी आयोजित की गई।

इस अवसर पर संस्थान के मेधावी छात्रों पुष्पांजलि पांडा और धारिणी मुद्गल को इस वर्ष की प्रतिष्ठित डॉ. राधानाथ रथ फैलोशिप और सत्य महापात्रा फैलोशिप भी प्रदान की गई। 19 मार्च को संस्थान की रजत जयंती के स्मरण में डाक टिकट भी जारी किया गया।

आईआईएमसी के आइजोल परिसर की गतिविधियां

भारतीय जन संचार संस्थान(आईआईएमसी) के पूर्वोत्तर परिसर का वर्ष 2017-18 का शैक्षणिक सत्र 1 अगस्त 2017 को 8 छात्रों के बैच के साथ आरंभ हुआ। अंग्रेजी पत्रकारिता में 8 छात्र थे।

इस वर्ष का प्रमुख आकर्षण आईआईएमसी के महानिदेशक, श्री के जी सुरेश का 20 अप्रैल, 2018 का दौरा था। श्री सुरेश ने 20 अप्रैल 2018 को आईआईएमसी, आइजोल के छात्रों और संकाय सदस्यों से एक लंबी और जीवंत वार्ता की। उदीयमान पत्रकारों से बात करते हुए महानिदेशक ने आधुनिक पत्रकारिता में विशेषज्ञता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने दिल्ली में कैंपस रिक्रूटमेंट पखवाड़े में आइजोल परिसर के छात्रों के प्रदर्शन पर भी संतोष प्रकट किया। श्री सुरेश ने संस्थान के स्थायी परिसर के निर्माण स्थल का भी दौरा किया जो इस समय तनहरिल में मिजोरम विश्वविद्यालय कैंपस में निर्माणाधीन है आशा है कि यह परिसर 2019 के अंत तक पूरा हो जाएगा। इस समय संस्थान एमजेडयू कैंपस के एक भवन से कार्यरत है।

23 अगस्त, 2017 को आईआईएमसी के छात्रों ने असम राइफल्स मुख्यालय का दौरा किया और उनके साथ सहायक प्रोफेसर सुदर्शन बोरपत्र गुहाई और डॉक्टर सी लालमुंसंगिमी, क्षेत्रीय निदेशक श्री एल आर सायलो थे। इस समूह ने कमांडेंट ब्रिगेडियर एम.एस. मोखा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक लाभकारी चर्चा की। उन्हें असम राइफल्स के इतिहास और महत्व के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हुई और उन्हें पता चला कि किस प्रकार असम राइफल राष्ट्र की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। श्री गोपाल मिश्रा दिल्ली की अतिथि संकाय भी आईआईएमसी

के उस समूह का हिस्सा थे जिसने असम राइफल्स का दौरा किया।

12 सितंबर को आईआईएमसी, आइजोल के छात्रों और संकाय ने क्षेत्रीय निदेशक के नेतृत्व में श्री एल डी राल्ते, आईएफएस (सेवानिवृत्त) मुख्य सूचना आयुक्त, मिजोरम के साथ बातचीत की। श्री एल डी राल्ते ने भारत सरकार के शीर्षस्थ पदों पर सेवा के अपने बृहद अनुभव से छात्रों को अनेक विषयों विशेषकर मिजोरम में सूचना अधिकार अधिनियम और इसके प्रयोग के संबंध में शिक्षित किया।

शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों ने राई-एक में थालफावांग कुट (पर्यटन उत्सव) और एआर ग्राउंड आइजोल में सबसे महत्वपूर्ण मिजो सांस्कृतिक उत्सव चापचार कुट जैसे समारोहों में भी भाग लिया। जबकि वह छात्रों की सांस्कृतिक शिक्षा का हर महत्वपूर्ण भाग था, उन्होंने उस कार्यक्रम पर लघु वृत्तचित्र भी तैयार किया।

आईआईएमसी द्वारा मनाए गए स्वच्छता पखवाड़े की अवधि के दौरान, आईआईएमसी आइजोल के छात्रों ने परिसर के क्षेत्र को साफ किया और स्वच्छ भारत अभियान के विभिन्न पहलुओं पर केन्द्रित ब्लॉग पोस्ट लिखे एवं पोस्टर बनाए।

आईआईएमसी के अमरावती परिसर की गतिविधियां

शैक्षणिक सत्र 2017-2018 के दौरान, पत्रकारिता अंग्रेजी और मराठी में दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाए। इस वर्ष के दौरान आईआईएमसी अमरावती के छात्रों ने नेमी रिपोर्टिंग कार्यों के भाग के तौर पर जिला ग्रंथोत्सव सहित गणेशोत्सव, दुर्गा पूजा, जन्माष्टमी जैसे स्थानीय कार्यक्रमों एवं उत्सवों तथा संत गङ्गे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को शामिल किया।

अंग्रेजी बैच ने 9 से अधिक लैब जर्नल प्रकाशित किए और प्रथम मराठी पत्रकारिता बैच ने सफलतापूर्वक 15 जर्नल प्रकाशित किए। ये लैब जर्नल प्रमुखतः छात्रों द्वारा तैयार स्थानीय समाचार और लेखों पर आधारित थे। सभी अंकों के सभी पृष्ठ छात्रों द्वारा विशेष तौर पर शोधबद्ध, लिखे, संपादित, अभिकल्पित और प्रकाशित किए गए। उन्हें दैनिक आधार पर रिपोर्टिंग पर जाने को कहा गया। इसका उद्देश्य रिपोर्टिंग और संपादन कौशल में उन्हें प्रशिक्षित करना था।

छात्रों ने दशहरा, महिला शक्ति, राष्ट्रीय प्रेस दिवस, मराठी पत्रकार दिन, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, जिला पुस्तकालय और जिला सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित संत गङ्गे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय और ग्रंथोत्सव के दीक्षांत समारोह जैसे कुछ विशेष मुद्दों पर कार्य किया। छात्रों ने काफी फोटोग्राफी भी की। उनके द्वारा रिपोर्ट की गई अधिकतर खबरों के साथ उनके द्वारा खींचे गए चित्र थे।

मराठी पत्रकारिता छात्रों के लिए टेलिविज़न की कार्य प्रणाली को सैद्धांतिक और वैचारिक रूप से समझाने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। स्थानीय टेलिविज़न पत्रकारों का मार्गदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया। हमें यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि उन्हें दिए गए सीमित समय में, छात्रों ने पांच वृत्तचित्र: दो अंग्रेज़ी और तीन मराठी, पूरे किए। शूटिंग, पटकथा लेखन, पार्श्व स्वर और संपादन सहित सभी कुछ उन्होंने ही किया। रेडियों में उनके प्रशिक्षण के भाग के रूप में, उन्होंने समूह कार्यक्रम के तौर पर रेडियो समाचार बुलेटिन और फीचर तैयार किए।

नव मीडिया प्रैक्टिकल के भाग के तौर पर उन्होंने ब्लॉग और मोबाइल कहानियां तैयार कीं।

छात्रों ने एक स्थानीय समाचार पत्र प्रतिदिन की मुद्रण प्रेस और साधना नामक स्थानीय समुदाय रेडियो का दौरा किया। उन्होंने नागपुर स्थित टाइम्स ऑफ इंडिया कार्यालय तथा आकाशवाणी स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने संबंधित पत्रों एवं रेडियो के कार्यक्रम को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने आईबीएन लोकमत के ब्यूरो प्रमुख से भी बातचीत की। छात्रों ने नागपुर प्रेस क्लब का भी दौरा किया तथा महाराष्ट्र प्रेस क्लब के अध्यक्ष और नागपुर के अन्य प्रख्यात पत्रकारों के साथ पत्रकारिता एवं अन्य संबंधित मुद्दों पर एक लंबे और शिक्षाप्रद परस्पर बातचीत सत्र में भाग लिया। उन्होंने निकटवर्ती पहाड़ी क्षेत्र चिखलदारा और सेवाग्राम में गांधी आश्रम का दौरा किया। उन्होंने सेंट्रल जेल का भी दौरा किया और अधिकारियों से बातचीत की।

हमने 6 जनवरी, 2018 को स्थानीय, श्री शिवाजी आर्ट्स कॉलेज के पत्रकारिता विभाग और जिला सूचना कार्यालय के साथ मराठी पत्रकारिता दिन मनाया।

हमारे तीन मराठी छात्रों नामतः अश्विनी, शुभम और कैलाश ने महाराष्ट्र राज्य सरकार की ऑनलाइन पहल, सोशल मीडिया महामित्र में भाग लिया और राज्य के मुख्यमंत्री श्री देवन्द्र फडणवीस द्वारा हस्ताक्षरित डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

कई प्रमुख पत्रकारों, शिक्षाविदों और व्यावसायिकों जैसे महेन्द्र वेद, संजय घरडे, संजय पखोडे, योगेश जोशी, संजय शिंदे, किशोर द्रविदेदी, निकिता गुप्ता, श्रीपद जोशी और श्रीराम जोशी सहित ने हमारे छात्रों को कई महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

आईआईएमसी के जम्मू परिसर की गतिविधियां

शैक्षणिक वर्ष 2017-2018 के लिए अंग्रेजी पत्रकारिता कार्यक्रम में 12 छात्र थे।

आईआईएमसी का 53वां स्थापना दिवस समारोह :

17 अगस्त, 2017 को आयोजित आईआईएमसी के 53वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान श्री. के. बी. जंदियाल (आईएस), महामहिम राज्य के पूर्व सलाहकार/ब्यूरोक्रेट और सूचना एवं जन संपर्क निदेशक, जम्मू एवं कश्मीर सरकार ने छात्रों को समाचार कवरेज और पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं पर संबोधित किया। उन्होंने आतंकवाद के दिनों के दौरान अपने अनुभवों को छात्रों के साथ साझा किया और संघर्षपूर्ण रिपोर्टिंग के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों को सलाह दी। उन्होंने राज्यों और केन्द्र सरकार द्वारा नियंत्रित मीडिया इकाइयों के कामकाज पर छात्रों द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रश्नों का भी उत्तर दिया।

स्वर्गीय प्रोफेसर के एम. श्रीवास्तव स्मारक व्याख्यान :

आईआईएमसी जम्मू परिसर द्वारा 28 अगस्त 2017 को द्वितीय स्वर्गीय प्रो. के. एम. श्रीवास्तव स्मारक व्याख्यान "जम्मू और कश्मीर में मीडिया एवं वातावरण" विषय पर आयोजित किया गया। श्री सी. एम. सेठ, पूर्व अध्यक्ष, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा अध्यक्ष डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, जम्मू एवं कश्मीर शाखा के अध्यक्ष इस स्मारक व्याख्यान में प्रमुख वक्ता थे। इस स्मारक व्याख्यान में अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ अश्विनी कुमार, आज तक समाचार चैनल के ब्यूरो प्रमुख, सुश्री संगीतिका निगम, प्रसिद्ध फिल्मकार/अतिथि शिक्षक उपस्थित थे। श्री सी. एम. सेठ ने जम्मू और कश्मीर राज्य में वन्य जीवन के परिरक्षण में मीडिया की भूमिका के बारे में बात की।

श्री निजामुद्दीन भट्ट द्वारा व्याख्यान :

श्री निजामुद्दीन भट, पूर्व उप कुलपति हस्तशिल्प विकास निगम और जम्मू एवं कश्मीर के दिग्गज पत्रकार ने अक्टूबर 2017 में **मीडिया में नैतिकता और अच्छी प्रथाओं** पर छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने जम्मू एवं कश्मीर राज्य में भ्रामक खबरों की विश्वसनीयता उद्देश्य और प्रभाव की प्रासंगिकता और महत्व पर भाषण दिया। उन्होंने छात्रों को अच्छी पत्रकारिता के नियमों का पालन करना, तत्काल लाभ के लिए शार्टकट की तलाश न करने के बारे में छात्रों को सलाह दी।

फोटो पत्रकारिता पर सात दिवसीय कार्यशाला

श्री नारायण आचार्य, वरिष्ठ पत्रकार जम्मू एवं कश्मीर ने अक्टूबर/नवम्बर, 2017 में फोटो पत्रकारिता के छात्रों के लिए सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। उन्होंने सैद्धांतिक इनपुट्स के अलावा फोटो पत्रकारिता के व्यावहारिक पहलुओं को प्रस्तुत किया। उन्होंने फोटो पत्रकारिता में नैतिकता और नई प्रवृत्ति के बारे में भी छात्रों को व्याख्यान दिया और मोबाइल पत्रकारिता पर भी एक विशेष सत्र चलाया।

भारतीय प्रेस परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन समारोह में भागीदारी

जम्मू एवं कश्मीर के तीन छात्रों ने भारतीय प्रेस परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन और पत्रकारिता में राष्ट्रीय विशिष्टता पुरस्कार में भाग लिया जहां उनको दिनांक 16 नवम्बर, 2017 को वहां दौरा करने और राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तियों से मिलने का अवसर प्रदान हुआ।

समाचार कक्ष की कार्य गति और कार्य पद्धति

समाचार कक्ष की संपूर्ण कार्य गति और कार्य पद्धति के बारे में छात्रों को अवगत कराने के लिए निम्नांकित दौरे आयोजित किए गए :

- i) दूरदर्शन में जहां छात्रों ने श्री संजीत खजूरिया, उप निदेशक, समाचार से पारस्परिक बातचीत की और उन्होंने समाचार प्रणाली के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया। छात्रों को दूरदर्शन के स्टूडियो और तकनीकी अवसंरचना के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ। उनको प्रकाश व्यवस्था, आवाज और स्टूडियो तैयार करने के विविध पहलुओं पर भी विवरण दिया गया।
- ii) समान रूप से आज तक न्यूज चैनल में दौरा आयोजित किया गया। श्री अश्विनी कुमार, ब्यूरो प्रमुख, आज तक, जम्मू एवं कश्मीर, ने छात्रों को समाचार कक्ष की संपूर्ण कार्य गति और कार्य पद्धति के बारे में विवरण दिया। छात्रों ने आज तक में ओबी वैन की संचालन क्षमता, स्टूडियो और तकनीकी अवसंरचना को भी देखा। उन्होंने ताजा खबर, उसकी कवरेज और संघर्ष भरी रिपोर्टिंग के बारे में भी विवरण दिया।
- iii) टाइम्स नाऊ चैनल में एक दौरा आयोजित किया गया। छात्रों ने श्री प्रदीप दत्ता, ब्यूरो प्रमुख, टाइम्स नाऊ, जम्मू एवं कश्मीर से बैठक की। उन्होंने टीवी समाचार पत्रकारिता के विविध विषयों पर चर्चा की।

उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय व्याख्यान प्रतियोगिता में भागीदारी :

दिनांक 18 जनवरी, 2018 को जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयों के बीच 'इज डिजिटल इंटरवेंशन इन एजुकेशन अमंग द मोस्ट प्रैसिंग चैलेंजिज?' विषय पर व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की गई। राज्य के अंदर और बाहर से आईआईएमसी जम्मू के दो छात्रों सहित 16 शैक्षणिक संस्थानों से 32 भागीदारों ने

प्रतियोगिता में भाग लिया। महामहिम राज्यपाल श्री एन. एन. वोहरा ने प्रमाणपत्र वितरित किए।

महानिदेशक की छात्रों के साथ बैठक :

आईआईएमसी के महानिदेशक श्री के. जी. सुरेश ने दिनांक 20 जनवरी, 2018 को परिसर के छात्रों के साथ बैठक की। उन्होंने छात्रों को पेशेवर सलाह दी। मीडिया उद्योग की आवश्यकता को बताते हुए उन्होंने छात्रों को दैनिक आधार पर लिखने का परामर्श दिया और उन्होंने छात्रों से तथ्यात्मक सामग्री को अच्छी तरह समझने के बाद समाचार बनाने की सलाह दी। चर्चा के दौरान उन्होंने क्षेत्रीय निदेशक से छात्रों को उस साइट में ले जाने कह सलाह दी, जहां स्थायी क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित किया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस समारोह

उत्तरी क्षेत्रीय परिसर, आईआईएमसी, जम्मू में गणतंत्र दिवस देशभक्ति और उत्साह से मनाया गया। छात्रों ने स्किट, नृत्य और क्षेत्रीय भाषाओं में समाचार पढ़ने सहित सांस्कृतिक समारोह के जरिए अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत किया।

जम्मू एवं कश्मीर राज्य विधान/परिषद का दौरा

दिनांक 1 फरवरी, 2018 को आईआईएमसी, जम्मू एवं कश्मीर के छात्रों के लिए जम्मू एवं कश्मीर की विधान सभा दौरे का प्रबंधन किया गया ताकि वे विधान सभा की कार्यवाही और नियम निर्माण प्रक्रिया देख सकें। छात्रों ने विधान सभा के शून्य काल के सत्र में भाग लिया जहां विविध विधायकों द्वारा महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चाएं होती हैं।

औद्योगिक सम्पदा बड़ी ब्राह्मणा का दौरा :

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए आईआईएमसी के छात्रों ने दिनांक 15 फरवरी, 2018 को जम्मू के औद्योगिक हब बड़ी ब्राह्मणा का दौरा किया, जहां छात्रों को अपने समाचार तैयार करने का कार्य दिया गया। इस दौरे के दौरान आईआईएमसी मुख्यालय के अतिथि संकाय की परिवीक्षा के तहत छात्रों ने सीखा कि कैमरा को इसके हैंडलिंग के अलावा कैसे सामना करें।

आईआईएमसी कोइयम परिसर की गतिविधियां

दक्षिण भारत में भारतीय जन संचार संस्थान की कोइयम- अक्षर, लेटेक्स और झील की भूमि में वर्ष 1995 में हुआ था। यह कामकाजी पत्रकारों, जन संपर्क पेशेवरों और राज्य सूचना अधिकारियों को गुणवत्ता प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था। वर्ष 2012 में पहली बार आईआईएमसी कोइयम ने स्नातक छात्रों के साथ अंग्रेजी में स्नातकोत्तर पत्रकारिता कार्यक्रम के लिए अपना द्वार खोला था। तब से आईआईएमसी कोइयम प्रतिबद्धता, गुणवत्ता और उद्योग की तैयारी के साथ पत्रकारिता प्रतिभाओं का लगातार पोषण कर रहा है। यहां अंग्रेजी पत्रकारिता कार्यक्रम में 13 छात्र और मलयालम पत्रकारिता में 13 छात्र हैं।

नया पाठ्यक्रम की शुरुआत

रिपोर्टींग वर्ष में मलयालम पत्रकारिता में नया स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का आरंभ एक उल्लेखनीय विकास रहा। नये पाठ्यक्रम के आरंभ के साथ वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में मीडिया शिक्षा में वैश्विक मानक स्थापित करने में आईआईएमसी के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। आईआईएमसी क्षेत्रीय भाषाओं में भी पत्रकारिता के लिए क्षमता निर्माण और गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एक नया पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है। समारोह का उद्घाटन श्री के. जी. सुरेश, महानिदेशक, आईआईएमसी द्वारा किया गया जिसमें पत्रकारिता

के क्षेत्र के कई दिग्गजों की भागीदारी देखी गई।

अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम

इस आईआईएमसी कोट्टयम के परिसर में परिसर के बाहर जीवंत शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिग्गज पत्रकारों द्वारा प्रासंगिक विषयों पर व्याख्यान श्रृंखला के साथ शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत हुई। इस अवधि के दौरान गणमान्य व्यक्तियों जिन्होंने पत्रकारिता और जन संचार के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है परिसर का दौरा किया और छात्रों के साथ अपने अनुभवों और ज्ञान को साझा किया। छात्रों को सैद्धांतिक साथ ही मुद्रण, प्रसारण और ऑनलाइन पत्रकारिता के विविध पहलुओं पर व्यावहारिक शिक्षण प्रदान किया गया। छात्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करने के लिए विविध घटनाओं के क्षेत्र के दौरे के साथ विविध मीडिया हाउस में एक सप्ताह का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। छात्रों ने अपने व्यावहारिक असाइनमेंट के भाग के रूप में कई प्रयोगशाला पत्रिकाओं, वेब पोर्टल्स और शोध लेखों से भी जानकारी प्राप्त की।

अवधि के दौरान परिसर में विविध समारोह आयोजित किए गए। संस्थान का स्थापना दिवस, केरल राज्य दिवस, ओणम महोत्सव और शहीद दिवस भी परिसर में विविध कार्यक्रमों के साथ मनाए गए।

परिसर में विद्वान कार्यक्रम शुरू किया गया जिसके माध्यम से संचार के विभिन्न क्षेत्रों से प्रसिद्ध विद्वानों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ चर्चा करने का अवसर प्रदान किया गया। विद्वानों ने परिसर का दौरा किया और जन संचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं और हाल में हुए परिवर्तनों के बारे में छात्रों से चर्चा की।

गुरुवन्दन कार्यक्रम छात्रों को गुरु जिन्होंने उनको सीखने की दुनिया दिखाई थी के लिए श्रद्धा अर्पित करने की दृष्टि से शुरू किया गया था। वरिष्ठ पत्रकारों को छात्रों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया और इस अवसर पर उन्हें 'पोन्नाडा' पहनाकर सम्मानित किया गया।

अपनी भाषा को जानना कार्यक्रम गैर देशी छात्रों को स्थानीय भाषा के उचित उपयोग में प्रशिक्षण प्रदान करने की दृष्टि से शुरू किया गया था। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता को आत्मसात करने के लिए स्थानीय भाषा, स्थानीय वेशभूषा और परंपरा के साथ परिचय कराने के उद्देश्य से किया गया था।

पत्रकारिता मेंटर कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत बड़ा लाभदायक सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में छात्रों को सेमेस्टर के अंतराल/छुट्टियों के दौरान मीडिया हाउस भेजा गया और प्रत्येक मीडिया हाउस में वरिष्ठ पत्रकार द्वारा उनको व्याख्यान दिया गया।

स्वास्थ्य संचार पर कार्यशाला : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और स्वास्थ्य विभाग, केरल सरकार के सहयोग से संस्थान ने कोट्टयम के छात्रों और क्षेत्रीय रिपोर्टरों को दर्शक के रूप में लक्ष्य करके स्वास्थ्य रिपोर्टिंग पर एकदिवसीय संगोष्ठी आयोजित की। वर्ष के दौरान मलयालम पत्रकारिता में नया स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया। यह 'स्वास्थ्य रिपोर्टिंग' का घटक है। इसके अलावा संस्थान कोट्टायम में बाल अधिकार के लिए मीडिया अनुसंधान केन्द्र शुरू करने के लिए युनिसेफ इंडिया (तमिलनाडु एवं केरल) के साथ प्राथमिक चर्चा में हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा : छात्रों को 'स्वच्छ भारत' दर्शन की ओर योगदान देने और उन्हें स्वच्छ भारत के दूत बनाने के लिए संस्थान ने परिसर और छात्रावास भवन में विविध स्वच्छता अभियान आयोजित किए। संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों ने देश को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के कार्य में अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त करते हुए स्वच्छता शपथ ग्रहण की।

कैंपस प्लेसमेंट : मलयालम पत्रकारिता छात्रों के लिए कैंपस में प्लेसमेंट अभियान आयोजित किया गया। 12 छात्रों में 10 (83 प्रतिशत) को विविध मीडिया हाउस में प्रथम चरण में नियुक्त किया गया। मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित प्लेसमेंट अभियान के दौरान पर्याप्त संख्या में अंग्रेजी पत्रकारिता छात्रों को भी नियुक्त किया गया।

नया स्थायी परिसर

संस्थान पाम्पाडी, **कोट्टयम** में 10 एकड़ में सुंदर परिसर बना रहे हैं। नए परिसर में शैक्षणिक-सह-प्रशासनिक खंड, छात्रावास खंड और विविध प्रकार के रूक्वाटर भी होंगे। परिसर में सामुदायिक रेडियो स्टेशन का प्रावधान भी है। नए परिसर के उद्घाटन के साथ आईआईएमसी कोट्टायम एक ज्ञान संचालित सूचना सोसाइटी का निर्माण करने और राष्ट्रीय महत्व के संस्थान बनाने की उनके लक्ष्य में आगे बढ़ जाएगा।

भविष्य के लिए रोडमैप

आईआईएमसी **कोट्टयम** सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से संचार पेशेवरों के लिए अनेक नए अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू करके अपनी प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाने के लक्ष्य में है। केन्द्र आवश्यक उद्योग संबंध बनाने के लिए अपने सहयोगी नेटवर्क को सुधारने की योजना भी बना रही है। संचार क्षेत्र के विविध मुद्दे, चुनौतियां और समाधान को शामिल करके द्विभाषीय अनुसंधान पत्रिका भी प्रकाशित कर रहे हैं।

विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटेक) तथा विशेष राष्ट्रमंडल अफ्रीकी सहायता योजना (स्काप) कार्यक्रमों के अंतर्गत किया जाता है। चार महीने की अवधि के इस पाठ्यक्रम का आयोजन वर्ष में दो बार जनवरी से अप्रैल तथा पुनः अगस्त से नवंबर तक किया जाता है। वर्ष 2017-18 के दौरान 49 मीड कैरियर पत्रकारों ने यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया। संस्थान के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से अब तक 127 देशों के 1573 पत्रकार लाभान्वित हुए हैं।

भारतीय जन संचार संस्थान के विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा कोर्स की मांग काफी ज़्यादा है। यह अफ्रीका, एशिया, पूर्वी यूरोप और लातिनी अमीरका के मीड कैरियर पत्रकारों के लिए काफी मददगार है। इस कोर्स में एक सत्र में 24 सीट होती हैं। विकास पत्रकारिता कार्यक्रम के प्रारूप को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह कार्यरत पत्रकारों और संचार कर्मियों की कार्यकुशलता में वृद्धि करे। इससे उन्हें विकास और आर्थिक मुद्दों की रिपोर्टिंग करने में सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षमता हासिल होती है।

कोर्स का प्रारूप विकास की प्रक्रिया और संचार के साधनों के बीच मौजूद महत्वपूर्ण संबंध, उसकी महत्ता और जानकारीयों के निरंतर प्रचार-प्रसार की जरूरत को उजागर करने के लिए व्यापक रूप से तैयार किया गया है। संस्थान के संकाय, प्रख्यात विद्वानों और मीडिया तथा विकास पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ कक्षा-व्याख्यानों के द्वारा छात्रों को इसकी अहमियत से परिचित कराते हैं।

वर्ष 2017-18 के दौरान, 1 अगस्त से 27 नवंबर, 2017 तक विकास पत्रकारिता में 68वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 16 विभिन्न देशों के 25 पत्रकार स्कॉलर आए। कोर्स का उद्घाटन आईआईएमसी के महानिदेशक श्री के. जी. सुरेश ने किया। उन्होंने छात्रों के साथ विस्तार से बातचीत भी की। विदाई समारोह का आयोजन 20 नवंबर, 2017 को हुआ जिसमें नोबेल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी मुख्य अतिथि थे।

विकास पत्रकारिता में 69वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2 जनवरी से 30 अप्रैल, 2018 तक आयोजित किया गया जिसमें 16 विभिन्न देशों से आए 24 पत्रकारिता स्कॉलरों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम का उदघाटन महानिदेशक, आईआईएमसी श्री के. जी. सुरेश द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों के साथ विस्तार से बातचीत भी की। विदाई समारोह का आयोजन 27 अप्रैल, 2018 को हुआ जिसमें माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी मुख्य अतिथि थीं।

अल्पावधि पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां और सम्मेलन

भारत और अन्य विकासशील देशों के संदर्भ में मीडिया और जनसंचार से संबंधित विभिन्न मुद्दों को बेहतर समझने और विभिन्न संबंधित क्षेत्रों की उभरती हुई प्रवृत्तियों और तकनीकों के प्रति संबद्ध कर्मियों में जागरूकता बढ़ाने और उनके कौशल में वृद्धि करने के उद्देश्य से संस्थान, संचार से संबंधित विभिन्न विषयों पर विभिन्न प्रकार के अल्पकालिक पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है।

संस्थान सूचना और प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों के कर्मियों के लिए नियमित अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है। विभिन्न राज्यों के रक्षा अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों; और केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न मीडिया और प्रचार संस्थानों के कर्मियों की व्यावसायिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्थान द्वारा कई विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं और साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विभिन्न मीडिया और प्रचार संगठनों में काम करने वालों को भी इस कोर्स में प्रवेश दिया जाता है।

वर्ष 2017-18 के दौरान, संस्थान ने ऐसे सात पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया, इसमें रक्षा सेवा अधिकारियों के लिए पांच पाठ्यक्रम शामिल थे। इन पाठ्यक्रमों से कुल 189 अधिकारी/प्रशिक्षु लाभान्वित हुए, जिसमें जनरल रैंक के रक्षा सेवा अधिकारी भी शामिल थे। वर्ष 2017-18 के दौरान आयोजित लघु पाठ्यक्रमों के विवरण की सूची, परिशिष्ट 'क' में शामिल की गई है।

अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान ने ऐसे कुल 701 पाठ्यक्रमों का आयोजन किया है। इस दौरान भारत और विदेश के 14,603 से अधिक कर्मी प्रशिक्षित किए हैं।

शोध संचार विभाग (डीकोर)

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान शोध गतिविधियां

संस्थान के संचार शोध विभाग (डीकोर) का पूरा ध्यान इस मूल बात पर केन्द्रित है कि संचार माध्यमों का व्यवस्थित अध्ययन शैक्षणिक गतिविधियों का एक अहम अंग रहे। पत्रकारिता और जन संचार में शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित परंतु प्रमुख संस्थान होने के नाते इसकी अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं। इस तरह के शोध और अध्ययन का मुख्य उद्देश्य विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर जन संचार माध्यम संचार कार्यक्रमों की पहुंच और प्रभाव को समझना और उनका विश्लेषण करना है। डीकोर ने पिछले 50 वर्षों में संचार से जुड़े विषयों पर शोध के क्षेत्र में विभिन्न और विषय-वस्तुओं पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इनमें स्वास्थ्य, राजनीतिक चुनाव, बहुमाध्यम अभियान, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण, गैर पारंपरिक ऊर्जा, पर्यावरण, फिल्म सेंसरशिप, एचआईवी/एड्स गांवों से शहरों में पलायन, पंचायती राज सशक्तिकरण जैसे 200 से अधिक शोध अध्ययन शामिल हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया इकाइयों द्वारा शुरू किए गए या चलाए जा रहे मीडिया अभियानों का

मूल्यांकन करना डीकोर की शोध गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है।

दरअसल डीकोर मीडिया उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ वक्ताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं की एक टीम के साथ मिलकर काम करती है। आपसी सहयोग के द्वारा यह टीम नए-नए विषयों पर शोध अध्ययन करने की पहल करती है। इसके अतिरिक्त यह टीम शैक्षणिक प्रस्तावों और अपनाए जाने वाले मानकों, प्रक्रियाओं तथा नीतियों का भी निर्धारण करती है।

क) राष्ट्रीय शोध परियोजनाएं

1) उपभोक्ता सशक्तिकरण और व्यवहारगत परिवर्तन : जागो ग्राहक जागो मीडिया अभियान के प्रभाव का मूल्यांकन

उपभोक्ता कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

इस शोध अध्ययन का उद्देश्य विविध मीडिया पर आरंभ किए गए, उपभोक्ता जागरूकता के लिए, उत्साहवर्धन करने के लिए और शिकायत निपटान प्रणाली पर सहगामी प्रभाव सहित व्यवहारगत प्रचलनों को प्रभावित करने के लिए चलाए गए जागो ग्राहक जागो संचार अभियान के प्रभाव का मूल्यांकन करना है। इस अध्ययन में अभियान/संदेशों, प्रतिवादियों की प्रतिक्रियाओं/आशयों, उपभोक्ताओं की स्व-क्षमता और प्रक्रियात्मक बाधाओं के महत्व की जांच की गई है।

2) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के “टेलीमेडिसिन और ई-स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण हेतु कार्यक्रम का मूल्यांकन”

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

यह अध्ययन स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं में सुधार करने के लिए ई-स्वास्थ्य पहलों के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं की प्रक्रिया और प्रगति को समझने के लिए आयोजित किया गया। परिणामों का मूल्यांकन (विश्लेषण संबंधी, प्रभावशीलता, मापनीयता, धारणीयता के अनुसार) और अगले तीन वर्षों के लिए अनुमान इस अध्ययन का भाग है। केवल मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल का मूल्यांकन और विश्लेषण किया गया क्योंकि अन्य प्रयास अभी भी बहुत प्रारंभिक और शुरुआती चरण में हैं।

ख) मौजूदा अनुसंधान परियोजनाएं

राष्ट्रीय

1) जर्नलों की पाठक संख्या और बाजार का विस्तार करना : डीपीडी जर्नलों की पाठक संख्या और बाजार का अध्ययन

प्रकाशन निदेशालय प्रभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा संचालित इस अध्ययन का उद्देश्य लक्षित लोगों के बीच डीपीडी जर्नलों के लिए पाठक संख्या और खरीददारी के उद्देश्य का मूल्यांकन करना और डीपीडी जर्नलों के लिए बाजार के विस्तार की संभावना का मूल्यांकन करना है। इन दो उद्देश्यों के पूरा होने से लक्षित पाठकों की रुचि का पता लगाने हेतु प्रभावी बाजार कार्य नीति विकसित करने और देश के विभिन्न भागों में डीपीडी जर्नलों के प्रसार और पहुंच का विस्तार करने के लिए विपणन समाधान उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

- 2) **संचार अनुसंधान के 50 वर्षों के संबंध में विशिष्ट खंड:** वर्ष 1965 से 2015 के आईआईएमसी के अनुसंधान अध्ययनों के 50 वर्षों के संकलन को डिजिटल रूप में तैयार किया जा रहा है (आंतरिक परियोजना)।

अंतर्राष्ट्रीय

दक्षिण एशिया क्षेत्र में मीडिया के क्षेत्र में महिलाओं पर क्षेत्रीय परियोजना : यूनेस्को, दक्षिण एशिया वूमैन नेटवर्क और आईआईएमसी की नौ भागीदार देशों के साथ एक सहयोगी परियोजना जिसमें भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, म्यांमार और भूटान शामिल हैं।

इस प्रस्तावित परियोजना के निम्नलिखित लक्ष्य हैं :

मीडिया में प्रस्तुत की गई महिलाओं की छवि और महिला संबंधी विषयों की समीक्षा : क्या उनकी मौजूदगी नहीं है, उपेक्षा की गई है अथवा नकारात्मक रूप से छवि प्रस्तुत की गई है।

रोजगार अवसर, भूमिकाओं और कार्यकरण की दशाओं के संबंध में मीडिया में कार्यरत महिलाओं की स्थिति का चित्रण।

मीडिया संगठन और विज्ञापन एजेंसियों की महिला संबंधी विषयों के प्रति संवेदनशीलता का आकलन।

मीडिया संगठनों महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता संबंधी नीतियों और दिशा-निर्देशों में व्याप्त अंतराल का मूल्यांकन करना।

नौ भागीदार देशों में कार्यान्वयन के लिए महिला संबंधी संवेदनशीलता के मापक का विकास करना।

ग) राष्ट्रीय प्रशिक्षण/कार्यशाला कार्यक्रम

- 1) आईआईएमसी क्षेत्रीय परिसरों के लिए **संकाय विकास कार्यक्रम** (एफडीपी) (12-16 जून, 2017)

(आंतरिक प्रशिक्षण)

आईआईएमसी के क्षेत्रीय परिसरों के शैक्षणिक स्टॉफ के लिए 12 जून से 16 जून, 2017 तक आईआईएमसी मुख्यालय, नई दिल्ली में एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के भाग के तौर पर एफडीपी ने सॉफ्टवेयर और उपकरणों में ऐसे नवप्रवर्तनों के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जिससे पत्रकारिता आधारित कथा-वाचन और शिक्षाशास्त्र, दोनों के ही प्रभाव को संवर्धित करने के साथ-साथ जन संचार से संबंधित अन्य विषयों यथा विकास पत्रकारिता, विशेषीकृत रिपोर्टिंग और विज्ञापन संबंधी ज्ञान में संवर्धन करेंगे। इसके अलावा भागीदारों को समुदाय रेडियो प्रसारण के क्षेत्र में व्यावहारिक कौशल में प्रशिक्षण किया गया ताकि जब प्रस्तावित समुदाय रेडियो स्टेशन अपने परिसरों में कार्य करना आरंभ करेंगे तो आवश्यक, यथासमय और संगत प्रयासों के लिए तैयार किया जा सके।

एफडीपी के अपेक्षित परिणामों में शामिल थे क) कौशल संवर्धन तथा/या पहली बार सहभागियों हेतु जन संचार और पत्रकारिता व्यवसाय और शिक्षाशास्त्र से संबंधित नए सॉफ्टवेयर का अध्ययन, जिसे तत्पश्चात इन परिसरों में पढ़ रहे छात्रों को अंतरित किया जाएगा तथा ख) मौजूदा पाठ्यक्रमों में अध्ययन को शामिल करने के उद्देश्य से देश में अन्य मीडिया स्कूलों से जन संचार और पत्रकारिता के शिक्षकों के लिए समान क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अभिकल्पन और आयोजन हेतु संभावना का प्रस्ताव देना।

- 2) **परिवर्तन के लिए संचार :** 'प्रभावी कार्यक्रम नियोजन एवं प्रबंधन के लिए सामाजिक और व्यवहारात्मक

परिवर्तन संबंधी संचार' संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसे जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग, पंजाब, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, पंजाब सरकार के कार्मिकों के लिए दिनांक 5 से 9 मार्च 2018 के दौरान आयोजित किया गया।

जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग, पंजाब, द्वारा वित्त पोषित

इस प्रशिक्षण कार्यशाला का लक्ष्य संचार एवं भागीदारीमूलक अनुसंधान के नवीनतम उपागमों और पद्धतियों के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान और कौशल को विकसित करके पंजाब में जल एवं स्वच्छता कार्यक्रमों के नियोजन एवं कार्यान्वयन को बेहतर और सुदृढ़ बनाना था। इस प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य बल इस बात पर जोर देना था कि डीडब्ल्यूएसएस कार्यक्रम के कार्यान्वयन और लक्षित समुदाय के बीच डीडब्ल्यूएसएस योजनाओं के लिए मांग बढ़ाने और सामाजिक और व्यवहारात्मक परिवर्तन में संचार बहुत महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने वाला कारक है। इसके अलावा, इस कार्यशाला की संकल्पना को ऐसे तकनीकी कौशलों के संबंध में डीडब्ल्यूएसएस कार्मिकों को प्रशिक्षण देने के लिए तैयार किया गया था जो डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा समुदाय आधारित मीडिया का उपयोग करके समुदाय एवं अन्य भागीदारों के साथ ज्ञान को साझा करने में उपयोग किए जा सकते हों। इन सभी प्रशिक्षण सत्रों का लक्ष्य विकास की प्रक्रिया में इनको शामिल कर और इनका उपयोग करके समुदाय में व्यवहारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उपयुक्त एवं प्रभावी पद्धतियों को साझा करना और इन पर विचार करना था।

जलापूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना :

- प्रशिक्षण मॉड्यूल
- भागीदारी प्रधान अध्ययन और कार्यकलाप: भागीदारी प्रधान अनुसंधान में समुदाय को जोड़ने के लिए मार्गदर्शिका
- सूचना और संचार संबंधी आवश्यकताओं का मूल्यांकन
- समस्या और निदान मूल्यांकन
- अंतर वैयक्तिक संचार: प्रभावी भागीदारी प्रधान अनुसंधान और व्यवहार परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक
- समुदाय रेडियो: एक प्रभावशाली संचार माध्यम

घ) भावी परियोजना

बाउलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रोफेसर श्रीनिवास आर मेलकोटेड द्वारा दिनांक 7 और 8 अप्रैल 2018 को 'संचार में निर्णय लेने के लिए डाटा मूल्यांकन' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। (स्व वित्तपोषित)

- 1) **इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च(आईसीएसएसआर) के लिए भारत में समाचार और मनोरंजन मीडिया में महिलाएं** विषय पर अध्ययन
- 2) दक्षिण पूर्व एशिया के 9 देशों के प्रतिभागियों के लिए मीडिया में महिलाएं विषय पर यूनेस्को- स्वान रीजनल बेसलाइन स्टडी प्रोजेक्ट के लिए अनुसंधान पद्धतियों पर पांच दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण और परामर्श कार्यशाला।

नेशनल मीडिया फैकेल्टी डेवलपमेंट सेंटर

नेशनल मीडिया फैकेल्टी डेवलपमेंट सेंटर का फॉर्मल्ली उद्घाटन 27 अप्रैल 2018 को माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री द्वारा किया गया।

यह कार्यशाला डीईसीओआरई, नेशनल मीडिया फैकेल्टी डेवलपमेंट सेंटर, आईआईएमसी और जॉन्स हापकिंस सेंटर फॉर कम्युनिकेशन प्रोग्राम से संबद्ध सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड चेंज- इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य संचार, जन स्वास्थ्य, पर्यावरण और जैव विज्ञान से संबंधित अनुसंधान के दायरे में डाटा के मूल्यांकन के लिए सांख्यिकी पद्धतियों को लागू करने के संबंध में वास्तविक प्रशिक्षण देना है।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश

2017-18 के शैक्षणिक वर्ष के लिए निम्नलिखित स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया मार्च, 2017 में शुरू हुई। प्रमुख समाचारपत्रों में इसकी बाबत मार्च के महीने में ही विज्ञापनों का प्रकाशन किया गया। आवेदन प्राप्ति के लिए निर्धारित अंतिम तिथि 14 मई, 2017 थी। स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं :

1. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिंदी), दिल्ली
2. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), दिल्ली, ढँकानाल, आइज़ोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टयम
3. विज्ञापन और जन संपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
4. रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
5. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ओडिया), ढँकानाल, ओडिशा
6. उर्दू पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
7. मराठी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, अमरावती
8. मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, कोट्टयम

अलग-अलग स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं में, पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए कुल 6,624 आवेदन आए। पिछले वर्ष 4,776 छात्रों ने आवेदन किया था। इस वर्ष आवेदकों की संख्या में 40 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

उपरोक्त पाठ्यक्रमों (ओडिया, उर्दू, मराठी और मलयालम पत्रकारिता के अलावा) के लिए अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा दिनांक 28 मई, 2017 को आयोजित की गई। ये प्रवेश परीक्षाएं देश भर में दिल्ली, अहमदाबाद, लखनऊ, पटना, कोलकाता, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, बंगलूरु, मुंबई, नागपुर, आइज़ोल, भोपाल, चेन्नई, जम्मू, कोच्ची, रायपुर, रांची और हैदराबाद आदि 18 शहरों में आयोजित की गई। तथापि, श्रीनगर में तीन उम्मीदवारों ने विकल्प चुनने के कारण उनसे अनुरोध किया कि वे परीक्षा लिखने के लिए जम्मू में शिफ्ट हो जाएं। पत्रकारिता (ओडिया, उर्दू, मराठी और मलयालम) में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा क्रमशः भुवनेश्वर, दिल्ली, नागपुर एवं मुंबई और कोच्ची में आयोजित की गई। दिनांक 21 जून, 2017 को लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित करने के

बाद दिनांक 29 जून, 2017 को दिल्ली और क्षेत्रीय परिसर में साक्षात्कार /समूह चर्चाएं आयोजित की गईं। सभी पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतिम परिणाम दिनांक 13 जुलाई, 2017 को घोषित किए गए।

नया शैक्षणिक सत्र 1 अगस्त, 2017 को शुरू किया गया। इस सत्र के दौरान मराठी पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया गया। अमरावती के संसद सदस्य श्री आनंदराव अदसुल ने नई दिल्ली में एक समारोह में पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया जो अमरावती में आईआईएमसी के पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर के ऑनलाइन से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर आईआईएमसी के मिनी सभागार के अंदर स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की अर्ध प्रतिमा का अनावरण किया गया और इसको इनके नाम पर रखा गया।

नए बैच के छात्रों का उन्मुखीकरण सत्र दिनांक 1 से 4 अगस्त, 2017 तक हुआ। डॉ. ए. सूर्यप्रकाश, अध्यक्ष, प्रसार भारती, श्री आलोक मेहता, वरिष्ठ पत्रकार, सुश्री सुबी चतुर्वेदी, इंटरनेट विद्वान और स्तंभकार, सुश्री निधि राजदान, कार्यकारी संपादक, एनडीटीवी और श्री अविजीत दत्त, वरिष्ठ विज्ञापन एवं संचार परामर्शदाता सहित जन संचार क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उन्मुखीकरण सत्र का संबोधन किया।

दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर, आईआईएमसी, कोट्टयम, केरल में एक उद्घाटन समारोह में श्री के. जी. सुरेश, महानिदेशक, आईआईएमसी द्वारा मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें प्रतिष्ठित पत्रकार उपस्थित रहे।

50वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

आईआईएमसी का 50वां दीक्षांत समारोह 20 नवंबर, 2017 को पूरे उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर नोबेल शांति पुरस्कार, श्री कैलाश सत्यार्थी मुख्य अतिथि के रूप में शोभायमान थे जिन्होंने दीक्षांत भाषण दिया। कुल 339 छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किए गए। पहली बार एक संयुक्त दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया जिसमें 9 आईआईएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को आईआईएमसी में उनके 2 वर्ष के प्रवेश प्रशिक्षण की सफल समाप्ति पर पूर्णता प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। 18 देशों के 25 विकास पत्रकारिता प्रतिभागियों ने भी उनके 4 माह का पाठ्यक्रम पूरा होने पर मुख्य अतिथि से विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा प्राप्त किया।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए पुरस्कारों का ब्यौरा **परिशिष्ट "ख"** पर दिया गया है।

प्लेसमेंट

2017-2018 में आईआईएमसी प्लेसमेंट पखवाड़ा 26 मार्च 2018 से 7 अप्रैल, 2018 तक आयोजित किया गया। कुछेक नियमित और नई कंपनियों ने इस शैक्षणिक सत्र के लिए प्लेसमेंट हेतु संस्थान का दौरा किया। 50 से भी अधिक कंपनियों ने प्लेसमेंट पखवाड़े में सहभागिता की। आइजोल, अमरावती, ढँकानाल, जम्मू और **कोट्टयम** सहित सभी क्षेत्रीय परिसरों और नई दिल्ली सहित छात्रों ने कैम्पस में भर्ती में भाग लिया। कैम्पस पर प्लेसमेंट अभियान में भाग लेने वाली कुछ बड़ी कंपनियां थीं : बिजनेस स्टैंडर्ड, टाटा स्टील, एनडीटीवी, एबीपी न्यूज, एक्सप्रेस, इकोनोमिक टाइम्स, जिंदल स्टील, टाइम्स इंटरनेट आदि। टाटा स्टील द्वारा सबसे उच्चतम सीटीसी का प्रस्ताव दिया गया जो 12.5 लाख प्रति वर्ष था और छात्रों को प्रस्तावित औसतन सीटीसी लगभग 3.24 लाख रुपए प्रति वर्ष था।

इस वर्ष प्लेसमेंट सेल ने छात्रों के लिए कुछ विशेष सत्र आयोजित किए जिसमें प्रख्यात वक्ता सुश्री गौरा लाल धवन

ने साक्षात्कार में भाग लेने और स्किल सेट पर अपना व्याख्यान दिया। प्लेसमेंट सेल ने व्हट्सएप ग्रुप जैसे सामाजिक नटवर्किंग माध्यम से अपने छात्रों के साथ लगातार संपर्क कायम रखा ताकि वे नवीनतम सूचना प्राप्त करते रहें और उन्हें उन कंपनियों की सूचना देते रहें जिससे वे भर्ती प्रक्रिया हेतु आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित हों।

52वां वार्षिक दिवस समारोह

संस्थान ने अपना 52वां वार्षिक दिवस 17 अगस्त, 2017 को मनाया। यह भारतीय जन संचार संस्थान का 53वां स्थापना दिवस भी था। संस्थान के नई दिल्ली स्थित परिसर में इस अवसर पर मैराथन दौड़, क्रिकेट मैच और म्यूजिकल चेयर जैसी कई खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अलावा एक वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। यह स्टाफ के सदस्यों और छात्रों के साझा प्रयास की वजह से संभव हुआ। आईआईएमसी में 53वां स्थापना दिवस व्याख्यान 18 अगस्त 2017 को श्री अर्नब गोस्वामी, संस्थापक एवं प्रमुख संपादक, रिपब्लिक टीवी ने दिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

भारतीय जन संचार संस्थान के दिल्ली परिसर में 15 अगस्त, 2017 को 71वें स्वतंत्र दिवस काफी धूमधाम और उत्साह से मनाया गया। संस्थान के महानिदेशक श्री. के. जी. सुरेश ने इस अवसर पर तिरंगा फहराया और छात्रों को समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्य बोध और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता और मन में इसको लेकर गहरी भावना बसाने की जरूरत पर बल दिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह

संस्थान ने स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस 12 जनवरी, 2018 सहित उसी दिन होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर एक खास कार्यक्रम का आयोजन किया।

राजभाषा का प्रयोग

भारत सरकार की राजभाषा नीति के तहत इस वर्ष के दौरान संस्थान के कामकाज में हिन्दी के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग पर बल देने पर खास ध्यान दिया गया। हिन्दी के इस्तेमाल में लगातार बढ़ोतरी के प्रयास किए गए। संस्थान के कर्मचारियों को जरूरी प्रशिक्षण और प्रोत्साहन प्रदान करने पर जोर दिया गया। अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने और राजभाषा हिन्दी में काम करने की झिझक को दूर करने के लिए संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्थान में 1 से 15 सितंबर, 2017 तक “हिन्दी पखवाड़ा” मनाया गया। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें संकाय के सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के ढ़ेकनाल क्षेत्रीय केन्द्र में 1-7 सितंबर, 2017 तक “हिन्दी सप्ताह” मनाया गया। संस्थान के अन्य क्षेत्रीय केन्द्रों यानी अमरावती, आईजोल, जम्मू और कोट्टायम क्षेत्रीय केन्द्रों में 14 सितंबर, 2017 को “हिन्दी दिवस” मनाया गया।

बुनियादी सुविधाओं, सहायता और सेवाओं का सुदृढ़ विस्तार

संस्थान अपने विद्यार्थियों को पर्याप्त और उपयुक्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है ताकि यहां के विद्यार्थी इस क्षेत्र में सामने आ रही नई-नई चुनौतियों का पूरे आत्मविश्वास के साथ सामना करने में सक्षम बनें। सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों के कारण बुनियादी ढांचे में निरंतर

सुधार करने और उसे सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। इन विभिन्न आधुनिक उपकरणों और सुविधाओं का उपयोग शिक्षण कार्य को अपेक्षित रूप से प्रभावी बनाता है। इसी बात को ध्यान में रखकर मौजूदा इमारतों में अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण किए जाने का भी ध्यान रखा जा रहा है ताकि संस्थान भविष्य में छात्रों की बढ़ती संख्या और अतिरिक्त सुविधाओं के अनुकूल बन सके।

शिक्षण के उपकरण/सुविधाएं

मीडिया, जन संचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतरीन शिक्षा प्रदान करने और शोध की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों में से एक होने की अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप भारतीय जन संचार संस्थान के पास अच्छी और पर्याप्त सुविधाएं हैं। संचार प्रशिक्षण के दौरान कक्षाओं तथा व्यावहारिक अभ्यासों में इन सुविधाओं को उपलब्ध कराया जाता है तथा इनका लगातार उन्नयन किया जाता है।

भूमंडलीय नेटवर्क आवाज, वीडियो और डाटा के एकीकृत मंच की ओर अग्रसर है। सूचना और संचार के क्षेत्र में तेजी से बदल रही प्रौद्योगिकी के विकास के साथ तालमेल बनाए रखने और शिक्षा तथा शोध के विभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग के लिए संस्थान के पास इंटरनेट सुविधा संपन्न आधुनिकतम कम्प्यूटर हैं। ये उपकरण और कनेक्टिविटी सुविधा विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक समाचार संपादन, वेब पत्रकारिता, मल्टीमीडिया, डिजाइन, प्रकाशन और ग्राफिक्स में प्रशिक्षण देने में अत्यंत महत्व रखते हैं। आधुनिक डेस्कटॉप जैसे उपकरण विद्यार्थियों को मल्टी मीडिया, एनीमेशन, कम्प्यूटर ग्राफिक्स, डेस्कटॉप प्रकाशन आदि में दिए जाने वाले प्रशिक्षण को आसान बनाते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के साधन

वर्ष 2011-12 के दौरान, भारतीय जन संचार संस्थान को आधुनिकतम बहुगीगाबाइट वाले नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) से जोड़ा गया। इस नेटवर्क को देशभर की सभी ज्ञान संबंधी संस्थाओं के उच्च गति वाले एकीकृत नेटवर्क के तौर पर विकसित किया गया है। राष्ट्रीय ज्ञान का हिस्सा होने की वजह से संस्थान को 1Gbps या उससे भी अधिक तेज गति की इंटरनेट सुविधा प्राप्त है। इस प्रकार के ज्ञान तंत्र का उद्देश्य देश में ऐसे उच्च स्तरीय संस्थान बनाना है जो आवश्यक शोध सुविधाओं और उत्कृष्ट स्तर के प्रशिक्षित पेशेवर पत्रकार मुहैया करवा सकें। तेज गति वाला नेशनल नॉलेज नेटवर्क विभिन्न परिवेशों और भौगोलिक विविधताओं से संबंध रखने वाले वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, संचारकों और विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण और उभरते हुए क्षेत्रों से संबंधित ज्ञान का प्रजनन और प्रसार करने में मदद करता है।

संस्थान के पास अपने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए असीमित कान्फिगरेशनस और सॉफ्टवेयर संपन्न आधुनिक कम्प्यूटर और एनआईसी 2Mbps बैकअप वाले ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन भी हैं। ये सुविधाएं संस्थान के ब्रॉडबैंड को तीन विभिन्न कार्यशालाओं के जरिए प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में सहायक होती हैं। यह तीन हैं कम्प्यूटर प्रयोगशाला, बहु माध्यम और डीटीपी कार्यशालाएं। यहां अलग-अलग समय पर अलग-अलग समूहों को प्रशिक्षित किया जाता है। संस्थान की वेबसाइट पर इसके पाठ्यक्रमों और अन्य गतिविधियों की उपयोगी जानकारी दी गई है। इन्हें www.iimc.gov.in पर देखा जा सकता है।

टीवी और विडियो प्रोडक्शन

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में विद्यार्थियों और प्रशिक्षुओं को ज्ञान का मजबूत और प्रभावी आधार देने के उद्देश्य

से संस्थान ने एक आधुनिक प्रोडक्शन स्टूडियो विकसित किया है जिसमें सिंक और स्पेशल इफैक्ट्स सहित डिजिटल कैमरे हैं। इसके अलावा संपादन कंसोल भी है, जो आई मैक, एफसीपी मैक प्रो डिजिटल वीडियो संपादन प्रणाली, डिजिटल ध्वनि संपादन और ऑनलाइन डिजिटल वीडियो संपादन सुविधाओं से युक्त है।

संस्थान ने आंशिक रूप से अपने टेप आधारित एनेलॉग यंत्रों को आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी में परिवर्तित किया है। इससे विद्यार्थियों को आजकल सभी टीवी चैनलों में इस्तेमाल होने वाले डिजिटल कैमरों और नॉन-लीनियर संपादन व्यवस्था का सीधा अनुभव प्राप्त हो रहा है।

संस्थान ने अपनी मौजूदा सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने नई दिल्ली परिसर में उपलब्ध नेटवर्क आधारित डिजिटल नॉन-लीनियर वीडियो संपादन व्यवस्था के लिए एफसीपी मैक प्रो के वीडियो संपादन यंत्र हासिल किए हैं, जिनमें एकल, नॉन-लीनियर संपादन व्यवस्था और टेलीविजन और मुद्रित माध्यम के लिए उच्च कोटि की डिजिटल ग्राफिक व्यवस्था भी है। दृश्य-श्रव्य और मुद्रण के क्षेत्र में प्रशिक्षण को और अधिक मजबूत करने के लिए संस्थान ने सहायक उपकरणों सहित नए डिजिटल कैमरे भी खरीदे हैं। अमरावती और आईजोल, जम्मू और कोट्टायम क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए भी सामान्य एवं वीडियो डिजिटल कैमरे, टेलीप्रोम्पटर और नॉन-लीनियर संपादन के लिए आई-मैक खरीदे गए हैं।

रेडियो

रेडियो प्रसारण के लिए संस्थान के पास अलग ध्वनि संपादन, एफ एम और वॉयस ओवर स्टूडियो हैं, जिनकी मदद से रेडियो और टेलीविजन प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण दिया जाता है। इन विभिन्न आधुनिक उपकरणों और सुविधाओं का उपयोग शिक्षण कार्य को अपेक्षित रूप से प्रभावी बनाता है। संस्थान के पास रेडियो खबर एकत्र करने के लिए व्यावसायिक टेप, डिजिटल रिकॉर्डर, माइक्रोफोन और अन्य सहायक उपकरणों सहित आवश्यक सुविधाएं हैं। ध्वनि स्टूडियो में आवश्यकता के अनुरूप समग्र सुविधाएं हैं :-

यामाहा 03डी फुल ट्रैक कन्सोल रिकॉर्डर।

स्टैंडबाय रिकॉर्डिंग के लिए सोनी 8 चैनल ऑडियो मिक्सर MXP290-I

विशेषज्ञता सुविधाओं सहित एक छः चैनल वाला ऑन-एयर कंसोल।

पोर्टेबल सोनीआईसी रिकॉर्डर्स जो एमपी-3 और डब्ल्यूएचवी ध्वनि प्रारूपों में सीधे रिकॉर्ड करते हैं।

श्योर माइक्रोफोन 58 एसएम ।

कार्यक्रम निर्माण के लिए संपादन और रिकॉर्डिंग सुविधाओं सहित एडोबे ऑडिशन सॉफ्टवेयर इकाइयां।

प्रसारण के लिए एक मिनिडिस्क प्लेयर, सीडी प्लेयर, केसेट प्लेयर सहित मल्टीट्रैक टैसकैम।

विशेष प्रसारण उपकरण।

समुदाय रेडियो स्टेशन (अपना रेडियो 96.9 एफएम)

अपना रेडियो 2005 से आईआईएमसी, नई दिल्ली के समुदाय रेडियो के रूप में चल रहा है। विगत पांच वर्ष से, इस समुदाय रेडियो स्टेशन को नया रूप देने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। अपन रेडियो अब दिन में सात घंटे प्रसारित होता है।

अगस्त, 2014 में आरंभ किया गया हमारा दैनिक लाइव शो, 'अपने आस-पास', अब अपना रेडियो का प्रमुख

कार्यक्रम बन गया है। हम, इस कार्यक्रम में, श्रोताओं की सहभागिता के लिए और उनके साथ सीधी बातचीत के प्रयोजन से स्टूडियो अथवा फोन पर उस दिन के विषय पर चर्चा करने हेतु विषय-विशेषज्ञों को आमंत्रित करते हैं। हम, प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के सभी भाग प्रसारित करते हैं। हमने 15 जनवरी से 31 जनवरी, 2018 तक स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया।

किशोरों की समस्याओं से संबंधित कार्यक्रम, टीन टॉक जो 2016 में सीजन-1 में सफल रहा, उससे हमें 2017 में सीजन-2 बनाने की प्रेरणा मिली। यह श्रृंखला समुदाय सहभागिता और हिस्सेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

आईआईएमसी परिसर के आस-पास के शहरी ग्रामों की सहभागिता हमारे कार्यक्रम 'अपनी चौपाल' में काफी बढ़ी है। हमारी टीम ने जिया सराय और मोहम्मदपुर पर विशेष कार्यक्रम किए।

अपना रेडियो, सरकारी अस्पतालों और मैक्स, फोर्टिस, बत्रा, बीएलके सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केन्द्र जैसे प्राइवेट अस्पतालों के डॉक्टरों को भी शामिल कर रहा है। एम्स, एलएनजेपी और सफदरजंग अस्पताल के विभिन्न विभागों का सामुदायिक मांगों से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों के संबंध में सहभागिता विशेष सराहना की पात्र है। सफदरजंग अस्पताल का समुदाय चिकित्सा विभाग उल्लेखनीय है।

वर्ष 2017-18 के मुख्य आकर्षणों में वर्ल्ड स्पैरो डे, अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, अंतर्राष्ट्रीय दिवस दिव्यांग दिवस, महिला दिवस, पितृ दिवस एवं मातृ दिवस और विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाना शामिल है।

अपना रेडियो ने विश्व रेडियो दिवस मनाया तथा 13 फरवरी, 2018 को हमारे स्टूडियो में महानिदेशक आईआईएमसी श्री के. जी. सुरेश तथा विज्ञान सम्पादक, एनडीटीवी श्री पल्लव बागला विशेष अतिथि थे।

इस वर्ष नोबेल पुरस्कार विजेता, श्री कैलाश सत्यार्थी, एनबीटी के अध्यक्ष, श्री बलदेव भाई शर्मा, स्वप्न दास गुप्ता, हरीश गुप्ता, जगदीश उपासने, राहुल देव, उमेश उपाध्याय और अरनब गोस्वामी जैसे वरिष्ठ पत्रकारों ने अपना रेडियो का दौरा किया।

हमारे अपने अतिथि कार्यक्रम में स्वीडन की शोधकर्ता सुश्री आनन्दा हिमानी, सोफिया युनिवर्सिटी, बुल्गारिया से प्रो. मेलेना, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से पर्यावरणविद पंकज सेखसरिया, एनसीडब्ल्यू की पूर्व अध्यक्ष महिला कार्यकर्ता ललिता कुमार मंगलम, एशियन मीडिया एंड कम्युनिकेशन सेंटर सिंगापुर की अनुसंधान प्रमुख, डॉ. कलिंग सेनेविरत्ने तथा राष्ट्रीय विज्ञान संचार संस्थान के निदेशक श्री मनोज पटेरिया का साक्षात्कार लिया गया।

किशोरों की समस्याओं पर बीबीसी मीडिया एक्शन और युनिसेफ का संयुक्त निर्माण 'फुल ऑन निक्की' रेडियो श्रृंखला को अक्टूबर, 2017 से जनवरी, 2018 तक क्रमबद्ध किया गया।

प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन, घरेलू कामगार क्षेत्र कौशल परिषद के प्रमुख श्री निशांत एम. शर्मा को आमंत्रित किया गया ताकि वे घरेलू कामगारों को इस बात का ज्ञान दे सकें कि वे नए व्यावसायिक कौशल अपनाकर किस प्रकार अपने जीवन को परिवर्तित कर सकते हैं।

अपना रेडियो के स्टूडियो में बनवारी लाल और उनके संगीत समूहों ने राजस्थानी एवं भोजपुरी लोकगीत रिकॉर्ड किए। इस बैंड के कलाकार विभिन्न संस्थापनाओं में सिक्युरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। दृष्टिबाधित कलाकारों के एक संगीत बैंड, स्वरोत्कर्ष ने भी हमारे साथ अपने गीतों की रिकॉर्डिंग की। ये सभी गीत अपना रेडियो के

विभिन्न कार्यक्रमों में प्रसारित किए जा रहे हैं।

समुदाय के कुछ स्कूलों और आरडब्ल्यू को विभिन्न सामाजिक मुद्दों में भागीदार बनाया गया है।

कम्यूनिटी रेडियो सशक्तिकरण तथा संसाधन केंद्र

भारतीय जन संचार संस्थान में एक समर्पित कम्यूनिटी रेडियो सशक्तिकरण तथा संसाधन केंद्र कार्यरत है दो वर्ष पहले स्थापित इस केंद्र का प्रमुख उद्देश्य कम्यूनिटी रेडियो से संबंध रखने वाले विभिन्न पेशेवरों को सामग्री, प्रयोगिकी तथा संसाधन प्राप्त करने में सहायता करना है !

फोटोग्राफी

दृश्य संचार की बढ़ती हुई प्रमुखता को ध्यान में रखते हुए और इस संबंध में उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए संस्थान ने अपने सभी पाठ्यक्रमों में फोटो पत्रकारिता पर मॉड्यूल शामिल किये हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए संस्थान के पास पूरी तरह से सुसज्जित डिजिटल फोटो प्रयोगशाला के अलावा कई तरह के कैमरे हैं। इनमें पुराने विंटेज कैमरे से लेकर अति आधुनिक डिजिटल एस एल आर कैमरे शामिल हैं। सभी स्टूडियो और कक्षाएं भी प्रशिक्षण में सहायक विविध उपकरणों जैसे एलसीडी प्रोजेक्टर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, टीवी मॉनिटर, एलसीडी स्क्रीन आदि से सुसज्जित हैं।

मुद्रणालय

संस्थान के पूर्णतः सुसज्जित और स्वचालित मुद्रणालय और ग्राफिक्स विंग विद्यार्थियों को मुद्रण तकनीक और डेस्कटॉप मुद्रण में प्रशिक्षण देने के अलावा ग्राफिक डिजाइन, ऑफसेट और सिल्क स्क्रीन मुद्रण की सुविधाएं भी प्रदान करते हैं। मुद्रणालय में प्रसंस्करण और बाइंडिंग की सुविधाएं भी हैं। अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षाओं तथा सत्र के अंत में होने वाली परीक्षाओं के सभी प्रश्नपत्र और जन संचार संस्थान के अधिकतर प्रकाशन इसी मुद्रणालय में छपते हैं।

लाइब्ररी एवं प्रकाशन

आईआईएमसी पुस्तकालय

आईआईएमसी का पुस्तकालय 1965 में स्थापित किया गया था। संस्थान में जन संचार संबंधी देश का सबसे बड़ा विशेषीकृत पुस्तकालय मौजूद है।

पुस्तकें और पत्रिकाएं

पुस्तकालय के मुद्रित संसाधनों में जन संचार के विभिन्न पहलुओं और जन मीडिया, प्रसारण, रेडियो, टेलीविजन, विज्ञापन, जन संपर्क, प्रचार-प्रसार, संचार, संचार अनुसंधान, फिल्म, सूचना प्रौद्योगिकी और पारंपरिक मीडिया आदि जैसे संबंधित विषयों पर लगभग 40000 पुस्तकें और सजिल्द जर्नल का मुद्रित भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय संग्रह शामिल है।

पुस्तकालय के पास 83 से अधिक भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल/पत्रिकाओं तथा 34 प्रमुख समाचारपत्रों की सदस्यता है। विभिन्न प्रमुख व्यावसायिक जर्नल्स और पत्रिकाओं में प्रकाशित जन संचार संबंधी समाचार सामग्रियों और प्रमुख लेखों के संपूर्ण रिकॉर्ड सहित पुस्तकालय अपने प्रयोक्ताओं को समाचारपत्र क्लिपिंग सेवाएं भी उपलब्ध करा रहा है। आईआईएमसी का पुस्तकालय मुद्रित और डिजिटल दोनों प्रकार के मीडिया में जन संचार और संबंधित

विषयों पर आवधिक साहित्य के परिवर्तनशील जगत तक पहुंच प्रदान कर रहा है।

ई-संसाधनों की उपलब्धता

आईआईएमसी के छात्रों, शोधार्थी और संकाय के लिए पुस्तकालय साफ्टवेयर लिबसिस 7, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपैक) तथा ऑनलाइन जर्नल का नवीनतम संस्करण उपलब्ध है। वे इंटरनेट पर और लिबसेस साफ्टवेयर संस्करण 7 के माध्यम से सदस्यता प्राप्त डाटाबेस, ऑनलाइन पत्रिकाओं, ई-पुस्तकों सहित सभी डिजिटल संसाधनों का लाभ उठा सकते हैं। यह पुस्तकालय पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत है और लिबसेस साफ्टवेयर संस्करण 7 के माध्यम से अपनी हाउसकीपिंग और सेवा प्रचालनों को स्वचालित बना दिया है।

पुस्तकालय ने छात्रों, संकाय और शोधार्थियों के अत्याधुनिक मल्टी-मीडिया, संदर्भ और अनुसंधान अनुभाग भी विकसित किया है।

ग्रंथसूची संबंधी सेवा

जन संचार और प्रसारण, जन मीडिया, रेडियो, टेलीविजन आदि के लिए उचित विषयों पर संबंधित विषय ग्रंथसूची ऑनलाइन तथा मांग करने पर मुद्रित रूप में भी उपलब्ध कराई जाती है।

संदर्भ सेवा

योग्य व्यावसायिक स्टॉफ सदस्य ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार से संदर्भ पूछताछ का उत्तर देते हैं।

आईआईएमसी के जर्नल्स

अंग्रेजी की शैक्षिक शोध पत्रिका "कम्यूनिकेटर"(आईएसएसएन : 0588-8093) को केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री. एम. वेंकैया नायडू ने 17 जनवरी, 2017 को नए रूप और कलेवर में फिर से प्रस्तुत (रिलांच) किया। इसके अक्टूबर-दिसंबर, 2016 (अंक 51) और जनवरी-मार्च, 2017 (अंक 52) का प्रकाशन किया गया।

हिन्दी की शैक्षिक शोध पत्रिका "संचार माध्यम" (आईएसएसएन : 2321-2608) को भी तिमाही के रूप में नए कलेवर में प्रकाशित किया गया और इस पत्रिका के 29वें खंड के सभी चार अंकों अर्थात जनवरी-मार्च, अप्रैल-जून, जुलाई-सितंबर, अक्टूबर-दिसम्बर, 2017 के अंक प्रकाशित किए गए। खंड 30 के जनवरी-मार्च, अप्रैल-जून, 2018 अंक छपने के लिए तैयार हैं और शीघ्र की मुद्रित किए जाएंगे।

भारतीय जन संचार संस्थान एक त्रैमासिक न्यूजलेटर 'IIMCian' का भी प्रकाशन करता है जिसमें संस्थान के सभी परिसरों की गतिविधियाँ शामिल होती हैं।

प्लान योजनाएं

संस्थान के स्तर को उन्नत करके अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने की योजना को ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया जिसके लिए 62.00 करोड़ रुपए की राशि का अनुमोदन किया गया, जिसमें सरकारी अनुदान सहायता सीमा 51.50 करोड़ रुपए है। योजना में भारतीय जन संचार संस्थान का उन्नयन अर्थात आईआईएमसी परिसर, नई दिल्ली, के व्याख्यान मुख्य भवन के ऊपर अतिरिक्त तलों ओर आईआईएमसी, नई दिल्ली परिसर में व्याख्यान खंड का निर्माण, आईआईएमसी परिसर में रिक्त भूमि पर नये भवनों का निर्माण तथा आईआईएमसी परिसर ढेंकानाल में रिक्त भूमि पर नये भवनों का निर्माण तथा महाराष्ट्र, मिजोरम, केरल और जम्मू एवं कश्मीर राज्यों में संस्थान के नए चार क्षेत्रीय केन्द्रों की शुरुआत करना है।

नई दिल्ली परिसर में अतिरिक्त तलों के निर्माण का कार्य 2011 में पूरा हो चुका है। ढँकानाल परिसर में नये भवनों के निर्माण का कार्य दिसम्बर 2014 में पूरा हुआ। नई दिल्ली परिसर में खाली प्लॉट पर नए भवनों के निर्माण काम विभिन्न नागरिक प्राधिकरणों द्वारा अनापत्ति प्रदान न करने के कारण अभी भी बकाया है। इस समय रिज प्रबंधन बोर्ड एनसीटी दिल्ली से अनापत्ति की प्रतीक्षा की जा रही है।

अमरावती और आईज़ोल में दो नए क्षेत्रीय केन्द्र अगस्त, 2011 से काम कर रहे हैं, जबकि जम्मू और कोट्टायम में दो और क्षेत्रीय केन्द्र अगस्त, 2012 से काम कर रहे हैं। ये चारों नये क्षेत्रीय केन्द्र वर्तमान में संबंधित राज्य सरकारों/विश्वविद्यालयों द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराये गए अस्थायी परिसर में स्थित हैं।

“भारतीय जन संचार संस्थान के नये क्षेत्रीय केन्द्र खोलने” की योजना को 12वीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया जिसके लिए 94.00 करोड़ रुपये की राशि का अनुमोदन प्राप्त हुआ, जिसमें से सरकारी अनुदान 90.00 करोड़ का है। योजना में चार नये क्षेत्रीय केन्द्रों में स्थायी परिसरों के निर्माण शामिल हैं जिसके लिए भूमि संबंधित राज्य सरकारों द्वारा निःशुल्क दी जाएगी।

मिजोरम केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने संस्थान को साढ़े आठ एकड़ जमीन निःशुल्क लीज पर दी है। भवनों के निर्माण के लिए भारतीय जन संचार संस्थान ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। नए परिसर का काम लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है और यह संभावना है कि नया परिसर 2019 की अंतिम तिमाही तक तैयार हो जाएगा।

भारतीय जन संचार संस्थान ग्राम पम्पाडी, कोट्टायम जिले में संस्थान का क्षेत्रीय केन्द्र खोलने के लिए केरल सरकार ने 10 एकड़ जमीन निःशुल्क उपलब्ध कराई है। भारतीय जन संचार संस्थान ने डिपॉजिट आधार पर कोट्टायम में भवनों के निर्माण के लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और यह संभावना है कि नया परिसर 2019 की अंतिम तिमाही तक तैयार हो जाएगा।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने भारतीय जन संचार संस्थान को जम्मू के केरन गांव के पास 2016 में 15 एकड़ निःशुल्क जमीन उपलब्ध करायी है। निर्माण से पहले किए जाने वाले जमीनी सर्वे पूरे किए जा चुके हैं। स्थायी भवन का निर्माण कार्य का जिम्मा सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सीसीडब्ल्यू-एआईआर को निक्षेप कार्य के तौर पर सौंपा गया है। परिसर की बाहरी दीवार बनाने का काम जनवरी, 2017 में शुरू किया गया था परंतु लगभग 60 प्रतिशत काम हो जाने के पश्चात इसे स्थानीय निवासियों द्वारा अदालत में दायर मामलों के कारण अगस्त 2017 में रोक दिया गया जो आईआईएमसी को आवंटित भूमि के भाग के स्वामित्व का दावा कर रहे थे। दो अलग-अलग रिट याचिकाएं, एक उच्च न्यायालय में और दूसरी मुख्य दंडाधिकारी न्यायालय में स्थानीय निवासियों द्वारा दायर की गई है। आईआईएमसी द्वारा इस मामले को शीघ्र निपटान के लिए उपायुक्त, एसडीएम और तहसीलदार के साथ जोर-शोर से उठाया जा रहा है।

महाराष्ट्र सरकार ने जन संचार संस्थान को अमरावती के पास बडनेरा में 15 एकड़ जमीन परिसर बनाने के लिए निःशुल्क प्रदान की है। जन संचार संस्थान ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट, भवन निर्माण और अन्य सामग्री की सूची के लिए सलाहकार की नियुक्ति कर दी है। निर्माण से पहले किया जाने वाला इलाके के तलरूप सर्वेक्षण का काम पूरा हो गया है। निर्माण कार्य के लिए सीसीडब्ल्यू-एआईआर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर

हस्ताक्षर किए गए हैं। इस दौरान, विभिन्न मंचों पर ये सुझाव दिए गए कि नागपुर आईआईएमसी के क्षेत्रीय परिसर के लिए अधिक उपयुक्त हैं। नागपुर में उस शहर से प्रकाशित होने वाले कई अंग्रेजी और मराठी समाचारपत्र तथा वहीं से कार्य कर रहे कई टेलीविजन चैनल मौजूद हैं।

इस मामले की चर्चा माननीय राज्य मंत्री सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तत्कालीन माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और माननीय मुख्यमंत्री महाराष्ट्र के स्तर पर की गई है। अपर सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इस मामले को महाराष्ट्र सरकार के साथ उठाया है और उनसे आगे की सूचना प्रतीक्षित है।

स्वच्छ भारत अभियान

वर्ष 2017-18 के दौरान स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत आईआईएमसी द्वारा विभिन्न कार्य किए गए। 'श्रमदान' (स्वैच्छक कार्य) नामक योजना के तहत आईआईएमसी के स्टाफ और छात्रों ने आस-पास के क्षेत्रों विशेषकर निम्न आय समूह क्षेत्रों सहित आईआईएमसी परिसर के इर्द-गिर्द स्वच्छता अभियान आयोजित किया। उन्होंने इस क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए।

पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए विशेष वृक्षारोपण अभियान आईआईएमसी के स्टाफ और छात्रों द्वारा आरंभ किया गया।

अपना रेडियो (आईआईएमसी का समुदाय रेडियो) ने छात्रों की सक्रिय सहभागिता सहित निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए :

क) अपने आस-पास, स्वच्छता अभियान पर अपना रेडियो का एक घंटे का लाइव शो

ख) स्वच्छ भारत पर रेडियो विचार गोष्ठी

ग) सामुदायिक स्तर पर स्वच्छता संबंधी पैनल वार्ताएं जिसमें महिलाओं और युवाओं को शामिल किया गया।

छात्रों के लिए निबंध, स्लोगन और ब्लॉग लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

आईआईएमसी के सामाजिक मीडिया मंचों और छात्र ब्लॉग्स के माध्यम से 'स्वच्छ भारत' का प्रचार कार्य भी किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अपर महानिदेशक, आईआईएमसी श्री मनीष देसाई आईआईएमसी द्वारा 21 जून, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मौजूद थे। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों और संस्थान के स्टाफ के लिए आयोजित एक योग सत्र में सभी ने भागीदारी की। इसके सफल आयोजन के बाद से संस्थान के स्टाफ, संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नियमित अंतराल पर योग के सत्र आयोजित किये जा रहे हैं। संस्थान ने इसके लिए अल्पकालिक योग शिक्षक की नियुक्ति भी की है।

वेलनेस सेंटर

संस्थान के दिल्ली परिसर में एक वेलनेस सेंटर कार्यरत है, जिसमें ऐलोपैथिक, आयुर्वेद और होम्योपैथी के डॉक्टर सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन उपलब्ध रहते हैं। इस केन्द्र में एक मनोचिकित्सक भी समय-समय पर उपलब्ध है। संस्थान के सभी परिसरों में आपातकालीन मेडिकल सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। संस्थान के लिए उपलब्ध डॉक्टर समय-समय पर ढ़कानाल केंद्र जाकर भी रोगियों की जांच करते हैं।

नागरिक अधिकार-पत्र एवं लोक शिकायत निवारण तंत्र

नये नागरिक घोषणापत्र को नये दिशा निर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है और संस्थान की वेबसाइट पर डाल दिया गया है। इस नागरिक घोषणा पत्र के अनुसार कोई भी नागरिक इस संस्थान से संबंधित किसी भी शिकायत को संस्थान में भेज सकता है और उस शिकायत का निवारण प्राप्त कर सकता है।

संस्थान के एक अधिकारी को जन शिकायत निवारण अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया गया है। प्राप्त शिकायतों की जांच संस्थान द्वारा की जाएगी और संस्थान के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर उनका निवारण किया जाएगा।

भारतीय जन संचार संस्थान के लोक शिकायत अधिकारी का पता है:-

अपर महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान

अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली- 110067

भारतीय जन संचार संस्थान की किसी भी सेवा से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति या संस्थान की किसी भी कार्रवाई से पीड़ित व्यक्ति अपनी शिकायत के निवारण के लिए इस अधिकारी को लिख सकता है। ऐसा हर व्यक्ति अपनी शिकायत पर की गई कार्रवाई के संबंध में, उसकी शिकायत प्राप्त होने के 30 दिन की अवधि के भीतर, सूचित किये जाने का हकदार है।

यदि कोई आम व्यक्ति या संस्थान का कर्मचारी अपनी शिकायत के संबंध में शिकायत निवारण अधिकारी से मिलने का इच्छुक हो तो वह किसी भी कार्य दिवस को सायं 3 से 4 बजे के बीच बिना किसी पूर्वानुमति के उक्त अधिकारी से मुलाकात कर सकता है।

आंतरिक शिकायत समिति

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न निवारण, (प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम), 2013 के अंतर्गत कार्यस्थल पर महिला के विरुद्ध यौन उत्पीड़न शिकायत निवारण तंत्र के हिस्से के रूप में संस्थान में एक आंतरिक समिति गठित की गई है जिसके छः सदस्य हैं तथा एक संस्थान से बाहर की सदस्य हैं।

जागरूकता फैलाने के लिए उठाए गए कदम

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस मुद्दे पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भारतीय जन संचार संस्थान के दिल्ली के परिसर में सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों और संस्थान के सभी परिसरों में इस समस्या पर 'कड़ा रुख अपनाने' के पोस्टर लगाए गए।

उपभोक्ता शिकायत समाधान प्रकोष्ठ

भारतीय जन संचार संस्थान में शिकायत समाधान व्यवस्था है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

जहां तक सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के कार्यान्वयन का सवाल है, उसके लिए संस्थान के उप कुलसचिव को प्रमुख सूचना अधिकारी नियुक्त किया गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत संस्थान के विशेष कार्य अधिकारी अपील अधिकारी हैं। सूचना अधिकार अधिनियम के तहत संस्थान के महानिदेशक पारदर्शिता अधिकारी हैं।

आचार संहिता

पेशेवर मीडिया प्रशिक्षण में देश के बेहतरीन संस्थानों में से एक भारतीय जन संचार संस्थान में मीडिया क्षेत्र से जुड़े सभी पाठ्यक्रमों को सुचारु रूप से चलाने और समयबद्ध प्रबंधन के लिए अनुशासन और आचार-व्यवहार के मानकों का उच्च स्तरीय होना जरूरी है। इसीलिए संस्थान के विद्यार्थियों के लिए आचार संहिता और अनुशासनात्मक नीतियों का निर्धारण करने में इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि शैक्षणिक मामलों और व्यक्तिगत व्यवहार के संदर्भ में छात्रों को स्पष्ट और पारदर्शी तरीके से पता हो कि उनसे किस तरह का आचरण अपेक्षित है। संस्थान के दिल्ली सहित सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के सभी दात्रों पर यह आचार संहिता लागू होती है। किन्हीं भी कार्यों या गतिविधियों का संस्थान के सदस्यों और अन्य छात्रों पर क्या असर पड़ता है, इस बात का खास ध्यान दिया जाता है। आचार संहिता की विस्तृत जानकारी संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अनुशासनात्मक समिति

संस्थान में छात्रों से संबंधित अनुशासनात्मक मामलों से निपटने हेतु अनुशासनात्मक समिति गठित की गई है।

एससी/एसटी सेल

एससी/एसटी श्रेणी के छात्रों तथा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए और दिल्ली परिसर और क्षेत्रीय परिसरों में उनकी शिकायतों से निपटने के लिए एक अलग एससी/एसटी सेल बनाया गया है।

लघु एवं विशेष पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण

1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान आईआईएमसी द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

क्र. सं.	तिथि	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	5-30 जून, 2017	एसएसबी के लिए फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी	1 माह	16
2	5-7 जून, 2017	बंगलादेश सिनेमा और टेलीविजन के छात्रों के लिए टेलीविजन निर्माण पर कार्यशाला	3 दिवसीय	5+15
3	3-28 जुलाई, 2017	जेसीओ/एनसीओ (कनिष्ठ) के लिए वीडियोग्राफी कोर्स	4 सप्ताह	15
4	21-25 अगस्त, 2017	असम सरकार के डीआईपीआर अधिकारियों के लिए डिजिटल युग में जन संपर्क पर पाठ्यक्रम	1 सप्ताह	10
5	4-22 सितम्बर, 2017	मीडिया एवं स्टॉफ नियोक्ताओं/पीआरओ/अनुदेशक संबंधी अधिकारियों के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम	3 सप्ताह	15
6	9-13 अक्टूबर, 2017	सामान्य अधिकारियों के लिए मीडिया संचार कार्यशाला	1 सप्ताह	15
7	6-17 नवम्बर, 2017	वरिष्ठ अधिकारियों/ब्रिगेडियर/ कर्नल समकक्ष) के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम	2 सप्ताह	14
8	20-24 नवम्बर, 2017	एनडीआरएफ अधिकारियों के लिए जन संपर्क पाठ्यक्रम	1 सप्ताह	10
9	27 नवम्बर- 1 दिसम्बर, 2017	एनडीआरएफ अधिकारियों के लिए जन संपर्क पाठ्यक्रम	1 सप्ताह	10
10	4-15 दिसम्बर, 2017	मध्य स्तर के अधिकारियों (मेजर/लेफ्टिनेट कर्नल/ समकक्ष) के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम	2 सप्ताह	20
11	8-19 जनवरी, 2018	वरिष्ठ अधिकारियों (ब्रिगेडियर/कर्नल/समकक्ष) के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम	2 सप्ताह	14
12	29 जनवरी - 2 फरवरी, 2018	एसएसबी अधिकारियों के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम	1 सप्ताह	15
13	5-23 फरवरी, 2018	मीडिया एवं स्टॉफ नियोक्ताओं/पीआरओ/अनुदेशक संबंधी अधिकारियों के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम	3 सप्ताह	15

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2017-18 की पुरस्कार सूची

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिन्दी)

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	पीटीआई पुरस्कार	श्री प्राणेश तिवारी
2	प. बनारसी दास चतुर्वेदी पुरस्कार	श्री सुभाष गड़िया
3	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री मेधाविनी मोहन
4	श्री अशोक जी पुरस्कार	सुश्री शताक्षी अस्थाना

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), नई दिल्ली

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री मल्लिका भगत
2	द हिन्दू पुरस्कार	सुश्री अर्चिता लाहिरी
3	डेक्कन हेरल्ड पुरस्कार	सुश्री निकिता वशिष्ठ

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), ढँकानाल परिसर (ओडिशा)

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री खुशबू कुमारी तिवारी
2	बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर पुरस्कार	श्री नाग्यापोम रगूई
3	नाल्को पुरस्कार	सुश्री यूनिक पट्टनायक

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), आइजोल परिसर (मिजोरम)

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री तान्या कौर

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), अमरावती परिसर (महाराष्ट्र)

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री चेतना बोरकर

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), जम्मू परिसर (जम्मू और कश्मीर)

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री पलक गुप्ता

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), कोट्टायम परिसर (केरल)

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री सुविरल शुक्ला

विज्ञापन तथा जन संपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	श्री अचिन गांगुली मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री वर्चस्वी
2	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री अपूर्वा सूद
3	श्री अनिल बसू मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री जयश्री बासू
4	पीआरएसआई पुरस्कार	सुश्री मानसी जैन
5	पीएसपीआरएफ पुरस्कार	सुश्री त्रिना दत्त

रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री श्रेया बलदवा
2	जी टीवी पुरस्कार	सुश्री राघविका कोहली
3	टीवी टुडे पुरस्कार	श्री अभीक देब
4	सीएनएन पुरस्कार	श्री सागर चौधरी
5	जी टीवी पुरस्कार	सुश्री अकांक्षा पाराशर
6	प्रसार भारती पुरस्कार	सुश्री गौरा नैथानी
7	बाबा साहेब डॉ. बी. आर अम्बेडकर पुरस्कार	श्री अमन सिन्हमर

ओडिया पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ढेंकानाल परिसर (ओडिशा)

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री सुकन्या जेना
2	बाबा साहेब डॉ. बी. आर अम्बेडकर पुरस्कार	सुश्री तिरुपतिमई दास
3	डॉ. हरेखुरशना मेहताब मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री प्रियदर्शनी साहू

उर्दू पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, नई दिल्ली

क्र. सं.	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री हूमा नसरीन

संकाय
नई दिल्ली

महानिदेशक
श्री के. जी. सुरेश

अपर महानिदेशक
श्री मनीष देसाई

प्रोफेसर

1.	श्री विजय परमार	मौखिक एवं दृश्य संचार
2.	डॉ. गीता बामजेई	संचार शोध
3.	डॉ. एच. के. जोशी	हिन्दी पत्रकारिता
4.	श्री मुकुल शर्मा	विकास पत्रकारिता

एसोसिएट प्रोफेसर

1.	श्री शिवाजी सरकार (सेवानिवृत्ति 31.03.2018)	अंग्रेजी पत्रकारिता
2.	डॉ. आनन्द प्रधान	फीचर संचार/लेखन
3.	डॉ. सुनेत्रा सेन नारायण	प्रकाशन
4.	सुश्री शाश्वती गोस्वामी	रेडियो पत्रकारिता
5.	डॉ. अनुभूति यादव	नया मीडिया
6.	डॉ. सुरभी दहिया	अंग्रेजी पत्रकारिता

असिस्टेंट प्रोफेसर

1.	सुश्री रिकू पेगू	भारतीय सूचना सेवा
----	------------------	-------------------

ढेंकानाल परिसर

प्रोफेसर

1.	डॉ. मृणाल चटर्जी	संचार
----	------------------	-------



Development Journalism Scholars and PG Diploma students celebrating Independence Day



Foundation Day Lecture by Shri Arnab Goswami, Founder and Editor in Chief of Republic TV



Shri Alok Mehta, Senior Journalist delivering Orientation Lecture to the 2017-18 batch PG Diploma students



DG, IIMC Sh K G Suresh unfurling the National Flag during Independence Day Celebrations



DG Sh K G Suresh welcomes Shri Surya Prakash, Chairman, Prasara Bharati



Participants of the Media Communication Course for Officers of the Armed Forces



A street play by IIMC students



Participants of the 68th Development Journalism Course held from August 2017 to November, 2017



Senior Journalist Sh. Prabhu Chawla addressing officer trainees



Students celebrating the Annual Day Function 2017.



Group 'A' Indian Information Service Officer Trainees calling on Secretary, I&B & Chairman, IIMC Sh N K Sinha



Cleanliness Drive by faculty, students and staff in the Campus as part of Swachh Bharat fortnight.



ICCR President Sh Vinay Sahasrabuddhe at the valedictory of the FTII-IIMC Short-Term Foundation Courses.



Students participating in the Poster & Debate Competition held on the topic 'Conserve Fuel'



Leading media personalities at the Media Maha Summit held during Media Makakumbh 2018



Panel discussion by leading lights of media industry during Media Mahakumbh 2018

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

ANNUAL REPORT FOR 2017-18

INTRODUCTION

The Indian Institute of Mass Communication (IIMC), registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (XXI of 1860), came into existence on August 17, 1965. It was established with the basic objective of teaching, training and undertaking research in the areas of media and mass communication.

The Institute began with a modest staff strength of four Professors and one Consultant from UNESCO, besides the Director. The Institute organized training courses for the Central and state Information Service Officers, as well as some foreign trainees under the Colombo Plan and undertook research studies on a small scale. Over the last 53 years, the Institute has graduated into conducting a number of specialized courses for meeting the diverse and demanding requirements of the rapidly expanding and changing media industry in modern times, in keeping with its original mandate “to provide the information and publicity to the personnel of the Central and State Governments, to make available facilities for training and research to meet the information and publicity needs of the public and private sector industries.”

As on 31st March, 2018, apart from training officers of the Indian Information Service, the Institute is conducting a number of Post-Graduate Diploma Courses in Print Journalism (English, Hindi, Odia, Urdu, Marathi and Malayalam), Radio & T.V. Journalism and Advertising & Public Relations. The Institute conducts a Diploma Course in Development Journalism for middle-level working journalists from Asian, African, Latin American and East European countries, sponsored by the Ministry of External Affairs, Government of India since 1969, presently under the ITEC, SCAAP and TCS of Colombo Plan Schemes. A number of specialized short-term Courses, ranging from one week to four weeks, are also organized especially for defence officers and police officers and to meet the ever-growing training needs of communication professionals working in various media, publicity and operational outfits of the Central and State Governments, as well as Public Sector Organizations. The Institute also collaborates with different national and international agencies in conducting training, seminars, workshops, etc. and in undertaking joint research projects.

In recent times, mass communication has undergone a paradigm shift and has emerged as a major area of activity greatly impacting the process of decision-making. It has rapidly acquired importance and prominence and has become a major attraction for students pursuing different academic disciplines. The Information Technology Revolution has significantly contributed to the expansion and changing contours of the mass media. It has also posed major challenges for students, teachers and practitioners of the discipline. Rapidly changing technology is transforming the very complexion of the discipline in a manner unknown to any other area of academic activity. The need of the hour undoubtedly is to respond effectively to emerging challenges for maintaining and enhancing the effectiveness of mass media, while

simultaneously exploring and expanding the engagement with the new media.

Accordingly, the Institute continuously evaluates and revises its course curricula so as to effectively meet contemporary challenges thrown up by the fast-changing environment. This enables the effectiveness of the Courses being run by the Institute, even in the changed scenario.

The Institute equips young men and women who aspire to ultimately be associated with a variety of media institutions with the basic skills and techniques they require and provides insights into different dimensions of the field. An attempt is made by the Institute to help its students develop into useful members of the society, with the dissemination of information and communication being aptly considered to be a crucial ingredient of the development process. This is what gives the Institute and its *alumni* a distinct identity and character.

The Institute continuously endeavors to contribute towards the creation and strengthening of an information structure suitable not only for Indian requirements, but also for those of other developing countries. IIMC provides its expertise and consultancy services to other institutions, organizations and bodies in response to requests received from departments and entities of the Central and State Governments, Public Sector Organizations, Universities and other Academic Institutions.

With the growing popularity of the Institute's training activities and with a view to meeting regional aspirations, the Institute opened, in 1993, a Regional Campus at Dhenkanal, Odisha. At present, the Regional Campuses conducts two Courses offering Post-graduate Diploma Courses in Journalism English & Odia at Dhenkanal campus, Journalism in English & Marathi at Amravati campus and Journalism in English & Malayalam at Kottayam campus. In two more Regional Campuses of IIMC at Aizawl (Mizoram) and Jammu (J&K), we are offering Post-graduate Diploma Courses in Journalism (English).

Through its continuous hard work over the half century of its existence and as a result of its excellent delivery mechanisms, the Institute has consistently retained the enviable reputation of a centre of excellence in the arena of communication teaching, training and research.

TRAINING OF INDIAN INFORMATION SERVICE OFFICERS

In 2017 twelve IIS Group 'A' Officer Trainees (OTs) completed their 9 months ***Induction Training in Communication and Media*** from 16th January 2017 to 15th October 2017. The important element of the training was outstation assignments like defence attachment with Assam Rifles, Left Wing Extremism (LWE) and National Security Guard (NSG) at Manesar. Unlike the preceding year, the 2016-17 of IIS Group 'A' OTs went to Jharkhand instead of Chhattisgarh for Left Wing Extremism (LWE) Attachment. For the first time 'Conservation studies on wild life and social forestry' was introduced as part of their induction training. Imparting of technical skills like writing news and features for radio, television and the craft of documentary film was carried out at FTII Pune.

The training also engaged with issues like environment audit, social audit and grassroots communication. The latter was one of the highlights in the three -week Bharat Darshan Tour undertaken by OTs as part of their training. They visited community radio, Radio Bundelkhand during this study trip.

IIMC also conducted 4-week Phase III training under the Mid-Term Career Training Programme (MCTP) for 25 IIS Group 'A' Officers from 24th April to 19th May, 2017. The training largely focused on Media & Communication aspects. They had a session in the Management Development Institute (MDI), Gurugram focused mainly on Leadership Skills, Brand Management & Advertising and Marketing including Digital Marketing. One-week training was also held at Institute of Secretariat Training & Management (ISTM), which focused largely on administrative and financial matters.

For the first time a one-week Phase II training was conducted for 2015-16 batch of IIS Group 'A' OTs after completion of their two year of induction training in *Communication and Media*.

Currently in the new batch of 2017, 19 Officer Trainees of IIS Group 'A' are undergoing the Induction Training and 06 Officer Trainees of Senior Grade IIS Group 'B' are undergoing the Foundation Training in *Communication and Media*.

POST-GRADUATE DIPLOMA COURSES

Since its inception, the Institute has carved out a niche for itself in the area of media and communication education through its continuous, relentless efforts aimed at improving the content and delivery mechanisms of its training. Today, IIMC enjoys pride of place among the galaxy of institutions engaged in imparting teaching in the field. It offers various Post-graduate Diploma Courses in Journalism – Hindi, English, Odia and Urdu, Advertising & Public Relations and Radio & TV Journalism—to aspiring professionals in these disciplines.

The courses offered by the Institute represent a meaningful blend of classroom teaching, duly supplemented by practical orientation through rigorous exercises, lab journals, projects, field visits, etc. This is intended to equip students with the skills needed for success in their careers and to provide them with an opportunity to relate the teaching they receive to the ground realities of the environment in which the media and communication industry functions. The courses, besides providing a perspective, aim at defining the role of media professionals in society. The curricula of the courses are continually reviewed and revised by incorporating emerging trends and technologies in the rapidly developing field in order to maintain the relevance of the courses even in changed circumstances. While designing the courses, the diverse requirements of industry are also kept in view, so as to make the students aware of the field realities, as well as ethical considerations. The courses also aim to imbue a sense of responsibility among the students, so that they are in a position to discharge their respective roles effectively in a multi-lingual, multi-religious and multi-ethnic society.

The Institute also assists its students in securing internships/placements that usually lead to gainful employment in Newspapers, TV Channels and Media Houses, as well as Advertising and Public Relations Agencies after completing their courses, through campus placements and otherwise.

The PG Diploma Course in Journalism (Hindi) was started to cater to the growing need for skilled and professionally trained media persons for Hindi newspapers, magazines, TV and radio. With the growth of Media in India, it adapted quickly to include New Media and other Digital platforms in its curriculum. The primary focus of the course is to impart theoretical background and professional skills required in the processes of news gathering and its production and dissemination.

In the year 2017-18, the Journalism course in Hindi had 60 trainees. Forty five trainees were declared successful and another ten would have to reappear in the exam to complete the course. The initial phase of the course emphasized on the theory and concepts of communication and the history, laws and ethics of journalism. From the very first week, the trainees were imparted skills to use Unicode on computers for Hindi to strengthen their skills in typing and software for publishing. The theoretical and practical components were equally distributed over the two semesters.

A special computer lab for Hindi Journalism to produce lab newspapers was setup in 2013 by acquiring the latest integrated news editing system that is being used by the industry in a big way. The students this year also produced their own lab journals on “News Wrap” editing system and integrated Adobe Indesign publishing software. They also submitted their editing and other assignments online. The Department is slowly moving towards paperless training and students are encouraged to submit their assignments on network shared by students and teachers. The students produced more than 50 lab journals, individually and in groups.

The students went for an educational trip to the Surajkund Mela and produced special lab journals on their visit. They also reported these events for radio and television. To partially offset the impact of the growing trend of commercialization of the media, concerted efforts were made to impart training in Development Communication in accordance with the mandate of the Institute. The students took keen interest in the Institute’s community radio station and produced programmes for it in groups.

After completion of the course, The placement cell facilitated the placements of the students who were placed in various newspapers and their digital editions, television channels and news agencies. The students got jobs in DainikBhaskar, NavBharat Times online, Amar Ujala Digital, India Today Digital, Jagran Josh, Hari Bhoomi and its online edition, ABP News, APN TV and ETV Bharat, while some students went for further studies.

PG Diploma Course in Journalism (Urdu):

The Diploma of Urdu Journalism was upgraded to Post graduate Diploma level after the approval of the

Executive Council in 2016-17. This year a new practice for training was adopted and the trainees of Hindi and Urdu journalism courses participated in the combined classes in the morning sessions and did their language specific work in the afternoon shift. This led to a better integration of Urdu journalism students in the mainstream.

In 2017-18, five students took admission and all of them successfully completed the course. Two of them were successfully placed in ETV Bharat, one joined web news portal Roar Media while two of the trainees are working as freelance journalists.

The PG Diploma Course in Journalism (English)

PG Diploma Course in English Journalism is designed to train young students on the various aspects and techniques of journalism in order to make them professional journalists. This nine- month course is an intense, rigorous and practical oriented, which focuses on developing the skills and vision in students that are required to become successful journalists.

In the year 2017-18, 58 students were given theoretical and practical training in print, electronic, development and digital media. Apart from media, they were also given insight in the field of Advertising, Public Relations, Public Health Communication and Documentary Making. They were trained on Writing for Media, Editing, Designing and Layout, Newspaper and Magazine Production, Television and Radio Production and latest software and techniques used in the industry.

This year 42 lab journals were produced by the students in groups. Also they were able to accomplish other group activities, such as making websites, producing radio bulletins, creating digital stories, producing television bulletins. Students also worked in Apna Radio 96.9, the community radio station of IIMC. Special Lab journal was brought out on the International Women's Day on 8th March. Around 100 stories were published in 7 lab journals on women's issues . Contest was also organized to judge the best lab journal produced on Women's Day by Beti Foundation in which English Journalism students bagged first three prizes.

This year, Department organized special lectures on Mobile Journalism, Visual Communication, Documentary Making, Photo Journalism, Digital Story Telling, Developing Videos through Artificial Intelligence, Public Health Communication, Decoding Budget, Digital Cinematography, Government Information System, Writing for Social Media, Parliamentary Reporting etc.

The Department also initiated weekly seminar series in which students made presentations on current issues like Right to Privacy, Triple Talaq Judgment, Fake News, Manual Scavenging etc. The objective of keeping these seminar series was :

- To create an atmosphere of healthy debate and discussion on issue of importance
- To train students on effective communication

Students visited Suraj Kund Mela on February 8, 2018 and made a photo feature on it. Some of the photo features were published in mainstream media too. They also worked on Social Media Projects on the topics, such as Social Media and Women Empowerment, E-Healthcare, E-Governance, ICT in Education, Child Rights, etc in which they documented all the initiatives taken by the government and private sector using social media.

The students of English Journalism participated in various inter college and intra college competitions and won many prizes. Students of English Journalism also attended events, such as Women's Safety organised by Sampoorana, NDTV Conclave 2018 on 13th April, CII Conference, and consultation on fake news organized by Media Nama.

In 2017-18, students were placed in reputed organization like, IPAC, Business Standard, Jindal Steel, India News Ahead, Network 18, ETV, NDTV, Times Internet, Economic Times, Indian Express online, Financial Express, ANI, AIR, Radio Mirchi, PTI, Directorate of Publication Division, Jindal stainless, Careers 360, Roar Media etc.

PG Diploma Course in Advertising and Public Relations

The Department of Advertising and Public Relations continues to take pride in preparing the best professionals for the industry. Our strong focus on the contemporary and progressive pedagogy with well deliberated course structure that harmonises best of the classroom teaching with industry exposure remains the hallmark of the PG Diploma Course in Advertising and Public Relations.

The PG Diploma Course in Advertising and Public Relations had 70 students in the year 2017-18. The students underwent rigorous teaching, training and hands-on-skill enhancement exercises in 12 papers that comprise the syllabus of the course. As in the past, some of the best faculty from the industry was drawn upon to augment teaching, along with the in-house faculty. The students worked on many live brands, tracked media and did simulations in crisis management, CSR, brand building etc.

Innovative pedagogy was introduced in the form of role-plays, case studies, review of books and quizzes etc. The students worked on important advertising campaigns. Last year they made campaigns on Road Safety for Ministry of Road Transport and won Rs.1 lakh as prize money from the Ministry. This year, an Annual Showcase of Campaign was organized. Nothing embodies the ethos of said concepts better than the much anticipated event of the Annual Campaign Exhibition aptly titled INDRADHANUSH which took place on March 23rd this year at 10.30 am onwards in the mini auditorium. This year's exhibition saw participation from students from the departments of Advertising and Public Relations as well as Radio and Television Journalism. The topics explored in the campaigns by students ranged from social awareness like drug abuse, child labour, child adoption, etc to topics that are considered taboo like sex education, and a few unique ones like Uttarakhand Tourism. The students were mentored by Dr Surbhi Dahiya, Mr Anand Bhushan, Mr Aheibam Prahlad and Mr Rajesh Rana, who are veterans in the field of

mass media. Various faculty members and industry experts from famed organizations like Lowe Lintas, McCann Erickson, Fluorescence Communications, etc not only critically analyzed and commented on various campaigns presented but also gave valuable inputs that would definitely help the students as they gear up to enter the industry.

The event was a major success and all the hard work put in by the students came to fruition when Ministry of Women and Child Development consented to disseminate one of the projects on Child Adoption “Dular Ki Pukar”. The event has most definitely set a benchmark for future campaigns. Other students presented their campaigns to the experts and the Ministry representatives and received accolades for their creative rendition, quality of production and diligence.

On December 8th 2017, the students of Advertising and Public Relations organized a presentation of Nukkad Natak. The performances were skillfully created and curated by the students. Their acts touched upon some of the most pressing issues that our society is facing – Equal rights for women, breaking free from rape culture, transgender rights, stigma attached to menstruation and discrimination based on caste. These issues are deep rooted in our culture and society, our students not only brought them to light but also appealed for positive change. Such events and initiatives restore faith in our common goal – shaping communication professionals that will create a better world.

Five teams from the Department of Advertising and Public Relations were shortlisted in the second leg of the competition organized by Wat Consult. All the teams prepared digital pitches to win the ultimate prize – A trip to the Cannes Festival. Mehak, Pratibha and Dikshita brought back a cash prize of Rs. 25,000, certificates, a trophy and lots of appreciation.

The Advertising and Public Relations department of IIMC organized several workshops to enhance students’ learning experience. Some of our most important workshops that were instrumental in keeping our students hone their skills include a workshop by Dr. Subi Chaturvedi on Mobile Journalism and application where students explored the rise of content for mobile, particularly in news. Another such workshop was by Ms. Beedisha Chakrabarti and Ms. Lisa on the role of public relations in crisis management a challenge most of our students are bound to face in their career. Other fruitful workshops included an extensive two part workshop on Digital Marketing and social media by Mr. Palin Ningthaujan and Ms. Disha. We also had an informative workshop on the powerful effects of media by Dr. Uma Shankar Pandey. Mr Jupinderjeet Singh from The Tribune Chandigarh conducted a workshop on “Writing Middles” and Mr. Prasun, Director, Magic Bricks.com and Ms. Anjali Berry conducted a workshop on “Campaigns in the Digital Space”

The year witnessed overwhelming placement in Advertising and PR not only for the Ad/PR students but students from other courses including Regional Campuses. Among the many public and private sector companies that came for placement, the foremost have been TATA, Jindals, IFFCO, Adfactors, Edelman PR, Avian Media, PR Pundit, Wat Consult, Accenture, etc. The highest pay package came from the TATA

and Jindals at Rs.12 lakhs per annum.

The PG Diploma Course in RTV Journalism

In the Academic Year 2017-18, all the 43 students, who took admission in the Post-Graduate Diploma in Radio and TV Journalism, successfully completed the course by undergoing exhaustive classroom teaching and rigorous practical training.

The course was updated in accordance with the evolving media industry and changing technology. The students were exposed to training by prominent media professionals. Qamar Wahid Naqvi did a week-long workshop on TV News Production. Akhlaq Usmani taught them TV News Packaging. Sudipto Sen unfolded the magic of Cinema. Danish Iqbal acquainted them with Radio Drama. Dr. Tabneeha Anjum, Vinod Kumar, Shahi Shaika and Sameer Ashraf gave them tips for Photography. Shefali Chaturvedi and RJ Simran Kohli took them through the lanes of Entertainment Radio. Shams Tahir Khan (Crime Reporting), Vikrant Gupta (Sports Reporting) and Saeed Ansari (News Anchoring) from Aaj Tak, Pallav Bagla (Science reporting) from NDTV and Ashok Srivastava (News Anchoring) from Doordarshan shared experiences from their fields. The masters chiseled the talents of the pupils and it showed encouraging results. The students sent six entries to the Chitra Bharati Film Festival in February 2018. All entries received accolades from the audience and one of them won a Prize also. Garen Panor was adjudged as the Best Actor (Female) in the Short Film '1311 Kilometers'.

With Dr. Sayed Nawaz Ahmed they produced Special Editions of IIMC Times on 'Women Empowerment'. Prof. Mathew Swain from Cardiff University and Prof. Annette Danto discussed Media Ethics with the class. Sh. Rahul Mahajan was invited to deliver Special Lectures on Positive Reporting. Sh. Vikram Behl described the Art of Interview and Sh. Shubhranshu Chowdhary how to innovate in Development Communication. Ms. Archana Dutta and MS. Veena Jain (both former DGs, DD News) told them about the system of Government Communications.

The students were taken to a visit to Doordarshan News, News Services Division of All India Radio and BBC World News (Hindi/Urdu, Delhi Office) in order to provide them with a first - hand experience of the Radio/TV Newsrooms. Their field assignments included the coverage of Surajkund Crafts Mela.

Radio & Television Department provides training in Broadcast Journalism to all the students from all the other five departments of IIMC. It also offers logistic and technical inputs to Short Term Radio/TV Courses for the Indian Armed Forces, Para Military Forces, NDRF and the officers from PR departments of different states.

New Media & IT

The Department of New Media organized various workshops for the students from English Journalism, Hindi Journalism, Radio and Television and Development Journalism to develop amongst them an

understanding of New Media as also digital skills to create media messages in a wide variety of forms. The department organized following workshops in the year 2017-18:

- Mobile Journalism workshop was organized for the students of English Journalism and Development Journalism on September 27, 2017. Mr. Vishal Aroara conducted the workshop alongwith Dr. Anand Pradhan and Dr. Anubhuti Yadav.
- Mobile Journalism workshop for Hindi Journalism and Radio & Television was also organized in Feb 2018.
- A workshop on Digital Cinematography was also organized by Panasonic for the students of English Journalism. Mr. Kenji Takei, Panasonic was the lead instructor. Students were given hands on experience on the latest video and still cameras.
- A Comic Journalism workshop was organized from 29-30 Oct 2017 for the students of English Journalism. Mr. Sharad Sharma, founder, Frassroot comics was the lead instructor.

The department anchors New Media paper in all the departments and workshops are also conducted on Data Journalism, Digital Marketing, Digital Tools and on online journalism.

Training Programmes for Government Officials

- Department in collaboration with Indian Information Service Department organized one day workshop on Social Media for Governance for IIS officers on July 3, 2017 at National Media Centre
- The Department organized a course on Public Relations in a Digital Age for the PR officials from Assam in August 2017.

Development & Research

The department also contributed towards the development of Glossary of New Media in a workshop organized by Commission for Scientific and Technical terminology, Dept. of Higher education, MHRD from 10th to 14th July 2017 (From 10 Am to 5 PM) at Department of Mass Communication, Mumbai University

The Department has produced e-content on New Media for Consortium for Educational Communication (CEC), PG Pathshala, Swayam and the National Repository of Open Educational Courses

The Department has submitted the research report on social media for citizen engagement. The project was funded by : UGC – UPE FocusArea -II Project (Mysore University)

The Department has collaborated with **PMGDISHA** Pradhan Mantri Gramin Digital Saksharta Abhiyan for Curriculum development & Evaluation.

Extension

The department manages institute's website www.iimc.gov.in and social media handles.

The department also organized an interactive session of students with the officers from Armed Forces on the occasion of Armed Forces Flag day on Dec 7, 2017.

Dr Anubhuti Yadav, Head Department of New Media addressed several New Media related conferences across the country.

Major Activities in the year 2017-2018

The following training programmes were conducted at Regional Campuses in 2017-2018

Activities at IIMC's Dhenkanal Campus

The academic session of IIMC Dhenkanal started on 1st August 2017. Extensive lectures by guest faculties were organized for the students to learn and know more and get a 360-degree-view of the world around them.

On 4th August, on the occasion of Odia Journalism Day, a lecture was delivered by Dr. Anup Das, Former Professor of Sociology, Utkal University, on Global Capital and Language Media. August Kranti Diwas was celebrated in the campus on 8th August; Prof. Subir Ghosh delivered a lecture on 'Gandhi as a Communicator'.

Foundation Day of the institute was celebrated with much fanfare on 17th August. On this occasion, Former Chief Secretary of Odisha Dr. Subhash Pani delivered a lecture on 'Facts, Fiction and News.' followed by a cultural event organized by the students and faculty members later in evening. Essay and Debate competitions were also held on this occasion.

A special lecture was delivered by Prof. Surya Mishra on Indian Parliamentary System with Special reference to Rules, Regulations, and privileges on 21st August.

A workshop on Digital Financial Literacy for all was organized by ABHYUTTHANA Financial Learning center, Bhubaneswar on 24th August while the second Prof. K. M. Shrivastava Memorial lecture was delivered by Prof. Dr. S N Mishra, Dean School of Management, KIIT, Bhubaneswar on 28th August 2017. The title of the lecture was "Development and Growth".

In order to celebrate the beauty of the language, Hindi Fortnight was celebrated in the campus from 4th to 14th September, in light of which, debate and essay writing competitions in Hindi were organized. Winners of these competitions were felicitated on 14th September on the occasion of Hindi Divas. A cultural event was also put up by the students in the evening.

In order to make the students familiar with the art of photography, a 3-day Photography workshop was held in the campus where Himanshu Vyas, Chief Photographer, Hindustan Times, Jaipur and Tabeena

Anjum Qureshi, Bureau Head, Deccan Herald, Jaipur, enlightened the students about photography from 9th to 11th October.

The budding journalists also celebrated National Press Day on 16th November where Senior Journalist and Editor of Omm Com News Jajati Karan deliberated on the topic Challenges before the media in India. The first lab journal and a photography brochure were released on this occasion.

On 22nd November, to commemorate the death anniversary of the first resident director of IIMC, Dhenkanal, the first Prof. B. B Mohanty Memorial Lecture was delivered by renowned playwright and theatre director Mr. SubodhPattnaik on- 'Theatre as a development tool'.

A seminar on Violence Against Women was held at the Institute by ISWO and OXFAM on 5th December.

As a part of its Silver Jubilee Initiative, The Institute organized a three-day film appreciation workshop called Filmi Chakkar from 14th to 16th January. The workshop was curated by National Film Award winner Dr. Piyush Roy, who also happened to be an alumnus of IIMC Dhenkanal. A national seminar on "Cinema: Through the prism of reality" was also held on this occasion. Dignitaries like ShriDevdas Chhotray, Retd Vice Chancellor, Ravenshaw University, Prof. Nadeem Khan, Regional Director of IIMC Amravati and film researcher and author Shri Surya Deo attended the event.

In the last week of February, celebrations of the Silver Jubilee year commenced. The first event of the week was a roundtable discussion on 'PR in Digital Age'. The event was graced by Prof. Subir Ghosh, author Ramendra Kumar, Shri Samir Goswami and Amarjyoti Mahapatra, President of PRSI, Odisha chapter. On the next day, a workshop on developing writing skills was conducted by bestselling author Ramendra Kumar.

On February 26, annual alumni meet was organized at the institute where students from previous batches congregated to celebrate the 25th anniversary of their alma mater.

And finally, the time came for the outset of the mega-event. A two-day grand Silver Jubilee celebration began on February 27 and saw the presence of dignitaries from different parts of the country. The list of guests included former I&B Minister Brig. K.P. Singhdeo, Shri K.G. Suresh, Director General, IIMC, Prof. Vijay Parmar, Dean (Academics), Prof. Geeta Bamzai, Mentor, Regional Campuses Shri Subroto Bagchi, Chairman, Odisha Skill Development Authority, eminent author Prof. Nityananda Mishra, Shri Subir Ghosh, Shri Snehasis Sur, Shri Samir Goswami and ShriAbhaya Padhi.

The Silver Jubilee souvenir, *Media 360*, and a compilation of articles named *Sambad Prasanga-2* were released at the event.

A couple of discourses on 'Democratisation of Knowledge' and 'Trial by Media' were also held on this day. A cultural event was organized in the evening by the artists of Song and Drama Division, Govt of India. Traditional Gotipua dance of Odisha was the highlight of the event.

On February 28, Jyoti- a special initiative for the visually impaired persons, taken by IIMC Dhenkanal in co-operation with Indian Oil Corporation was inaugurated. The center, which is equipped with Braille-enabled computers and also has a Braille library, will be used for training visually impaired people aspiring to be journalists. A roundtable discussion on 'Future of Media' was also held on this day.

On this occasion, meritorious students of the Institute, Pushpanjali Panda, and Dharini Mudgal were awarded this year's prestigious Dr. Radhanath Rath Fellowship and Satya Mohapatra Fellowship. On 19th March, a Postal stamp was inaugurated to commemorate the 25th year of the institute.

Activities at IIMC's Aizawl Campus

The Indian Institute of Mass Communication(IIMC) North East campus' 2017-2018 academic session got underway on August 1, 2017.

The highlight of the year was the visit of the Director General, IIMC KG Suresh on April 20, 2018. Mr Suresh had a long and lively interaction with students and faculty members of IIMC Aizawl on 20-04-2018. Speaking to the budding journalists, the Director General emphasized on the importance of specialization in modern journalism. He also expressed satisfaction at the performance of the students of the Aizawl campus at the campus recruitment fortnight at Delhi. Mr Suresh surveyed the construction of the permanent campus of the Institute, currently under construction at the Mizoram University campus in Tanhril. The campus is expected to be completed by the end of 2019. The institute is at present operating from a building on the MZU campus.

On August 23, 2017, the IIMC students accompanied by assistant professors Sudarshan Borpatra Gohain and Dr C Lalmuansangimi, Regional Director Mr LR Sailo and visiting faculty Mr Gopal Mishra visited the Assam Rifles Headquarters Aizawl. The groups had a fruitful interaction with the Commandant, Brigadier MS Mokha and other senior officers. They were given an insight into the history and significance of the Assam Rifles, and the ways in which the Assam Rifles was integral to the nation's defence.

On September 12, Students and faculty of IIMC Aizawl, led by Regional Director had an interaction session with Mr LD Ralte IFS(ret'd), Chief information Commissioner, Mizoram. Mr Ralte, drawing on his vast experience of service in the highest echelons of the Govt of India, educated the students on a variety of issues, with special reference to the Right to Information(RTI) act and its use in Mizoram.

Students over the course of the academic year also attended events like the Thalfavang Kut(tourism festival) at Rei-ek, and the most important Mizo cultural festival, Chapchar Kut at AR Ground Aizawl. While it was an important part of the students' cultural education, they also made a short documentary of the event.

Activities at IIMC's Amravati Campus

During the academic session 2017-2018, in addition to P.G. Diploma in English Journalism the P.G. Diploma in Marathi Journalism was introduced.

During the year, the students of IIMC Amravati covered a lot of local events and festivals like Ganeshtsava, Durga Puja, Janmashtami along with District Granthostav and the convocation of the Sant Gadge Baba Amravati University as a part of routine reporting assignments.

The English Journalism batch published 9 lab journals and the first batch of Marathi journalism successfully published 15. The lab journals were mainly based on original local news and articles produced by the students.

All the pages of all the issues were researched, written, edited, designed and brought out exclusively by the students. They were asked to go for reporting on a daily basis. The focus was on training them in reporting and editing skills.

The students worked on some special issues like 'Dusserra', 'Celebrating Women Power, National Press Day, Marathi Patrakar Din, International Women's Day, the convocation of the Sant Gadge Baba Amravati University and Granthosav organized by the District Library and District Information Office.

The students also did a lot of photography. Most of the news reported by them was accompanied by pictures they themselves had taken.

The Institute conducted a two day workshop for Marathi students to understand the working of television, theoretically and practically. Local television journalists were invited to guide them. In the limited period of time available to them, the students completed five documentaries: two English and three Marathi. Everything including shooting, scripting, voice over and editing was done by them.

As a part of their training in Radio, they prepared Radio news bulletins and features, as a group activity. They prepared blogs and mobile stories as a part of the New Media practicals.

The students visited the printing press of a local news paper *Pratidin* and a local community radio called *Sadhana*. They visited the Times of India office and the All India Radio Station in Nagpur. They interacted with the concerned authorities and tried to understand the working of the newspapers and radio respectively. They also interacted with the Bureau Chief of IBN Lokmat. The students also visited the Press Club of Nagpur and had a long and educative interactive session on journalism and related issues with the President of the Maharashtra Press Club and other eminent journalists of Nagpur. They visited Chikhaldara, a nearby hill-station, and Gandhi Ashram in Sevagram. They also visited Central Jail and interacted with officials.

The Institute celebrated the Marathi Patrakar Din along with the Journalism department of the local Shri Shivaji Arts College and District Information Office on 6th January, 2018.

Three of the Marathi students, namely Ashvini, Shubham and Kailas participated in 'Social Media Mahamitr', an online initiative of the State Government of Maharashtra and received digital certificates

signed by the Chief Minister of the state Shri Devendra Fadnavis.

Many eminent journalists, academicians and professionals guided the students on many important topics, including Mahendra Ved, Sanjay Gharde, Sanjay Pakhode, Yogesh Joshi, Sanjay Shende, Kishor Dwivedi, Nikita Gupta, Sripad Joshi and Sriram Joshi.

Activities at IIMC's Jammu Campus

The Northern Regional campus' 2017-2018 academic session got underway on August 1, 2017.

i) 53rd Foundation day celebrations of IIMC:

During 53rd Foundation day celebrations of IIMC held on 17th August, 2017, Shri K.B Jandial (IAS), former Advisor to Hethe Governor / bureaucrat and Director of Information & Public Relation, J&K Government addressed the students on various aspects of news coverage and journalism. He also shared his experiences during the days of militancy and advised students on various aspects of conflict reporting. He also answered various queries raised by students on the functioning of media units controlled by State and Central Governments.

ii) Late Prof.K.M Shrivastava memorial lecture:

2nd Late Prof.K.M Shrivastava memorial lecture was organized on the topic "Media & Environment in J & K" on 28th August, 2017 by IIMC Jammu Campus. Shri C.M Seth, Former Chairman, Pollution Control Board and Chairman WWF, J & K Chapter was the key speaker in the memorial lecture. The memorial was attended by Shri Ashwani Kumar, Bureau Chief of AajTak News Channel, Ms. Sangeetika Nigam, visiting faculty among other dignitaries. Shri C.M Seth spoke about the role of media in preserving wild life in the State of J & K. He further spoke on the relationship between wild life and climate change.

iii) Lecture by veteran Journalist Shri Nizamuddin Bhat:

Shri Nizamuddin Bhat, the then Vice Chairman, Handicraft Development Corporation and a veteran Journalist from J & K addressed the students on the ethics and good practices in Media in October, 2017. He spoke about the relevance and importance of credibility, objectivity and impact of fake news in a State like J & K. He advised the students to adhere to the rules of good journalism and not to look for short cuts for immediate gains.

Seven day workshop on Photojournalism:

Shri Narayan Acharya, a senior Photographer in the PRO Defense, J & K conducted a seven day workshop in October/November, 2017 for the students on Photojournalism. Apart from theoretical inputs, he demonstrated the practical aspects of photojournalism. He also addressed the students about ethics and new trends in photojournalism and took a special session on mobile journalism also.

iv) Participation in valedictory function of Golden Jubilee celebrations of the National Press Day organized by Press Council of India at New Delhi:

Three students of Jammu Campus participated in valedictory of Golden Jubilee celebrations of the National Press day and national Awards for excellence in Journalism organized by Press Council of India at New Delhi.

v) **Workflow and the functioning of news room:**

In order to make the students aware about the entire workflow and the functioning of news room, visits were organized to:-

- i) Doordarshan where the students interacted with Shri Sanjit Khajuria, Deputy Director News who briefed them about the system. Students also got a overview of the studios and the technical infrastructure at DD. They were also briefed on various aspects of lighting, sound and studio setup.
- ii) Similarly, visit to AajTak news channel was organized. Shri Ashwani Kumar, Bureau Chief, AajTak, J & K briefed the students about the entire workflow and the functioning of news room. Students also witnessed the operation ability of OB Van, studios and the technical infrastructure at AajTak. They were also briefed on various aspects of Breaking News/its Coverage and Conflict reporting.
- iii) A visit to Times Now news channel was organized. The students met Shri Pradeep Dutta, Bureau Chief, Times Now, J& K who discussed various topics on TV news journalism.

vi) **Participation in North Zone Inter University declamation contest:**

A Declamation Contest was organized on 18th January, 2018 by the University of Jammu among the North Zone Inter Universities on the topic “Is Digital Intervention in Education among the most Pressing Challenges?” 32 participants including two Students of IIMC Jammu from 16 educational institutions from within and outside the State participated in the Contest. His Excellency, the Governor, Sh.N.N.Vohra gave away the certificates.

vii) **Interaction of DG with students:**

Director General IIMC, Sh. KG Suresh, interacted with students of the Jammu campus on 20th January, 2018 wherein he gave professional advice to the students. While highlighting the requirement of the media industry, he suggested the students to read and write on a daily basis. He further asked the students to make the stories on the factual content after verifying them thoroughly.

viii) **Republic Day celebrations:**

Republic Day was celebrated with patriotic fervor at Northern Regional Campus of IIMC, at Jammu. Students showcased their talent by way of cultural events, including skit, dance and news anchoring in ‘Regional languages’. Awards for outstanding performances / participation in the event were distributed amongst the students.

ix) **Visit to J&K State Assembly / Counsel:**

A visit of the students of IIMC Jammu was arranged to the J&K Legislative Assembly on 1st February 2018 so as to witness the proceeding of the Legislative Assembly and the process of lawmaking. Students attended the zero hour session of the Assembly where the key issues were discussed by various MLAs.

x) **Visit to Industrial estateBari Brahamana:**

To gain practical knowledge of electronic media, students of IIMC Jammu were taken to Industrial Hub of Jammu, at Bari-Brahmna on 15th February, 2018, where the students were given a task to create their own news stories. During this visit under the supervision of Guest faculty from IIMC Headquarter, students learned about how to face the camera besides its handling.

Activities at IIMC's Kottayam Campus

The Northern Regional campus' 2017-2018 academic session got underway on August 1, 2017.

One remarkable development in the year under report is the launch of a new PG Diploma Course in Malayalam Journalism. With the launch of a new course, the current academic year witnessed a milestone in IIMC's illustrious history in setting global standards in media education. The new course is in line with IIMC's vision to build capacity and ensure quality standards for journalism in regional languages as well. The ceremony was inaugurated by Shri K. G. Suresh, Director General, IIMC, which also witnessed the participation of many luminaries in the field of journalism.

Other Significant Activities

The year witnessed vibrant academic activities – on campus as well as off campus – at IIMC Kottayam. The academic year began with a lecture-series by veteran journalists on relevant topics. During the period under report, many dignitaries who have made a mark in the field of Journalism and Mass Communication visited the campus and shared their experiences and wisdom with the students. Students were imparted with theoretical as well as practical training on various aspects of print, broadcast, and online Journalism. A week-long internship in various Media Houses along with field visits to various events were organized to provide necessary exposure to students. The students also came up with many lab journals, web portals, and research papers as part of their practical assignments.

The campus also witnessed various celebrations and events during the period. The Foundation Day of the Institute, Kerala's Statehood Day and Onam festivities were celebrated in the campus with various programmes.

The Scholar in Campus Programme was initiated through which students were given a chance to interact with renowned scholars and industry experts from various spheres of communication; the scholars visited the campus and discussed with the students the best practices and recent developments in the field of Mass Communication and Journalism.

Guruvandanam Programme was initiated with a view to express the students' reverence for the gurus who initiate them to the world of learning. Senior Journalists and academicians were invited to address the students and they were honoured by draping ponnada on the occasion.

Know Our Language Programme was initiated with a vision to impart training on the appropriate use of local language to non-native students. The Programme intends to inculcate in students a sense of and need for a familiarization with the local language, local customs and traditions, thereby inculcating the spirit of national integration.

The Journalism Mentorship Programme implemented in the Centre has proved to be of immense benefit to the students. As part of this programme, students were sent to various Media Houses during the semester break/vacation and they were mentored by a senior journalist working in the particular media house.

Workshop on Health Communication: In association with National Health Mission and Health Department, Govt. of Kerala, the Institute organized a one day seminar on Health Reporting with students and regional reporters in Kottayam, as target audience. The new PG Diploma Course in Malayalam Journalism launched during the year has a component of 'Health Reporting' as well. In addition, the Institute is in preliminary discussions with UNICEF India (TN & Kerala) to start a Media Research Centre for Child Rights, at Kottayam.

Social Media Presence: The Institute has a vibrant presence on Social Media with a verified Facebook Page, an active Twitter Account, and a YouTube Channel. All significant activities at the Institute are communicated and publicized through the social media platforms. In fact, IIMC Kottayam is the first regional campus of IIMC to have verified social media platforms for communication.

Campus Placement: A placement drive was organized in the Campus for Malayalam Journalism students. 10 out of 12 students (83 %) were placed in various Media Houses, in the first phase itself. A considerable number of English Journalism Students were also got placed during the placement drive held at the Headquarters in New Delhi.

New Permanent Campus

The institute will be moving to the sprawling 10 acre scenic campus at Pampady, in Kottayam in the new academic year. The new campus will have an Academic-cum-administrative block, Hostel block and Staff Quarters of various types. The Campus will also have provision for a community radio station. With the inauguration of the new campus, IIMC Kottayam will go many steps further in fulfilling its vision towards building a knowledge-driven information society and also living up to its stature as an institute of national importance.

Roadmap for future

IIMC Kottayam envisions to enhance its stature by initiating a bunch of new short-term courses for communication professionals from public and private sector. The Centre also plans to enhance its collaborative network, thereby, creating necessary industry linkages. A bilingual research journal covering various issues, challenges, and solutions in the communication sphere is also in pipeline.

Diploma course in Development Journalism

The course is organized under the Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC) and Special Commonwealth African Assistance Plan (SCAAP) programmes of the Ministry of External Affairs Government of India. The course, which is of four months, duration, is organized twice a year from January to April and again from August to November every year. In the academic session 2017-18, total 49 mid-career journalists and communication professionals successfully completed the training programme. So far, nearly 1573 journalists from 127 different countries have benefited from this training programme. The Diploma Course is highly sought after by middle level working journalists in Africa, Asia, Latin America and Eastern Europe. The average intake of scholars is 24. The Development Journalism programme is designed to upgrade the skills of working journalists and communication professionals and to theoretically equip them to deal with the challenges they face in communicating about developmental and economic issues.

The course is broadly designed to illuminate the linkages between development and communication. The objective is met through classroom lectures by IIMC faculty, eminent scholars and media and development professionals.

During 2017-18, 68th Diploma Course in Development Journalism was conducted from 1st August to 27th November 2017 with 25 journalist scholars, from 16 different countries. The course was inaugurated by

Shri K.G Suresh, Director General, IIMC . He also interacted with the scholars, the valedictory function was held on 20th November 2017 in which Nobel Prize Winner Shri Kailash Satyarthi was the Chief Guest.

69th Diploma Course in Development Journalism was conducted from 2nd January to 30th April 2018 with 24 journalist scholars, from 16 different countries. The course was inaugurated by Shri K.G. Suresh, Director General, IIMC . He also interacted with the scholars, the valedictory function was held on 27th April 2018 in which Hon'ble Minister of Information and Broadcasting Smt. Smriti Zubin Irani was the Chief Guest

SHORT-TERM COURSES, WORKSHOPS, SEMINARS & CONFERENCES

With a view to contributing towards better understanding of different issues pertaining to media and mass communication in the context of India and other developing countries and in order to enhance the awareness of personnel from different fields concerning emerging trends and techniques and sharpening their skills, the Institute has been organizing a variety of short-term courses, workshops, seminars and conferences on various themes related to communication.

The Institute runs regular short-term academic programmes for personnel from different Media Units of the Ministry of Information and Broadcasting. A number of specialized short-term courses are also conducted for meeting the professional training needs of Defence officials, Police officers of various states and for those working in various media and publicity organizations of the Central and State Governments, as well as in Public Sector Enterprises.

During the year 2017-18, the Institute successfully completed seven such courses, including five courses for Defence Services officials. A total of 189 officers / trainees benefited from these courses, which included Defence Services Officers of the rank of General. A list, along with details of short courses conducted during the year 2017-18, is incorporated at **Appendix 'A'**.

Since its inception, the Institute has organized a total of 701 such courses, and trained over 14,603 personnel from India and abroad.

DEPARTMENT OF COMMUNICATION RESEARCH (DECORE)

Research Activities during the Financial Year 2017-2018

Department of Communication Research (DECORE) focuses on systematic study of communication as an integral part of the Institute's academic pursuits. Being a premier Institute in the field of teaching and training in journalism and mass communication, research efforts are directed to analyse and understand the reach and impact of mass media and communication programmes on salient development issues. DECORE has established a benchmark of research in communication in last 50 years with more than 200 research studies on various subjects and themes ranging from health, political elections, multimedia campaigns, social justice and empowerment, non conventional energy, environment and agro chemicals,

film censorship, HIV/AIDS, out-migration, empowering Panchayati Raj and more. The evaluation of media campaigns by media units of the Ministry of I&B and other ministries is a constant feature of DECORE's research activities.

DECORE primarily works through a system of collaboration with professional communicators, academicians and researchers—who collaborate on research initiatives, educational offerings, and the establishment of standards and best practices.

A) NATIONAL RESEARCH PROJECTS

1) Consumer Empowerment and Behavioural Change: Impact Assessment of Jago Grahak Jago Media Campaign

Commissioned by Ministry of Consumer Affairs, Government of India

The research study aims to assess the effectiveness of the *Jago Grahak Jago* communication campaign, launched on diverse media, in generating consumer awareness, increasing motivation, and influencing behavioral practices with concomitant effect on the grievance redress system. The study investigated the saliency of the campaign/messages, respondents' attitudes/intentions, self efficacy of the consumers, and procedural constraints.

2) “Evaluation of Programme for Strengthening of Telemedicine and E-Health Services” of the Ministry of Health & Family Welfare

Commissioned by Ministry of Health and Family Welfare, Government of India

The study was conducted to understand the process and progress of various projects under the E-health initiatives to improve health services and facilities. An assessment of the results (in terms of analytics, efficiency, scalability and sustainability) and projections for the next three years are part of the study. For the evaluation purposes only the National Health portal was assessed and analysed as the other initiatives are still in very initial or inception stage.

B) CURRENT RESEARCH PROJECTS

NATIONAL

1) Expanding Readership Base and Market of Journals: A Study of Readership and Market of DPD Journals

Commissioned by the Directorate of Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting

Study aims to assess readership, purchase intentions for DPD journals among targeted population and scope in expansion of market for DPD journals. Fulfilment of these twin objectives will help to build an effective market strategy to tap the interest of target readers and provide marketing solutions to expand the reach and access of DPD journals in different parts of the country.

2) Dedicated Volume on 50 Years of Communication Research: A Compendium of 50 years of IIMC Research Studies from 1965- 2015 is being prepared in the digitised format. (In house project)

INTERNATIONAL

1) Regional Project on Women in Media in South Asian Region: A collaboration between UN-

ESCO, South Asia Women's Network and IIMC with 9 participating countries including India, Nepal, Bangladesh, Pakistan, Afghanistan, Maldives, Sri Lanka, Myanmar and Bhutan.

The proposed project aims to:

- Examine the portrayal of women in media, and gender issues: Whether absent, neglected or negatively projected
- Map the situation of women working in the media in terms of job opportunities, roles and working conditions
- Measure gender sensitiveness of media organisations and advertising agencies
- Assess gaps in gender sensitive policy and guidelines in media organisations
- Develop a Gender Sensitivity Barometer for implementation in the 9 participating countries

C) NATIONAL TRAINING/WORKSHOP PROGRAMME

1) Faculty Development Programme (FDP) for IIMC Regional Campuses (12-16 June 2017)

(In house training)

A Faculty Development Programme was organised for the academic staff of IIMC's regional campuses from June 12 to 16 2017 at IIMC headquarters in New Delhi. The FDP as part of the capacity building programme focused on learning about the innovations in software and equipment that enhance the impact of both journalistic story-telling, and pedagogy, while also enhancing their knowledge of other topics related to mass communication such as development journalism, specialised reporting, and advertising. Participants were further trained on practical skills in the sphere of community radio broadcasting to prepare them to provide necessary, timely, and relevant inputs when proposed community radio stations start operating in their campuses.

The expected outcome of the FDP included a) Skill-enhancement and/or first-time learning of new software related to mass communication and journalism practice and pedagogy for participants, which would be then transferred to students enrolled in these campuses, and b) Offering potential for designing and conducting similar capacity building programmes for educators of mass communication and journalism from other media schools in the country with the view to integrate the learning in the existing courses.

2) Training Programme on 'Communication for Change: Social and Behaviour Change Communication for Effective Programme Planning and Management' from 5th to 9th March 2018 for officials of the Department of Water Supply and Sanitation, Punjab, Ministry of Drinking Water and Sanitation, Government of Punjab

Funded by Department of Water Supply and Sanitation, Punjab, Government of Punjab

The training workshop aimed to improve and strengthen the planning and implementation of water and sanitation programmes in Punjab by building participants' knowledge and skills about the latest approaches and methods of communication and participatory research. The training workshop focused on reinforcing that communication is a critical change factor in DWSS programme implementation, and for creating demand for DWSS schemes among the target community, and for social and behavioural change. In addition, the workshop was designed to train DWSS personnel on technical skills that may be utilised for knowledge sharing with the community and

other stakeholders using digital and social media platforms, and community-based media. The aim of all training sessions was to share and discuss appropriate and effective approaches to bring about behavioural change in the community by engaging and mobilising them in the process of development.

Development of Training Material for the Officer Trainees of Department of Water Supply and Sanitation:

- Training Module
- Participatory learning and Action: A Guide for Community Engagement in Participatory Research
- Information and Communication Needs Assessment
- Problem and Solution Tree Analysis
- Inter personal communication: A Catalyst to Effective Participatory Research and Behaviour Change
- Community Radio: A Powerful Communication Bridge

D) PROJECTS IN PIPELINE

- 1) **Study on Women in News and Entertainment Media in India** for Indian Council of Social Science Research (ICSSR)
- 2) **Five-day Regional Training and Consultation Workshop on Research Methodologies for UNESCO – SWAN Regional Baseline Study project on Women in Media** for participants from 9 countries in South East Asia.

NATIONAL MEDIA FACULTY DEVELOPMENT CENTRE:

The National Media Faculty Development Centre was formally inaugurated by Hon'ble Union Minister for Information & Broadcasting Smt. Smriti Subin Irani on 27th April, 2018. The Centre was set up in consonance with IIMC's vision to set global standards for media education, research, extension and training.

Two-day workshop on '**Data Analysis for Decision Making in Communication**' by Prof. Srinivas R. Melkote from Bowling Green State University, Ohio, USA was organized on 7 and 8 April 2018. (*Self Funded*) The workshop was jointly organised by DECORE, National Media Faculty Development Centre, IIMC, and Center for Communication and Change - India, Affiliate of Johns Hopkins Center for Communication Programs. Objective of the two days workshop were to impart hands on training on application of Statistical Methods for analyzing data in the respective research domain of Communication, Public Health, Environment and Bio-Science.

ADMISSION TO POST-GRADUATE DIPLOMA/ DIPLOMA COURSES

The process of admission to the following Post-graduate Diploma Courses for the Academic Year 2017-18 commenced with the publication of advertisement for the same in leading newspapers in the month of March 2017, the last date prescribed for the receipt of application forms being 14th May 2017. The PG Diploma Courses are:

- 1 Post-graduate Diploma Course in Journalism (Hindi) at Delhi

- 2 Post-graduate Diploma Course in Journalism (English) at Delhi, Dhenkanal, Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam
- 3 Post-graduate Diploma Course in Advertising and Public Relations at Delhi
- 4 Post-graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism at Delhi
- 5 Post-graduate Diploma Course in Journalism (Odia) at Dhenkanal
- 6 Post-graduate Diploma Course in Urdu Journalism at Delhi
- 7 Post-graduate Diploma Course in Marathi Journalism at Amravati
- 8 Post-graduate Diploma Course in Malayalam Journalism at Kottayam

A total 6624 candidates applied for the Entrance Examinations for different courses, breaking all previous records. Last year 4776 candidates had applied. This year saw a remarkable 40% jump in the number of applicants.

The All India Entrance Examinations for the above courses (except for Odia, Urdu, Marathi and Malayalam Journalism) were conducted on 28th May 2017. These Entrance Examinations were scheduled in 18 cities across the country at New Delhi, Ahmedabad, Lucknow, Patna, Kolkata, Guwahati, Bhubaneswar, Bangalore, Mumbai, Nagpur, Aizawl, Bhopal, Chennai, Jammu, Kochi, Raipur, Ranchi and Hyderabad. However, since only three candidates had opted for Srinagar, they were requested to shift to Jammu centre for the purposes of the Examination. The Entrance Examinations for the PG Diploma Course in Journalism (Odia, Urdu, Marathi and Malayalam) were held on 27th May 2017 at Bhubaneswar, Delhi, Nagpur & Mumbai and Kochi respectively. Following declaration of result of written examination on 21st June 2017, the Interviews/Group Discussions were held from 29th June onwards at Delhi and regional campuses. The final result of all PG Diploma Courses was declared on 13th July 2017.

The new academic session started on 1st August 2017. On the day, PG Diploma Course in Marathi Journalism was also inaugurated. Member of Parliament from Amravati Shri Anandrao Adsul launched the course at a function in New Delhi linked online to IIMC's Western Regional Campus in Amravati. A bust of Lokmanya Bal Gangadhar Tilak was also unveiled on the occasion inside the IIMC's Mini-Auditorium named after the great freedom fighter.

The orientation sessions for the new batch of students continued from 1st to 4th August, 2017. Eminent persons from the field of mass communication including Dr A Surya Prakash, Chairman, Prasar Bharati, Shri Alok Mehta, Sr Journalist, Ms Subi Chaturvedi, Internet Scholar and Columnist, Ms. Nidhi Razdan, Executive Editor, NDTV and Shri Avijit Dutt, Senior Advertising & Communication Consultant addressed the Orientation Sessions.

Post-graduate Diploma Programme in Malayalam Journalism was launched at IIMC's Southern Regional

Campus at Kottayam, Kerala on 12th August 2017 by Shri K. G. Suresh, Director General, IIMC at an inaugural function at Kottayam attended by eminent journalists.

50th ANNUAL CONVOCATION

The 50th Convocation of IIMC was held with great fervor on 20th November, 2017 with Nobel Peace Laureate, Shri Kailash Satyarthi gracing the occasion as the Chief Guest and delivering the convocation address. A total of 339 students were conferred PG Diplomas in various disciplines. For the first time, a joint convocation was held wherein 9 IIS Officers Trainees were awarded their completion certificates on the successful completion of their 2 years of Induction Training at IIMC. Also, 25 Development Journalism participants from 18 countries received Diplomas in Development Journalism from the Chief Guest on the completion of their 4 month course.

The details of the Awards won by the students of different courses are given at **Appendix “B”**.

PLACEMENTS

The IIMC Placement fortnight for the period 2017-2018 commenced from 26th March 2018 to 07th April 2018. Several regular as well as new companies visited the Institute for placements for this academic session. Over 50 Companies had participated during the placement fortnight. Students from all Regional Campuses including Aizwal, Amravati, Dhenkanal, Jammu and Kottayam along with New Delhi campus participated in the on campus recruitment. Some major companies participated in the on campus placement drive were Business Standard, Tata Steel, NDTV, ABP News, Accenture, Economic Times, Jindal Steel, Times Internet etc. The highest CTC offered was Rs. 12.5 lakhs per annum by Tata steel and the average CTC offered to the student was around 3.24 Lakhs per annum.

This year the Placement Cell had organised several special sessions for students on how to face interview and skill set taken by eminent speaker Ms. Gouran Lal Dhawan.

The placement cell maintained a constant contact with its students through social networking platform like Whatsapp Group to keep them updated and also notifying them about the companies that would be visiting thereby encouraging them to apply for the recruitment procedure.

52nd ANNUAL DAY CELEBRATIONS

- (i) The Institute celebrated its 52nd Annual Day on August 17, 2017, which was also the 52nd Foundation Day of IIMC. The celebrations held at the New Delhi Campus of the Institute consisted of sports activities, marathon race, cricket match, musical chair etc. as well as a tree plantation drive and cultural programme organised by the students and the staff. The 53rd Foundation Day lecture was delivered by Shri Arnab Goswami, Founder & Editor-in-Chief, Republic at IIMC on 18th August 2017.

INDEPENDENCE DAY CELEBRATIONS:

The 71st Independence Day was celebrated with great zeal and enthusiasm at IIMC's Delhi Campus on

15th August 2017. DG Shri K G Suresh hoisted the tricolor and exhorted the students to inculcate a sense of ownership with regard to the society and the nation, as a whole.

NATIONAL YOUTH DAY CELEBRATIONS:

A special gala event was organized to commemorate the birth of Swami Vivekananda also celebrated as the National Youth Day on 12th January 2018.

USE OF OFFICIAL LANGUAGE

In accordance with the Government policy, all efforts aimed at progressively increasing the use of Hindi in official work were made during the year. The employees of the Institute were extended requisite training and incentives for encouraging greater use of Hindi in their functioning. Hindi workshops were arranged for the officers/employees in order to remove hesitation to work in Hindi.

Hindi Pakhwara (Hindi Fortnight) was observed at the Institute from 1st -15th September 2017 during which different activities were organized, in which the faculty, staff and students of the Institute participated. The Dhenkanal Regional Campus celebrated Hindi Saptah (Hindi Week) from 1st -7th September 2017. The Regional Campuses of IIMC at Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam also celebrated Hindi Diwas (Hindi Day) on 14th September, 2017.

BUILDING ON STRENGTHS: INFRASTRUCTURE, SUPPORT & SERVICES

The Institute strives continuously for the creation of adequate and suitable infrastructure support for enabling its students to face the emerging challenges in the field with confidence. Owing to the rapid changes taking place in view of the IT revolution, there is a constant need to upgrade and strengthen the infrastructure created for the purpose. The use of these different contemporary tools and facilities imparts greater effectiveness to teaching.

TEACHING AIDS/FACILITIES

In consonance with its reputation of being one of the premier national-level institutes for imparting quality education and undertaking research in the field of media, mass communication and journalism, the Institute has well-defined and adequate facilities which encompass an entire spectrum of infrastructure needed for classroom and practical orientation in communication education. Constant up-gradation of these facilities is undertaken.

Global networks are converging towards a single integrated platform for voice, video and data. To keep pace with the developments in the fast-changing technology in the field of Information and Communication and its application in different areas of education and research, the Institute has acquired the latest computers with internet facility, which facilitates round-the-year connectivity for its students and faculty. This equipment and connectivity is the backbone of the educational tools and teaching aids for training

students in electronic news editing, web journalism, multimedia, designing, publishing and graphics. A combination of state-of-the-art desktop machines facilitates the training of students in the areas of multimedia, computer graphics, desktop publishing, etc.

IT TOOLS

During 2011-12, IIMC joined the National Knowledge Network (NKN), a state-of-the-art, multi-gigabit, pan-India broadband network for providing a unified high speed network backbone for all knowledge-related institutions in the country. Being part of the National Knowledge Network, IIMC receives broadband internet seamlessly at speeds of 1Gbps or higher. The purpose of such a knowledge network goes to the very core of the country's quest for building quality institutions with requisite research facilities and creating a pool of highly-trained professionals. The high speed NKN enables scientists, researchers, communicators and students from different backgrounds and diverse geographies to work closely for advancing human development in critical and emerging areas for generation and dissemination of knowledge in various fields.

The Institute also has a back-up 2Mbps broadband internet connection through the NIC, state-of-the-art computers with the latest configurations and software for imparting instruction to its students and trainees.

These facilities provide learning opportunities for the students of the Institute and *inter-alia* include three Workplaces – several Computer Labs, Multimedia and DTPs available to different groups at a time. The Website of the Institute, providing useful information about its programmes and other activities, can be accessed at www.iimc.gov.in.

TV AND VIDEO PRODUCTION

With a view to developing a high impact and good knowledge base amongst its students and trainees in the field of electronic journalism, the Institute has a modern production studio, equipped with digital cameras with synch and special effects generators. The editing consoles comprise iMac, FCP Mac-Pro digital video editing systems and on-line digital video editing.

The Institute has partially upgraded its analogue tape-based equipment to modern digital technology. This provides students with hands-on experience on digital cameras and non-linear editing that are universally employed in T.V. channels today.

For strengthening the infrastructure available with the Institute, it has acquired high-end FCP Mac Pro video edit machines for a network-based digital non-linear video editing system at New Delhi, with stand-alone, non-linear edit systems and a high-end digital graphic support system for T.V. and print media. Digital still cameras, along with accessories, were also acquired for sufficiently strengthening the training in audio-visual and print areas. Digital video and still cameras, teleprompter machines and iMacs for non-linear editing have also been procured for Regional Campuses at Aizwal, Amravati, Jammu and Kottayam.

RADIO

For radio transmission, the Institute has separate sound recording, FM and voice-over studios, which are used for imparting training in Radio and TV technology. The Institute is equipped with the requisite facilities for radio news-gathering: professional tape and digital recorders, microphones and other accessories. The sound studio has reasonably comprehensive facilities:

YAMAHA 03D full track console recorder.

Sony 8 channel Audio Mixer MXP-290 for standby recording.

A six channel On-Air console with specialization facilities.

Portable Sony IC recorders that record directly into MP3 and WAV Sound formats.

Shure Microphones SM 58.

Adobe Audition Software units with Editing and Recording facilities for programme production.

Multitrack TASCAM containing a minidisk player, CD player, cassette player for transmission

Specialised Broadcast Equipment.

COMMUNITY RADIO STATION (APNA RADIO 96.9 FM)

Apna Radio has been running as a Community Radio of IIMC, New Delhi since 2005. Over the last five years, a number of initiatives have been taken to re-vitalise this Community Radio Station. Apna Radio now goes on air for seven hours a day.

Our daily Live Show ‘Apne Aas Paas’, started in August 2014, has now become a Flagship programme of Apna Radio. We, in this program, invite subject-experts to discuss the topics of the day either in the studio or on phone in order to engage listeners and interact with them live.

We broadcast all the editions of Mann Ki Baat by Prime Minister Narendra Modi. We also celebrated Swachhta Pakhwara from January, 15 to January 31, 2018.

Teen Talk, a program on teenagers’ issues which was a success in Season-1 in 2016, inspired us to go for Season - 2 in 2017. This series has become a shining example of Community Participation and Involvement.

The participation of the urban villages around IIMC Campus has shown a marked increase in our show ‘Apni Chaupal’. Our team did special programs on Jia Sarai and Muhammad Pur.

Apna Radio has been involving the Doctors of various government and private hospitals like Max, Fortis, Batra, BLK Super Specialty Hospital and Rajiv Gandhi Cancer Institute and Research Centre. The participation of the different departments of AIIMS, LNJP and Safdarjung Hospital in various health issues concerning the community demands a special admiration. The Department of Community Medicine of Safdarjung Hospital has been worth mentioning.

The highlights of the year 2017-18 include the observation of the World Sparrow Day, International Bio-diversity Day, International Environment Day, International Forest Day, International Yoga Day and National Science Day, International Day for Persons with Disability, Women's Day, Father's Day, Mother's Day and World Health Day.

Apna Radio Celebrated World Radio Day and Sh. K.G. Suresh, DG, IIMC and Mr. Pallav Bagla, Science Editor, NDTV were the special guests in our studio on February, 13, 2018

Kailash Satyarthi, Nobel Laureate, Baldev Bhai Sharma, Chairman NBT, Prof. Ramesh Kumar Pandey, Vice Chancellor Lal Bahadur Rashtriya Sanskrit Vidya Peeth, Sr. Journalists like Swapan Dasgupta, Harish Gupta, Jagdish Upasane, Rahul Dev, Umesh Upadhyay and Arnab Goswami visited Apna Radio this year.

We interviewed Ms. Ananda Himani, Research Scholar from Sweden, Prof. Melena from Sofia University, Bulgaria, Environmentalist Pankaj Sekhsaria, from Andman & Nicobar islands, Women Activist Lalitha Kumarmangalam former Chairperson, NCW, **Dr. Kalinga Seneviratne, Head of Research, Asian Media Information and Communication Centre, Singapore** and Dr. Manoj Pateria, Director, National Institute of Science Communication, **in our Apne Atithi Program.**

Radio Series 'Full on Nikki' a joint production of UNICEF and BBC Media Action on Adolescent Issues was serialized from October, 2017 to January, 2018.

Sh. Nishant M. Sharma, Head, Training and Assessment, Domestic Workers Sector Skill Council, was invited to enlighten the Domestic workers as to how they can transform their lives by acquiring new professional skills.

Banwari Lal and his musical group recorded Rajasthani and Bhojpuri Folk Songs in the studios of Apna Radio. The artists of this Band are working at different installations as Security Guards. Swarotkarsh, a musical band of visually impaired artists also recorded their songs with us. All these songs are being put on air in various programs of Apna Radio.

Some Schools and RWAs of the community have also been engaged with on different social issues.

COMMUNITY RADIO EMPOWERMENT & RESOURCE CENTRE:

IIMC has a dedicated 'Community Radio Empowerment & Resource Centre' set up two years back with the objective of imparting training in content, technology and resource generation to working and aspiring community radio professionals.

PHOTOGRAPHY

In view of the growing prominence of visual communication and for meeting requirements of the industry in this regard, the Institute has incorporated a module on Photo-journalism in all the courses being run by it. For imparting training in this field, the Institute has a fully equipped digital photo lab, besides having a

wide assortment of cameras, ranging from the vintage to the most modern digital SLRs. All the studios and classrooms are also equipped with an extensive range of training aids such as LCD projectors, Overhead Projectors, T.V. Monitors, L.C.D. screens, etc.

PRINTING PRESS

An automated printing press and graphics wing at the Institute provides facilities for graphic design, offset and silk-screen printing, besides imparting training in printing techniques and desktop printing to the students of the Institute.

The printing press is also equipped with processing and binding facilities. All question papers for the All-India Entrance Examination, all the End-Semester Examination question papers and most publications of IIMC are printed at the in-house printing press.

LIBRARY & PUBLICATIONS

IIMC LIBRARY

Library of IIMC was set up in 1965. The Institute has the largest specialized library in mass communication in the country.

Books and periodicals

Print resources in the library comprise published Indian and International collection about 40,000 volumes of Books and bound Journals on different aspects of mass communication and allied subjects such as Mass Media, broadcasting, Radio, television, advertising, Public Relations, Propaganda, communication, communication research, film, information technology and traditional media etc.

The Library subscribes to Indian and international over 83 Journals/ magazines and 34 Leading Newspapers. It has also been providing a newspaper-clipping service to its users, including complete record of news items and leading articles on Mass Communication published in various leading professional journals and periodicals. Library of IIMC has been offering access to the dynamic world of periodical literature on Mass Communication and allied subjects in both print and digital media.

Access to e-Resources

The latest version of Library software LIBSYS 7, On-line public access catalogue (OPAC) and Online Journals are available for Students, Research scholars and faculty of IIMC. They can access all the digital resources including subscribed databases, online periodicals, e-Books on the Internet and through the Libsys software version 7. The library is fully computerized and has automated its housekeeping and service operations through Libsys software version 7.

Library has also developed a state of the art Multimedia, Reference and Research section for students, faculty and research scholars.

Bibliographic Service

Subject bibliographies on topics relevant to the mass communication and related subject like broadcasting, mass media, radio ,television etc studies are provided online and also in print on demand.

Reference Service

Qualified professional staff members answer reference queries both online and offline.

IIMC JOURNALS

The English peer-reviewed academic journal “Communicator” (ISSN: 0588-8093) was relaunched by Hon’ble Union Minister of Information and Broadcasting Shri M. Venkaiah Naidu on January 17, 2017. Volume LI(3), October-December 2016 and Volume LII(1) January to March 2017 were published.

The Hindi peer-reviewed academic journal “Sanchar Madhyam” (ISSN: 2321-2608) was also relaunched as quarterly and all four issues of Volume 29 i.e. January-March, April-June, July-September, October-December 2017 issue were published. The January-March, April-June 2018 issues of Volume 30 are ready for the press and would be printed soon.

IIMC is also bringing out a Quarterly newsletter ‘IIMCian’ highlighting Institute’s activities across all Campuses.

The Publication Department of IIMC has been revamped and efforts are being taken for commissioning and publication of textbooks and reference books in the domain of media and communication under IIMC’s banner.

PLAN SCHEMES

The Plan Scheme ‘Upgradation of IIMC to International Standard’ was included in the 11th Five Year Plan and approval was accorded for a total amount of Rs.62.00 crores, out of which the Government grant support is pegged at Rs.51.50 crores. The proposals of the scheme include upgradation of IIMC i.e. construction of additional floors on the existing main building and lecture block at the IIMC Campus, New Delhi, construction of new buildings on the vacant land at the IIMC Campus, New Delhi and construction of new buildings at the IIMC Campus, Dhenkanal, as well as the starting of four new Regional Campuses of IIMC in the states of Maharashtra, Mizoram, Kerala and Jammu & Kashmir.

Construction of additional floors at the New Delhi Campus was completed in 2011. Construction of new buildings at Dhenkanal has been completed in December 2014. Construction of new buildings on the vacant plot at Delhi Campus is still pending due to non-clearance of the building plans by various civic authorities. At present clearance is awaited from Ridge Management Board, Govt. of NCT Delhi.

Two new Regional Campuses at Amravati and Aizawl became operational from August, 2011 while two more Regional Campuses at Jammu and Kottayam became operational from August, 2012. All four

new Regional Campuses are presently located in temporary premises provided by the respective State Governments / Universities free of cost.

The Plan Scheme 'Opening of New Regional Campuses of IIMC' was included in the 12th Five Year Plan and approved for an amount of Rs.94.00 crores, out of which the Government grant support is Rs.90.00 crores. Proposals under this scheme include construction of permanent campuses for the four new Regional Campuses of IIMC on land to be provided by the respective State Governments free of cost.

At Aizawl, around 8 ½ acres of land has been leased to IIMC free of cost by Mizoram Central University. IIMC had entered into MoU with CPWD for construction of buildings. Around 80% of the work has been completed and it is expected that the new campus will be ready by last quarter of 2018.

At Kottayam, Government of Kerala has allotted around 10 acres of land free of cost at village Pampady, Kottayam Distt. to IIMC for setting up its Regional Campus. IIMC has entered into an MoU with CPWD for construction of buildings at Kottayam as deposit work. Around 80% of the work has been completed and it is expected that the new campus will be ready by last quarter of 2018.

At Jammu around 15 acres of land was allotted free of cost to IIMC by State Government of J&K during 2016 at village Keran, Jammu. Pre-construction activities such as topographical survey, etc. has been done. The work for construction of permanent campus has been entrusted to CCW-AIR, Ministry of I&B as deposit work. Construction of boundary wall was started in January 2017 but it had to be stopped in August 2017 after progressing approximately 60% due to court cases filed by local residents claiming ownership of part of land allotted to IIMC. Two different writ petitions, one in the High Court and other in the Court of Chief Judicial Magistrate have been filed by local residents. IIMC is pursuing the case vigorously with Deputy Commissioner, SDM and Tehsildar for early resolution of the cases.

At Amravati, around 15 acres of land was allotted free of cost to IIMC by State Government of Maharashtra at Badnera near Amravati. IIMC has already appointed Consultant for preparing Project Report, preparation of structural drawings, bill of quantities, etc. The enabling works, viz. topographical survey of the land has been completed. MoU has been entered with CCW-AIR, Ministry of I&B for the construction. Meanwhile suggestions were made at various forums that Nagpur is more suitable for IIMC's Regional Campus. Nagpur has a number of English and Marathi newspapers published from the city and also has several television channels operating from there. The matter has been discussed at the level of Hon'ble MoS, Ministry of I&B, the then Hon'ble Minister for I&B and Hon'ble Chief Minister of Maharashtra. Addl. Secretary, Min. of I&B has taken up the matter with Govt. of Maharashtra and further communication is awaited from them.

SWACHH BHARAT MISSION

Action undertaken by the IIMC during the Swachh Bharat Mission during the year 2017-18. Under the scheme 'Shram Dan' (voluntary action), staff and students of IIMC took up cleanliness drive in and

around IIMC campus including the nearby localities particularly the lower income group areas. They also undertook awareness programmes in the area.

Special tree plantation drive to protect the environment was undertaken by the staff and students of IIMC.

Apna Radio, (Community Radio of IIMC) conducted the following programmes with the active participation of students:

- a) Apne Aas Paas, daily 1 hours live show of Apna Radio on Swachhta Abhiyan.
- b) Radio Symposium on Swachh Bharat
- c) Panel discussions on cleanliness at community level which involved women and youth.

Essay, slogan and blog writing competitions were organized for students.

Promotion of 'Swachh Bharat' was also be organized through IIMC's social media platforms and student blogs.

INTERNATIONAL YOGA DAY

The Additional Director General, IIMC Shri Manish Desai was present on International Yoga day event organized in IIMC on 21st June, 2017. A Yoga Session was organized on the day and IIMC staff, officer trainees joined enthusiastically. Since then, regular Yoga sessions are organized in the institute for the benefit of staff, faculty, officers trainees and students. A part time yoga teacher has also been engaged at IIMC.

WELLNESS CENTRE

Wellness Centre is functional at Delhi Campus where Allopathic, Ayurvedic and Homeopathic doctors visit from Monday to Saturday. A clinical psychologist also visits the Centre. The doctors also visit the Dhenkanal Campus while emergency medical facilities are made available at all campuses.

CITIZENS' CHARTER & GRIEVANCES REDRESSAL MECHANISM

The New Citizens' Charter has been prepared as per the new guidelines and placed on the IIMC Website. As per this, Citizens' Charter, any citizen can address and seek redressal of his/her grievance pertaining to the Institute. An officer from the Institute has been nominated as Public Grievance Officer. Grievances received are examined by the Institute and redressed with the approval of the Competent Authority. The address of the Grievance Officer of the IIMC is:-

Additional Director General
Indian Institute of Mass Communication
Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi – 110 067

Any person not satisfied with any service of IIMC, or aggrieved by any action of the Institute, may seek redressal of his/her grievances by addressing the Grievance officer. Every such person shall be entitled

to be informed about the action taken on his/her grievance within a period of 30 days from the date on which the complaint is received.

If any member of the Public/Institute desires to meet the Grievance Officer in connection with his/her Grievances, he/she can do so without any prior appointment on all working days between 3 to 4 p.m. in the office.

INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE

A six member Internal Complaints Committee has been set up in IIMC with one non-official member, as part of the Grievances Redressal mechanism in terms of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013.

Steps to spread awareness

A Seminar on sexual harassment in the workplace was organized.

A poster making competition on the issue was organized.

Posters on 'Zero Tolerance' have been displayed at all important areas in the campus and at all campuses of IIMC.

GRIEVANCES REDRESSAL CELL

There is a Grievances Redressal Cell in IIMC to address the grievances.

RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005

So far as Implementation of the Right to Information Act 2005 is concerned, Deputy Registrar IIMC has been nominated as CPIO, Additional Director General as the Appellate Authority and Director General as the Transparency Officer under the RTI Act.

CODE OF CONDUCT

IIMC is an institute of excellence in the field of professional media training and as such is required to ensure the highest standards of discipline and conduct to allow time bound and rigorous administration of professional courses in the field of media. Therefore, the Code of Conduct and disciplinary policies for the students of Indian Institute of Mass Communication have been formulated to provide a clear and transparent statement of the Institute's expectations from students in respect of academic matters and individual behavior. The Code of Conduct applies to all students of IIMC, New Delhi and its Regional Centres, in respect of all actions and activities relating to or impacting on the Institute or its students and employees. It is available on IIMC website.

DISCIPLINARY COMMITTEE

A disciplinary committee has been constituted at the Institute to deal with the matters pertaining to disciplinary cases involving students of IIMC.

SC/ST CELL

To safeguard the interests of the SC/ST category students and to deal with their complaints/grievances at both Delhi Campus and the Regional Campuses a separate SC/ST Cell has been created.

Annexure “A”

*Short Term &
Special Courses and Training*

The following courses organized by the IIMC from 1st April 2017 to 31st March 2018.

S. No	Dates	Name of the Course	Duration	Participants
1	June 5-30 2017	Photography & Videography for SSB	1 month	16
2	June 5-7, 2017	Workshop on Television Production, for student of Bangladesh Cinema & Television	3 days	5+15
3	July3-28, 2017	Videography Course for JCOs/NCOs (Junior Leaders)	4 Weeks	15
4	August 21-25, 2017	Course on Public Relations in Digital Era for DIPR Officers of Assam Government	1 Week	10
5	September 4-22, 2017	Course in Media Communication for Officers on Media & Staff Appts/PRO/Instructor	3Weeks	15
6	October 9-13, 2017	Media Communication Workshop for General Officers	1Week	15
7	November 6-17, 2017	Media Communication Course for Senior Officers(Brig/Col/Equiv)	2Weeks	14
8	20-24 November 2017	Public Relation Course for NDRF Officers	1 Week	10
9	27 November-1 December 2017	Public Relation Course for NDRF Officers	1 Week	10
10	December 4-15, 2017	Media Communication Course for Middle Level Officers (Maj/Lt Col/Equiv)	2Weeks	20
11	January 8-19, 2018	Media Communication Course for Senior Officers(Brig/Col/Equiv)	2Weeks	14
12	Jan 29- Feb2, 2018	Media Management Course for SSB Officers	1 Week	15
13	February 5-23, 2018	Course in Media Communication for Officers on Media & Staff Appts/PRO/Instructor	3Weeks	15

LukrdkRrj fMIykek ikB; de 2016&17 dh ijLdkj lph
Award list of PG Diploma Courses 2016-17

i=dkfjrk e LukrdkRrj fMIykek ikB; de ¼fgUnh½

de l[;k	ijLdkj dk uke	fo kFkh dk uke
	पी टी आई पुरस्कार	श्री प्राणेश तिवारी
	पं. बनारसी दास चतुर्वेदी पुरस्कार	श्री सुभाष गड़िया
	आई आई एम सी पुरस्कार	सुश्री मेधाविनी मोहन
	श्री अशोक जी पुरस्कार	सुश्री शताक्षी अस्थाना

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), New Delhi

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Mallika Bhagat
2.	The Hindu Award	Ms Archita Lahiri
3.	Deccan Herald Award	Ms Nikita Vashisht

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Dhenkanal campus (Odisha)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Khushboo Kumari Tiwari
2.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Mr Ngayapom Ragui
3.	NALCO Award	Ms Unique Pattnaik

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Aizawl campus (Mizoram)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Tanya Kaur

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Amravati campus (Maharashtra)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Chetna Borkar

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Jammu campus (Jammu & Kashmir)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Palak Gupta

Post-graduate Diploma Course in Journalism (English), Kottayam campus (Kerala)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
--------	---------------	-----------------

1.	IIMC Award	Mr Suviral Shukla
----	------------	-------------------

Post-graduate Diploma Course in Advertising and Public Relations

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
	Shri Achin Ganguly Memorial Award	Ms Varchasvi
	IIMC Award	Ms Apoorva Sood
	Shri Anil Basu Memorial Award	Ms Jayashree Basu
	PRSI Award	Ms Manasi Jain
	PSPRF Award	Ms Trina Dutta

Post-graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
	IIMC Award	Ms Shreya Baldwa
	ZEE TV Award	Ms Raghvika Kohli
	TV Today Award	Mr Abhik Deb
	CNN Award	Mr Sagar Choudhary
	ZEE TV Award	Ms Akanksha Parashar
	Prasar Bharati Award	Ms Gaura Naithani
	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Mr Aman Sinhmar

Post-graduate Diploma Course in Odia Journalism, Dhenkanal campus (Odisha)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Sukanya Jena
2.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Ms Truptimayee Das
3.	Dr Harekrushna Mahtab Memorial Award	Ms Priyadarsini Sahoo

Post-graduate Diploma Course in Urdu Journalism, New Delhi

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Ms Huma Nasreen

APPENDIX 'C'

THE FACULTY

New Delhi

Director General

Shri K.G. Suresh

Additional Director General

Shri Manish Desai

Professors

1.	Shri Vijay Parmar	Oral and Visual Communication
2.	Dr. Gita Bamezai	Communication Research
3.	Dr H K Joshi	Hindi Journalism
4.	Shri Mukul Sharma	Development Journalism

Associate Professors

1.	Shri Shivaji Sarkar (Retired on 31.3.2018)	English Journalism
2.	Dr. Anand Pradhan	Feature Communication/Writing
3.	Dr. Sunetra Sen Narayan	Publications
4.	Ms. Shashwati Goswami	Radio Journalism
5.	Dr Anubhuti Yadav	New Media
6.	Dr Surbhi Dahiya	English Journalism

Assistant Professor

1.	Ms. Rinku Pegu	Indian Information Service
----	----------------	----------------------------

Dhenkanal Campus

Professor

1.	Dr Mrinal Chatterjee	Communication
----	----------------------	---------------

वार्षिक लेखा
ANNUAL ACCOUNTS
2017-18

एस के मिश्रा और गुजराती सनदी लेखाकार

प्रबंध टिप्पवणियों सहित स्वकतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्य
भारतीय जनसंचार संस्थान

वित्तीय विवरण संबंधी रिपोर्ट

हमने भारतीय जन संचार संस्थान ("संस्थान") के सहवित्तीय विवरणों जिनमें, 31 मार्च, 2018 तक का तुलन-पत्र (बैलेंस शीट), उस दौरान समाप्त हुई अवधि के आय और व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी शामिल हैं, की लेखा-परीक्षा की है।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधकीय दायित्व

संस्थान का प्रबंधन तंत्र इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है जोकि भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखांकन पद्धतियों के अनुरूप संस्थान की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन, नगद- प्रवाह की सही और स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है। इस दायित्व में संस्थान की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, प्रबंधनाओं तथा अन्य अनियमिताओं का पता लगाने और उन्हें रोकने हेतु अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्डों को बनाए रखना; गलत विवरणों, चाहे वह त्रुटि अथवा कपट के कारण हो, से मुक्त सही और निष्पक्ष विवरण प्रदान करने वाले वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने के संबंध में लेखांकन अभिलेखों की पूर्ति और शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी रूप से कार्यात्मक उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग, तर्कसंगत तथा विवेकपूर्ण अनुमान लगाना तथा निर्णय लेना और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का निर्माण, कार्यान्वयन, रखरखाव भी शामिल है।

लेखा परीक्षक का दायित्व

हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय प्रकट करना है।

हमने अधिनियम के प्रावधानों, अधिनियम तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमावली के प्रावधानों के अंतर्गत लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल किए जाने हेतु अपेक्षित लेखांकन और लेखा-परीक्षा मानकों और मामलों को ध्यान में रखा है।

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप अपनी लेखा-परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षा की गई है कि हम सैद्धांतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करें और क्या वित्तीय विवरण वस्तुगत मिथ्या कथन से मुक्त है, इस संबंध उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने हेतु लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन करें।

किसी लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरण में दिए गए प्रकटीकरण और राशि के बारे में लेखा-परीक्षा तथ्य प्राप्त करने संबंधी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। चुनी गई प्रक्रियाएं वित्तीय विवरणों के वस्तुगत मिथ्या कथनों, चाहे वह कपट अथवा त्रुटि के कारण हों, के जोखिमों के आकलन सहित लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं। इन जोखिमों का आकलन करते समय, लेखा परीक्षक लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का निर्माण करने के लिए संस्थान के वित्तीय विवरण, जो कि सही और निष्पक्ष जानकारी देता है, को तैयार करने की प्रक्रियाओं से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की परिस्थितियों के अनुरूप उपयुक्तता पर विचार करता है न कि क्या संस्थान ने वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में पर्याप्त वित्तीय नियंत्रण स्थापित किया है तथा ऐसे नियंत्रणों की प्रभावशीलता के बारे में यह राय प्रकट करने के प्रयोजनार्थ किया जाता है। लेखा परीक्षा में उपयोग में लाई गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का आकलन और संस्थान के निदेशक द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता के साथ-साथ वित्तीय विवरण के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है।

हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए लेखा-परीक्षा तथ्य एकल वित्तीय विवरणों पर हमारे लेखा-परीक्षा मत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

मत पृष्ठ हेतु आधार

लेखा परीक्षा टिप्पणी	प्रबंधन का उत्तर	प्रबंधन के उत्तर पर लेखा परीक्षक की टिप्पणी
1. सकल निधि पर आस्तियां रिकॉर्ड की गईं और प्राप्त अनुदान से आस्तियों की खरीद पर कोई मूल्यहास रिकॉर्ड नहीं किया गया	जैसा कि चर्चा की गई है इस संबंध में मंत्रालय को पत्र लिखा गया है कि सरकारी आस्तियों पर मूल्यहास प्रभारित किया जाना चाहिए अथवा नहीं।	मंत्रालय को लिखा गया पत्र भेजा जाना है। तथापि मंत्रालय की राय और उस पर की गई कार्रवाई की समीक्षा हेतु अगली लेखा-परीक्षा तक अवलोकन जारी रखा जा सकता है।

2.	पिछली लेखा परीक्षा रिपोर्टों के अनपालन में, अचल आस्तियों को बाहरी एजेंसी के माध्यम से सत्यापित किया गया था परन्तु लेखा परीक्षा के समय रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी इसलिए हम इस मुद्दे पर टिप्पणी नहीं कर सकते।	सीए फर्म द्वारा एफए सत्यापन रिपोर्ट अभी प्रस्तुत की जानी है और हम इस संबंध में लगातार सम्पर्क में हैं।	क्योंकि हम रिपोर्ट देख पाने में असमर्थ हैं यह अवलोकन जारी रखा जा सकता है।
3.	पुस्तकालय पुस्तक सत्यापन रिपोर्ट केवल मात्रात्मक हैं इसलिए हम तालन पत्र में दर्शायी गए पुस्तकों के मूल्य की सत्यता के बारे में कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। तथापि, संचार और सहयोग की कमी के कारण पुस्तकालय जांच रिपोर्ट पर प्रबंधन की टिप्पणियां प्राप्त नहीं हुईं	पुस्तकों के सत्यापन में वस्तुओं के मूल्य दर्शाये नहीं जाते।	प्रबंधन का उत्तर उपयुक्त नहीं है। उत्तर में हमारे प्रसंग पर ध्यान नहीं दिया गया। यह परामर्श दिया जाता है कि सत्यापन प्रणाली और रिपोर्ट में पुस्तकों के मूल्य शामिल करने की समीक्षा की जाये ताकि इसकी वित्तीय विवरणों में जांच की जा सके।
4	अचल आस्तियों की खरीद को खरीद की वास्तविक तारीख के स्थान पर वर्ष की समाप्ति पर रिकार्ड किया जाता है, जो कि एक सही पद्धति नहीं है।	एफए की खरीद को खरीद के समय रिकार्ड किया जाता है। चूंकि संस्थान को कोष सृजित करने की आवश्यकता होती है तदनुसार वर्ष की समाप्ति पर कोष निधि बढ़ाने के लिए प्रविष्टि की गई।	आस्तियों की खरीद के संबंध में लेखांकन प्रक्रिया को समीक्षा करने का सुझाव दिया जाता है।
5.	वसूली योग्य टीडीएस एक काफी लम्बे समय से पुस्तकों में यथास्थिति है, जिस पर वसूली/मामले की सही और स्पष्ट स्थिति के लिए वसूली नहीं करने योग्य जो भी हो, उपयुक्त कार्रवाई की जानी चाहिए	टीडीएस मदों का समायोजन प्रक्रियाधीन है जिसमें वर्ष 2010 से पहले की अवधि को भी समायोजित किए जाने की आवश्यकता है।	इस प्रकार के पुराने बकाया अतिशेष के समायोजन हेतु कार्रवाई की जानी चाहिए। की गई कार्रवाई और अनुपालन की समीक्षा हेतु अगली लेखा परीक्षा तक पर्यवेक्षण को जारी रखा जा सकता है।
6.	विद्यार्थी कल्याण कोष के रूप में विद्यार्थियों से ली गई फीस एक अप्रतिदेय फीस है जिसे आय और व्यय खाते में आय के रूप में दर्शाना जाना चाहिए न कि इसे तालन पत्र में कोष के रूप में दर्शाना चाहिए।	विद्यार्थी कल्याण कोष केवल एक कोष है और संस्थान की आय नहीं है। इस खाते में प्राप्त की गई राशि को विद्यार्थियों के कल्याण के प्रयोजनार्थ वर्ष दर वर्ष आगे जमा किया जाता है। इस खाते पर किया गया व्यय किसी वर्ष विशेष में संकलन से कम अथवा संकलन से अधिक हो सकता है।	हमारे बिन्दु पर सही प्रकार से ध्यान नहीं दिया गया। यह परामर्श है कि इस विषय पर राय प्राप्त करें। तथापि अगले विचार-विमर्श तक पर्यवेक्षण को जारी रखा जा सकता है।

7.	पुस्तकालय अध्यक्ष, रोकड़िया और लेखाओं के द्वारा बनाए गए रजिस्ट्रों में पुस्तकालय सुरक्षा जमा से संबंधित अभिलेखों में विसंगति पाई गई। तत्काल समायोजन किये जाने की आवश्यकता है और इसकी सूचना आंतरिक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में दी जानी चाहिए।	पुस्तकालय कर्मियों को लेखा विभाग के साथ आंकड़ें समायोजित करने के निर्देश दिए जा सकते हैं। तथापि समायोजन को यथासमय किया जाएगा।	हमारे बिन्दुओं पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया है। अगले स्पष्टीकरण और इस मामले में की गई कार्रवाई हेतु पर्यवेक्षण जारी रखा जा सकता है।
8.	वर्ष के दौरान, यह पाया गया कि वर्ष 2008 से पहले सेवानिवृत्त हुए तीन कर्मचारियों को उनके बकायों का भुगतान नहीं किया और इसे तुलन पत्र में देयताओं के रूप में नहीं दर्शाया गया। तथापि, कोष को एफडी के रूप में रखा गया। संस्थान की इन देयताओं के कारण कम बताया गया।	वर्ष 2017-18 के दौरान वार्षिक लेखाओं को अंतिम रूप दिये जाने के समय देयताओं और जमा राशियों को ध्यान में रखा गया है। इसलिए पैरा को हटाया जा सकता है।	कार्रवाई की गई है इसलिए पैरा बंद कर दिया गया।

मत का अवधारण

हमारे मत में और हमारे प्राप्त जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त पैराग्राफ मत अवधारण का आधार में वर्णित विषय के संभावित प्रभावों के अतिरिक्त अनुमोदित वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित जानकारी को यथा अपेक्षित रीति में उपलब्ध कराता है और भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष जानकारी प्रदान करता है।

- तुलन पत्र के मामले में 31 मार्च, 2018 को संस्था के मामलों की स्थिति;
 - आय और व्यय खाते के संबंध में, अंत तिथि की समाप्ति पर व्यय की तुलना में आय की अधिकता;
- अन्य विधिक और विनियामक उपयोगों पर रिपोर्ट हमने पाया कि :

- हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा-परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।
- उपर्युक्त दिए गए मत पैरा के महत्व के आधार पर उल्लिखित मामले के संभावित प्रभाव को छोड़कर हमारे मत में संस्थान में कानून द्वारा अपेक्षित लेखा बहियां सही तरीके से रखी गई हैं। यह उनकी जांच से पता चलता है।

- (ग) इस रिपोर्ट के साथ उल्लिखित तुलन-पत्र और आय एवं व्यय विवरण पुस्तकालय सुरक्षा रजिस्टर, पुस्तकालय रजिस्टर और छात्र शुल्क रजिस्टर को छोड़कर शाखाओं की खाता बही और लेखाओं के अनुरूप है।
- (घ) हमारे मत में, तुलन-पत्र, आय और व्यय विवरण तथा प्राप्ति और भुगतान लेखांकन मानकों के अनुरूप हैं।
- (ङ.) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों के संचालन की प्रभावकारिता के संबंध में **अनुलग्नक "क"** में प्रस्तुत हमारी पृथक रिपोर्ट का अवलोकन करें।

एसके मिश्रा एंड गुजराती
सनदी लेखाकार

पंजीकरण संख्या : 001978सी

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25.09.2018

भारतीय जन संचार संस्थान के एकल वित्तीय विवरणों पर इसी तारीख के निष्पक्ष लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक क

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए एकल वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा-परीक्षा के संयोजन में उस तारीख पर भारतीय जन संचार संस्थान की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा-परीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियां

संस्थान का प्रबंधन भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (इंस्टीच्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा-परीक्षा संबंधी मार्गदर्शी टिप्पणी में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए संस्थान द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को स्थापित और अनुरक्षित करने के लिए उत्तरदायी है। इन जिम्मेदारियों में संस्थान की नीतियों का अनुपालन करने, उसकी परिसंपत्तियों का रक्षण करने, धोखाधड़ी और चूकों का पता लगाने, लेखा रिकॉर्डों की सटीकता और पूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय सूचना को समय से तैयार करने सहित डिजाइन, उन पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का कार्यान्वयन और अनुरक्षण करना है जो इसके कार्य के सुव्यवस्थित और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से कार्य करते हैं।

लेखा-परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर संस्थान के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर मत प्रकट करना है। हमने अपनी लेखा-परीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग ("मार्गदर्शी टिप्पणी") पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा-परीक्षा संबंधी मार्गदर्शी टिप्पणी तथा आईसीएआई द्वारा जारी और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित लेखा-परीक्षा संबंधी मानकों के अनुसार की है, दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा-परीक्षा पर लागू होंगे और दोनों ही भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए हों। उन मानकों और उस मार्गदर्शी टिप्पणी से अपेक्षित होता है कि हम नीतिपरक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और लेखा-परीक्षा की योजना और निष्पादन करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और कायम थे और क्या ऐसे नियंत्रण सभी महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य में प्रभावी रूप में कार्य कर रहे थे।

हमारी लेखा-परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक लेखा प्रणाली की पर्याप्तता और उनकी प्रचालन प्रभावकारिता के संबंध में लेखा-परीक्षा प्रमाण प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं करना शामिल है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखा-परीक्षा

में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को समझना, इस जोखिम का मूल्यांकन करना कि कोई आवश्यक त्रुटि मौजूद है तथा डिजाइन का परीक्षण और मूल्यांकन और मूल्यांकित जोखिम पर आधारित आंतरिक नियंत्रण शामिल है। चयनित प्रक्रियाएं लेखा-परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं जिसमें वित्तीय विवरणों के तथ्यगत संबंधी गलत विवरणों का मूल्यांकन करना शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हुआ हो या चूक के कारण।

हमारा विश्वास है कि हमने जो लेखा-परीक्षा प्रमाण प्राप्त किया है वह वित्तीय रिपोर्टिंग पर संस्थान के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारे लेखा-परीक्षा मत के लिए एक आधार उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक संस्थान की वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीय और आमतौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाह्य उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई एक प्रक्रिया है। संस्थान की वित्तीय रिपोर्टिंग की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में निम्नलिखित नीतियां और प्रक्रियाएं में शामिल हैं :

- (1) संस्थान की परिसंपत्तियों के लेनदेन और प्रबंधन का उचित जानकारी सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाने वाले रिकॉर्ड्स के रखरखाव से संबंधित है;
- (2) उचित आश्वासन देना कि संस्थान की प्राप्तियां और व्यय केवल संस्थान के प्रबंधन और निदेशकों के अधिकारों के अनुरूप किए जा रहे हैं और आमतौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी करने के लिए लेनदेन आवश्यक हैं; और
- (3) संस्थान की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम और समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन देना जिससे वित्तीय विवरणों पर तथ्यगत प्रभाव पड़ सकता है।

वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की मूलभूत सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की मूलभूत सीमाओं के कारण जिसमें मिलीभगत की संभावना अथवा नियंत्रणों पर प्रबंधन की अनुचित अनदेखी त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण तथ्यगत गलत विवरण उत्पन्न हो सकते हैं और इनका पता नहीं लगाया जा सकता है, शामिल हैं। साथ ही भविष्य में वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन के अनुमान उन जोखिमों के अधीन होते हैं जिसके कारण परिस्थितियों में बदलाव के चलते वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण

अपर्याप्त हो जाता है अथवा नीतियाँ या प्रक्रियाओं के अनुपालन की सीमा विकृत हो सकती है।

मत का अस्वीकरण

हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार संस्थान द्वारा मानदंड के आधार पर अथवा भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा-परीक्षा पर मार्गदर्शी नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण संबंधी अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए अपनी आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली को स्थापित नहीं किया गया है। इस कारण से हम मत के लिए पर्याप्त रूप से समुचित लेखा-परीक्षा प्रमाण प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं कि क्या संस्थान का वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण रहा है और क्या 31 मार्च, 2018 के अनुसार ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावी रूप से कार्य कर रहे थे।

हमारे द्वारा संस्थान की एकल वित्तीय विवरण की हमारी लेखा-परीक्षा में प्रयुक्त लेखा-परीक्षा की प्रकृति लेन-देन की मात्रा, वास्तविकता, समय और सीमा निर्धारित करने के संबंध में ऊपर दिए गए अस्वीकरण पर विचार किया गया है और यह अस्वीकरण संस्थान की एकल वित्तीय विवरणों के संबंध में हमारे मत को प्रभावित नहीं करते हैं।

**एसके मिश्रा एंड गुजराती
सनदी लेखाकार**

पंजीकरण संख्या : 001978सी

**स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25.09.2018**

SK MISRA & GUJRATI

Chartered Accountants

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT ALONG WITH THE MANAGEMENT COMMENTS

TO
THE MEMBERS
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

Report on the Financial Statements

We have audited the accompanying financial statements of **Indian Institute of Mass Communication ("The Institute")** which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2018, the Statement of Income and Expenditure account, for the period then ended, and a summary of the significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management of the Institute is responsible for preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Institute in accordance with the accounting principles generally accepted in India. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Institute and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these Financial statements based on our audit.

We have taken into account the provisions of the Act, the accounting and auditing standards and matters which are required to be included in the audit report under the provisions of the Act and the Rules made there under.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial controls relevant to the Institute's preparation of the financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on whether the Institute has in place an adequate internal financial controls system over financial reporting and the operating effectiveness of such controls. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Institute's Directors, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the standalone financial statements.

Basis for Emphasis of Opinion

	Audit observation	<u>MANAGEMENT REPLY</u>	Auditors comment on management reply
1.	Assets are recorded on gross value and no depreciation is recorded on assets procured from grant received.	As Discussed a letter has been written to Ministry for Clarification whether depreciation should be charge on the government assets or not.	Letter written is to be sent to ministry. However the observation may be kept open till next audit to review the opinion of ministry and action taken thereon.
2.	In compliance to previous audit reports, Fixed Assets were verified through external agency but the report was not available at the time of audit so we cannot comment on this issue.	Verification of FA report is yet to be submitted by the CA firm and we are in constant touch for the same.	Observation may be kept open as we are not able to view the report.

3.	Library books verification report is quantitative only so we cannot comment on the correctness of value shown of library books in the balance sheet. However, comments of management on library verification report was not available due to lack of coordination and communication.	The rates of article are not shown in the verification of Books.	Reply of management is not appropriate. Our concern has not been addressed in the reply. It is suggested to review the system of verification and bringing the value of books in reports so that same may be verified in financial statements also.
4.	Procurement of fixed assets are recorded once at the year-end instead of actual date of purchase which is not a correct practice.	Procurement of FA is recorded at the time of purchase. Since the Institute requires create corpus accordingly entry is made to increase the corpus fund at the end of the year.	It is suggested to review the accounting procedure in case of procurement of assets.
5.	TDS recoverable lying in the books for a long time on which appropriate action should be taken either for recovery/write off if not recoverable in order to exhibit true and correct state of affairs.	Reconciliation of the TDS items is under process which is required to be reconciled even for the prior to period 2010.	Actions should be taken to Reconcile such old outstanding balances. The observation may be kept open till next order to review the action taken and compliances.
6.	Fees charged from students on account of students welfare fund is a nonrefundable fee which should be taken as income in the income and expenditure account rather than showing the same in balance sheet as fund.	Student welfare fund is a fund only and not income of the institute. The amount received in this account is carried forward from year to year for the purpose of the welfare of the student. The expenditure on this account may be less than the collection or more than in collection in a particular year.	Our concern has not been addressed the properly. It is suggested to obtain opinion on this issue. However observation may be kept open for further deliberations.

7.	Mismatch observed in the records related to library security deposit in the registers maintained with Librarian, Cashier and Accounts. Reconciliation needs to be done urgently and should be reported in internal auditors report.	Library persons may be instructed to reconcile the figure with the accounts department. However the same will be reconciling in the due course.	Our concern has not been addressed properly. The observation be kept open for further clarification and action taken on this issue
8.	During the year it was observed that three employees who were retired prior to 2008, but not paid their dues and the same was not shown as liabilities in balance sheet. However, fund was kept as FD. Due to this liabilities of the institute for understated.	During the year 2017-18, the liability and deposits has been considered in the finalization of annual accounts. So para may please drop.	Action has been taken hence para closed.

Emphasis of Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the possible effects of the matter described in the Basis of Emphasis of Opinion paragraph above, the approved financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

- i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the society as at 31 March 2018;
- ii) In the case of the Income and Expenditure Account, of the excess of the income over expenditure for the ended on that date;

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

We report that:

- (a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

- (b) Except for the possible effects of the matter described on the basis of the emphasis of opinion paragraph above, in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Institute so far as it appears from our examination of those books
- (c) The Balance Sheet and the Income and Expenditure account a dealt with by this Report are in agreement with the books of account and with the accounts of the branches except for the Library security register; Library register and student fees register.
- (d) In our opinion, the Balance Sheet, the statement of Income and Expenditure account and the Receipts and Payments comply with the Accounting Standards.
- (e) With respect to the adequacy of the internal financial controls over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate Report in "**Annexure A**"

For **S.K MISRA & GUJRATI**
Chartered Accountants
FRN:001978C

Place: New Delhi
Date : 25-09-2018

Shruti Vij
(Partner)
M. No.: 528958

ANNEXURE A TO THE INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT OF EVEN DATE ON THE STANDALONE FINANCIAL STATEMENTS OF INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

Report on the Internal Financial Controls

We have audited the internal financial controls over financial reporting of **INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION** as of March 31, 2018 in conjunction with our audit of the standalone financial statements of the Institute for the year ended on that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The Institute's management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Institute considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India. The responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Institute's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Institute's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting (the "Guidance Note") and the Standards on Auditing, issued by ICAI and deemed to be prescribed under section 143(10) of the Companies Act, 2013, to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both applicable to an audit of Internal Financial Controls and, both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and the Guidance Note require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material respects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether

due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Institute's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls over Financial Reporting

An Institute's internal financial control over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A Institute's internal financial control over financial reporting includes those policies and procedures that

- (1) Pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the Institute;
- (2) Provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit Preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the Institute are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the Institute; and
- (3) Provide reasonable assurance regarding prevention and timely detection of Unauthorized acquisition, use, or disposition of the Institute's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial control over financial reporting may become in adequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

Disclaimer of Opinion

According to the information and explanation given to us, the Institute has established its internal financial control over financial reporting on criteria based on or considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of

Internal Financial Controls over financial reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India. We wearable to obtain sufficient appropriate audit evidence to provide a basis for our opinion whether the Institute had adequate internal financial controls over financial reporting and whether such internal financial controls were operating effectively as at March 31, 2018.

We have considered the disclaimer reported above in determining the nature, volume of transactions, materiality, timing, and extent of audit test applied in our audit of the standalone financial statement of the Institute and the disclaimer does not effect our opinion on the standalone financial statements of the Institute.

Place: New Delhi
Date: 25-09-2018

For S.K MISRA & GUJRATI
Chartered Accountants
FRN: 001978C

Shruti Vij
(Partner)
M.No.: 528958

भारतीय जन संचार संस्थान		Indian Institute of Mass Communication		
31.03.2018 का तुलनपत्र		BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		
		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)		
समग्र/पूँजीगत निधि एवं देयताएँ CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	
समग्र/पूँजीगत निधि				
CORPUS/CAPITAL FUND	1	83,37,94,691.00	75,45,91,776.00	
आरक्षित एवं अविशेष				
RESERVE AND SURPLUS	2	-	-	
उद्दिष्ट/अक्षय निधि				
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	3	6,58,09,312.00	9,61,98,532.00	
सुरक्षित कर्ज एवं उधार				
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-	
असुरक्षित कर्ज एवं उधार				
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-	
आस्थगित जमा देयताएँ				
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	-	-	
चालू देयताएँ एवं प्रावधान				
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	2,83,50,477.00	1,84,40,455.00	
कुल				
TOTAL		92,79,54,479.00	86,92,30,765.00	
परिसम्पत्तियाँ ASSETS				
स्थायी परिसम्पत्तियाँ				
FIXED ASSETS	8	83,28,46,369.00	75,36,43,455.00	
निवेश-उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश				
INVESTMENT-FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	15,62,713.00	15,62,713.00	
(अग्रणीत) (Carried over)				

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 का तुलनपत्र Indian Institute of Mass Communication BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)		
परिसम्पत्तियाँ ASSETS	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	
निवेश-अन्य INVESTMENT-OTHERS				
चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज, अग्रिम इत्यादि (अग्रणीत) (Brought forward)	10	46,12,154.00	-	
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC	11	8,89,33,242.00	11,40,24,597.00	
विविध खर्च MISCELLANEOUS EXPENDITURE		-	-	
(बढ़ते खाते में न डाली गई या समायोजित) (To the extent not written off or adjusted)				
कुल TOTAL		92,79,54,479.00	86,92,30,765.00	
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	25	-	-	
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	26			
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सन्दी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shrutvi Viji) भगीदार Partner M.NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018				
हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General हस्ताक्षर/- किरण सिंह Sd/- Kiran Singh उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)				

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 तक आय और व्यय लेखा (वैर-योजना)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018 (Non-plan)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

आय	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
INCOME			
विक्रय एवं सेवाओं से आय			
INCOME FROM SALES/SERVICES	12	1,67,06,314.00	1,54,35,877.00
अनुदान/आर्थिक सहायता			
GRANTS/SUBSIDIES	13	9,19,26,000.00	18,82,90,570.00
शुल्क/अभिदान			
COURSE FEES/SUBSCRIPTION	14	2,73,26,830.00	2,51,44,626.00
निवेशों से आय (उद्दिष्ट अ.भ.नि. को छोड़कर अक्षय निधि से निवेश पर आय)	15	-	-
INCOME FROM INVESTMENTS (from earmarked/endowment funds)			
रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय			
INCOME FROM SALE OF APPLICATION FORM & PUBLICATION ETC.	16	78,65,926.00	56,90,224.00
प्राप्त व्याज			
INTEREST EARNED	17	38,22,719.00	33,09,701.00
अन्य आय (शुद्ध अं.भ.नि. आय)			
OTHER INCOME	18	-	-
तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/(कमी)			
INCREASE/(DECREASE) IN FINISHED GOODS AND WIP	19	-	-
कुल (क)			
TOTAL (A)		14,76,47,788.00	23,78,70,998.00
व्यय			
EXPENDITURE			
स्थापना खर्च			
ESTABLISHMENT EXPENSES	20	12,07,54,296.00	9,91,69,861.00
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि			
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21	6,45,12,615.00	5,96,95,681.00
अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर खर्च			
EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC	22	-	-
INTEREST	23	-	-

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को आय और व्यय लेखा (गैर-योजना)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018 (Non-Plan)

(राशि रुपये) / (Amount-Rs.)

	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	गत वर्ष Previous Year
मूल्यांकन (वर्ष के अंत में शुद्ध जोड़- तालिका 8 के अनुसार) DEPRECIATION (Net total at the year end-corresponding to schedule 8)	(अग्रनीत) (Brought forward)	-	-
कुल (ख) TOTAL (B)		18,52,66,911.00	15,88,65,542.00
शेष व्यय से आय की अधिकता होने पर (ग) EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE (C)		(3,76,19,123.00)	7,90,05,456.00
विशेष PRIOR PERIOD ITEMS	24	-	-
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक स्पष्ट करें) TRANSFER TO SPECIAL RESERVE (specify each)		-	-
समान्य रिजर्व से/को स्थानांतरण TRANSFER TO/FROM GENERAL RESERVE		-	-
समग्र/पूजीगत निधि में लाया गया पूजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		27,18,088.00	30,92,390.00
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (गैर-योजना) UNSPENT BALANCE OF GRANT-IN-AID (NON-PLAN)		(4,03,37,211.00)	7,59,13,066.00
समग्र/पूजीगत निधि में डाली गई अ.प्र.नि के तौर पर शेष BALANCE BEING CPF INCOME CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND			
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	25		
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा दिष्टियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	26		

कृते एस के मिश्रा और गुजराती
For S K MISRA & GUJRATI

समर्थ लेखाकार
Chartered Accountants

FRN-001978C

हस्ताक्षर/-
(श्रुति विज)

Sd/-

(Shruti Viji)

भागीदार
Partner

M. NO - 528958

स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi

तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018

हस्ताक्षर/-
के.जी. सुरेश

Sd/-

K.G. Suresh

महानिदेशक
Director General

हस्ताक्षर/-
मनीष देसाई

Sd/-

Manish Desai

अतिरिक्त महानिदेशक
Addl. Director General

हस्ताक्षर/-
किरण सिंह

Sd/-

Kiran Singh

उप कुलसचिव
Assistant Registrar

(DDO)

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को समाप्त अवधि का आय और व्यय लेखा(योजना)		Indian Institute of Mass Communication INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018 (Plan)		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)
आय/INCOME	तालिका Schedule	वर्तमान वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	
अनुदान/आर्थिक सहायता GRANTS/SUBSIDIES	13	10,94,50,000.00	14,36,00,000.00	
निविदाओं की बिक्री से आय INCOME FROM SALE OF TENDERS		-	-	
योजना के तहत कोई आय ANY OTHER INCOME UNDER PLAN	13	70,24,753.00	34,78,576.00	
कुल (क) TOTAL (A)		11,64,74,753.00	14,70,78,576.00	
व्यय/EXPENDITURE				
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21 A	1,68,95,597.00	1,36,54,453.00	
समग्र/पूर्वगत निधि में लाया गया पूर्णगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND	21 A	8,97,93,533.00	12,45,68,185.00	
कुल (ख) TOTAL (B)		10,66,89,130.00	13,82,22,638.00	
अनुदान सहायता (योजना) का अप्रयुक्त शेष (क-ख) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Plan) (A-B)		97,85,623.00	88,55,938.00	
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (वृत्ति विज) Sd/- (Shruti Vij) भागीदार Partner M.NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018				
हस्ताक्षर/- के.जी. सुरेश Sd/- K.G. Suresh महानिदेशक Director General				
हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General				
हस्ताक्षर/- किरण सिंह Sd/- Kiran Singh उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)				

भारतीय जन संचार संस्थान		Indian Institute of Mass Communication	
31.03.2018 को समाप्त अवधि का आय और व्यय लेखा (योजना)		INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018 (NCOE)	
		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
आय/INCOME	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
अनुदान/अधिक सहायता/पिछले साल से प्रारंभिक शेष GRANTS/SUBSIDIES/OPENING BALANCE FROM PREVIOUS YEAR		29,66,666.00	39,00,000.00
निविदाओं की बिक्री से आय INCOME FROM SALE OF TENDERS		-	-
योजना के तहत कोई आय ANY OTHER INCOME UNDER PLAN		88,983.00	-
कुल (क) TOTAL (A)		30,55,649.00	39,00,000.00
व्यय/EXPENDITURE			
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC		18,06,540.00	9,33,334.00
समग्र/पूँजीगत निधि में लाया गया पूँजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		1,55,906.00	-
कुल (ख) TOTAL (B)		19,62,446.00	9,33,334.00
अनुदान सहायता (योजना) का अप्रयुक्त शेष (क-ख) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Plan) (A-B)		10,93,204.00	29,66,666.00
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI संनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भगीदार Partner M.NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018 हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महादेशक Addl. Director General हस्ताक्षर/- किरण सिंह Sd/- Kiran Singh उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)			

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2018

प्राप्ति RECEIPTS YEAR	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS YEAR	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष					
I. OPENING BALANCES					
क) नकद					
a) Cash in Hand	65,447.00	91,858.00	क) स्थापना खर्च	2,96,34,115.00	2,05,79,394.00
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक खर्च		
b) Bank Balances			b) Administrative Expenses	3,03,02,673.00	3,21,47,577.00
1) चालू खाते में			ग) वेतन के अलावा स्त्रोल पर आयकर		
I) In Current Accounts	-	-	c) TDS other than salary	-	8,45,852.00
2) संवधि जमा खाते में			घ) विविध व्यय		
II) In Deposits Accounts	-	-	d) Sundry Payable		-
3) बचत खाते में			ड.) अन्य खर्चे		
III) Saving Accounts	5,59,38,791.00	2,01,21,839.00	e) Other Expense	42,27,547.00	29,67,846.00
ग) डाक टिकट			2. समान्य योजना के तहत व्यय		
c) Postage Stamps	-	-	II. EXPENDITURE UNDER PLAN		
2. प्राप्त अनुदान			क) सामान्य योजना		
II. GRANTS RECEIVED			a) Plan General	67,54,971.00	60,47,240.00
क) भारत सरकार से (गैर-योजना)			ख) संपत्ति की निर्माण योजना		
a) From GOI (Non-Plan)	9,19,26,000.00	13,04,90,570.00	b) Plan Creation of Assets	8,94,19,652.00	12,37,37,436.00
सरकार से (योजना)			ग) एनसीओई		
From Government (Plan)	10,94,50,000.00	14,36,00,000.00	c) NCOE	19,62,446.00	8,63,334.00
ख) राज्य सरकारों से			3. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के लिए निधियों से किया गया खर्च		
b) From State Government	-	-	III. PAYMENTS MADE UNDER PROJECTS & SHORT COURSES		
ग) अन्य स्रोतों से			क) परियोजना		
c) From other Sources	-	-	a) Projects	14,39,449.00	5,16,388.00
3. निवेश से आय			ख) लघु पाठ्यक्रम		
III. INCOME ON INVESTMENTS FROM			b) Short Courses	62,93,130.00	60,97,079.00
क) समग्र/पूँजीगत निधियों से					
a) Earmarked/Endow Funds	1,06,176.00	-			
ख) निजी निधियों से					
b) Own Funds	-	-			

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2018

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
4. प्राप्त व्यय			4. निवेश और जमा		
IV. INTEREST RECEIVED		(अग्रानीति) (Brought forward)	IV. INVESTMENTS AND DEPOSITS MADE		
क) बैंक जमा पर			क) उद्दिष्ट एवं अक्षय निधि से		
a) On Bank Deposits	60,58,883.00	41,82,270.00	a) Out of Earmarked/Endowment Funds	49,068.00	-
ख) कर्ज, अग्रिम पर			ख) निजी निधियों से (निवेश-अन्य)		
b) Loans, Advances	2,69,102.00	3,67,755.00	b) Out of Own Funds (INVESTMENTS-OTHERS)		
5. अन्य आय			5. स्थायी परिसम्पत्तियां पर व्यय		
V. OTHER INCOME			V. EXPENDITURE ON ASSETS		
क) शिक्षा शुल्क			क) गैर-योजना के तहत अवल सम्पत्तियाँ		
a) Tuition Fee	2,79,98,238.00	2,56,37,305.00	a) Fixed Assets Under Non-Plan	21,01,631.00	27,53,713.00
ख) प्रकाशनों/अवेदन पत्रों की विक्री			ख) अग्रिम, ऋण और जमा		
b) Sale of Application Form/Publications	80,09,925.00	56,90,384.00	b) Advance, Loan & Deposits	1,88,08,927.00	33,40,929.00
ग) छात्रवास/सभाघर शुल्क			6. अधिशेष राशि/कर्ज की वापसी		
c) Hostel/Auditorium Fee	47,68,946.00	42,63,791.00	VI. REFUND OF SURPLUS MONEY/LOANS		
घ) विविध प्राप्ति			क) भारत सरकार को		
d) Misc. Office Receipt	11,81,495.00	9,03,945.00	a) To the GOI	-	-
6. निधि और देनदारियों के तहत प्राप्ति			ख) राज्य सरकार को		
VI. RECEIPTS UNDER FUNDS & LIABILITIES			b) To the State Government	-	-
योजना के तहत विविध प्राप्ति			ग) अन्य निधि दाताओं को		
Miscellaneous Receipts under plan			C) To the Other Providers of Funds	-	-
प्रतिभूतियों, जमा और अन्य वर्तमान देनदारियों की प्राप्ति			7. निवेश में वृद्धि		
Receipts of Securities, Deposits and			VII. INCREASE IN INVESTMENT		
Other Current Liabilities	64,13,821.00	31,11,000.00	जमा में गलत डाले गए निवेश		
पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति के अंतर्गत प्राप्ति			INVESTMENT WRONGLY ACCOUNTED		
Receipts Under Awards & Scholarship	3,63,000.00	7,15,121.00	IN DEPOSITS		
छात्र कल्याण निधि/पूर्व छात्र निधि के अंतर्गत प्राप्ति			8. निधियों और देनदारियों के तहत भुगतान		
Receipts Under Students Welfare Fund/			VIII. PAYMENTS UNDER LIABILITIES & FUNDS		
Alumini Funds	10,98,000.00	-	जमा सहित मौजूदा देनदारियाँ		
7. परियोजनाओं और लघु कार्यक्रम के तहत प्राप्ति			Current Liabilities including Deposits	12,71,52,192.00	10,74,62,878.00
VII. RECEIPTS UNDER PROJECTS & SHORT COURSES			पुरस्कार और छात्रवृत्ति		
			(अग्रानीति)		
			(Carried over)		

भारतीय जन संचार संस्थान			Indian Institute of Mass Communication		
31.03.2018 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा			RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2018		
प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS (अग्रानीत) (Brought forward)	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
-योजनाओं के तहत प्राप्ति			Awards & Scholarship	5,10,048.00	2,18,000.00
-Receipt under Projects	32,90,300.00	86,28,576.00	छात्र कल्याण निधि		
-लघु पाठ्यक्रमों के तहत प्राप्ति			Students Welfare Fund	1,49,253.00	1,43,792.00
-Receipt under Short-Courses	2,58,25,748.00	1,41,80,912.00	9. अंत शेष		
8. संपत्ति की प्राप्ति			IX. CLOSING BALANCES		
VIII. RECEIPTS OF ASSETS			क) नकद		
ऋण, अग्रिम एवं जमा की प्राप्ति			a) CASH IN HAND	49,158.00	65,447.00
-Receipts of Loan, Advances & Deposits	5,96,35,520.00	15,31,499.00	ख) फ्रेकिंग मशीन के टिकट		
-परिपक्व निवेश			b) STAMP IN FRANKING MACHINE	-	-
-Investment Matured	-	-	ग) बैंक जमा		
9. अन्य प्राप्ति			c) BANK BALANCES		
IX. OTHER RECEIPTS			1) चालू खाते में		
	1,03,784.00	1,99,271.00	D) IN CURRENT ACCOUNTS	-	-
			2) संचयि जमा खाते में		
			II) IN DEPOSITS ACCOUNTS	-	-
			3) बचत खाते में		
			III) SAVINGS ACCOUNTS	8,36,48,916.00	5,59,38,791.00
कुल TOTAL	40,25,03,176.00	36,37,25,696.00	कुल TOTAL	40,25,03,176.00	36,37,25,696.00
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI संनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भागीदार Partner M.NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018			हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General		
			हस्ताक्षर/- किरण सिंह Sd/- Kiran Singh उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)		

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		(राशि-रुपये) (Amount- Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
3. विशेष रिजर्व:		
3. Special Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
4. सामान्य रिजर्व:		
4. General Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
कुल TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तलिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	अनुदान Grants		आवर्ती निधि Revolving Fund		पुरस्कार निधि Award Fund	
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) निधियों की रोकड़ जमा (योजना) a) Opening balance of the funds (Plan)	1,32,67,262.00	44,11,324.00	-	-	-	-
गैर योजना (Non-Plan & Other Funds)						
1) दान/अनुदान प्राप्ति (गैर योजना) i. Donations/Grants Received (Non Plan & Other Funds)	7,59,22,496.00	9,430.00	51,74,628.00	46,95,375.00	18,34,146.00	15,82,141.00
2) दान/अनुदान (योजना) ii. Donations/Grants (Plan)	9,19,26,000.00	18,82,90,570.00	-	-	-	-
3) निधि लेख के निवेश से प्राप्त आय iii. Income from investments made on account of funds	10,94,50,000.00	14,36,00,000.00	-	-	-	-
4) अन्य परिवर्धन (स्पष्ट करें) iv. Other Additions (Specify)	-	-	29,936.00	4,79,253.00	2,39,166.00	4,72,807.00
योजना स्कीम के तहत आय Receipt under plan Scheme	70,24,753.00	34,78,576.00				
कमी और अतिरिक्त Short & excess	-	-				
अं.प्र.निधि की आय से अतिरिक्त अन्य आय (गैर-योजना) Other Income (Non Plan)	5,57,21,788.00	4,95,80,428.00	-	-	-	-
5) अं.प्र.निधि की आय में जमा v) Addition to CPF income	-	-	-	-	-	-
कुल TOTAL	35,33,12,299.00	38,93,70,328.00	52,04,564.00	51,74,628.00	20,73,312.00	20,54,948.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018 (राशि-रुपये) (Amount-Rs.)					
		अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
ख) निधियों के उद्देश्य हेतु उपयोग/व्यय		<i>(अग्रणीत)</i> <i>(Brought forward)</i>					
b) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds							
1) पूंजीगत व्यय							
i. Capital Expenditure							
-अग्रिम सहित अवल संपत्ति (गैर योजना)		27,18,088.00	30,92,390.00	-	-	-	-
-Fixed Assets including advances (non-plan)							
-अग्रिम सहित अवल संपत्ति (योजना)		8,97,93,533.00	12,45,68,185.00				
-Fixed Assets including advances (Plan)							
2) राजस्व खर्च (गैर योजना)							
ii. Revenue Expenditure (Non-Plan)							
-वेतन, मजदूरी तथा भत्ते इत्यादि		12,07,54,296.00	9,91,69,861.00	-	-	-	-
-Salaries, Wages and Allowances etc.							
-किराया/पूर्व अवधि वस्तु		-	-	-	-	-	-
-Rent/Prior Period item							
-अन्य प्रशासनिक खर्च		6,45,12,615.00	5,96,95,681.00	-	-	1,06,734.00	2,20,802.00
-Other Administrative Expenses							
3. राजस्व खर्च (योजना)		1,68,95,597.00	1,36,54,453.00				
iii. Revenue Expenditure (plan)							
4. अनुदान वापसी (योजना)		-	-				
iv. Grant refunded (plan)							
(गैर-योजना) (Non-Plan)		-	-				
कुल (ख) Total (b)		29,46,74,130.00	30,01,80,570.00				
वर्ष की समाप्ति पर शेष (क-ख)		5,86,38,170.00	8,91,89,758.00	52,04,564.00	51,74,628.00	19,66,578.00	18,34,146.00
NET BALANCE AS AT THE YEAR END (a+b)							
		<i>(अग्रणीत)</i> <i>(Carried over)</i>					

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
	वाढू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	वाढू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	वाढू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष Unspent Balance of Grant-in-Aid (Plan)	2,30,52,885.00	1,32,67,262.00				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (गैर-योजना) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Non Plan)	3,55,85,285.00	7,59,22,496.00				
(अग्रणीत) (Brought forward)						
उद्दिष्ट निधियों का समूहीकरण - तालिका 3 GROUPING FOR EARMARKED FUNDS...SCHEDULE 3						
उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ Earmarked/Endowment Funds						
1. आवर्ती निधि का अंत 1. Closing Balance of Revolving Fund	52,04,564.00					
2. अनुदान का शुद्ध अप्रयुक्त शेष 2. Net Unspent Balance of Grants	5,86,38,170.00					
3. पुरस्कार निधि की जमा शेष 3. Closing Balance of Award Funds	19,66,578.00					
कुल/Total	6,58,09,312.00					

टिप्पणियाँ/Notes

- 1) प्रकटन अनुदान से जुड़ी शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अंतर्गत किये जाएँ ।
1) Disclosure shall be made under relevant heads based on conditions attaching to the grants.
- 2) केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को पृथक् निधियों के रूप में दर्शाया जाए तथा किसी अन्य निधि के साथ न मिलाया जाए ।
2) Plan Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.
- 3) वर्ष 2017-18 के दौरान योजना और गैर-योजना के अनप्रयुक्त शेष की आंशिक राशि वापस कर दी गई है।
3) Opening Balance of Unspent Balances of Non-plan and Plan adjusted during the financial year 2017-18.

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 4-सुरक्षित कर्ज एवं उधार: SCHEDULE 4-SECURED LOANS AND BORROWINGS:		
1. केन्द्र सरकार 1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) 2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएँ 3. Financial Institutions		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
ख) प्रौढभूत एवं देय ब्याज b) Interest Accrued and Due	-	-
4. बैंक : 4. Banks:		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
-प्रौढभूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें) b) Other Loans (specify)		
-प्रौढभूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
5. डिबेंचर एवं बॉंड 5. Debentures and Bonds	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें) 6. Others (Specify)	-	-
कुल TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 5- असुरक्षित कर्ज एवं उधार: SCHEDULE 5-UNSECURED LOANS AND BORROWINGS:		
1. केन्द्र सरकार	-	-
1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)	-	-
2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएँ	-	-
3. Financial Institutions	-	-
4. बैंक :	-	-
4. Banks:	-	-
क) सावधिक कर्ज	-	-
a) Term Loans	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें)	-	-
b) Other Loans (specify)	-	-
5. अन्य संगठन एवं एजेंसियाँ	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
6. Others (Specify)	-	-
कुल	-	-
TOTAL	-	-
		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 6-अस्थगित ऋण देयताएँ: SCHEDULE 6-DEFERRED CREDIT LIABILITIES:		
क) पूंजीगत उपकरणों तथा अन्य परिसम्पत्तियों के मालबंधन द्वारा प्राप्त स्वीकृतियाँ	-	-
a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-
ख) अन्य	-	-
b) Others	-	-
कुल	-	-
TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)

(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 7-चालू देयताएँ एवं प्रावधानः SCHEDULE 7-CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:		
क. चालू देयताएँ		
A. CURRENT LIABILITIES		
1. स्विकृतियाँ		
1. Acceptances	-	-
2. विविध लेनदार		
2. Sundry Creditors		
क) वस्तुओं के		
a) For Goods		
ख) अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के अप्रयुक्त शेष)		
b) Others (Unspent balance of project/courses)	1,39,44,636.00	1,01,19,454.00
3. प्राप्त अग्रिम		
3. Advances Received	-	-
4. प्रोद्भूत ब्याज पर निम्नलिखित पर देय नहीं		
4. Interest accrued but not due on:		
क) सुरक्षित कर्ज/उधार		
a) Secured Loans/Borrowings	-	-
5. डेकनाल विप्रेषण खाता		
5. Dhenkanal Remittance A/c	-	-
6. कानूनी देयताएँ:		
6. Statutory Liabilities:		
क) अतिशेष (अं.भ.नि शेष)		
a) Overdue (CPF Balance)	-	-
ख) अन्य		
b) Others	-	-
7. अन्य चालू देयताएँ		
7. Other Current Liabilities	1,44,05,841.00	83,21,001.00
कुल (क)		
TOTAL (A)	2,83,50,477.00	1,84,40,455.00
	(अग्रजित) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रावधान		
PROVISIONS		
1. करधान हेतु		
1. For Taxation	-	-
2. उपदान		
2. Gratuity	-	-
3. अधिवर्षिता/नकद पाना		
3. Superannuation/Encashment	-	-
4. संचयी छुट्टी नकदीकरण		
4. Accumulated Leave Encashment	-	-
5. व्यापार आवश्यकता/दावे		
5. Trade Warranties/Claims	-	-
6. अन्य		
6. Others	-	-
कुल (ख)		
TOTAL (B)	-	-
कुल (क+ख)		
TOTAL (A+B)	2,83,50,477.00	1,84,40,455.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)	(राशि-रुपये) (चालू वर्ष) (Amount-Rs.) Current Year
क) जमानती राशियों से प्राप्ति A) SECURITY DEPOSITS RECEIVED	
1. पुस्तकालय जमानती राशि (मुख्यालय) 1. LIBRARY SECURITY (HEAD OFFICE)	25,57,700.00
2. पुस्तकालय जमानती राशि (डिंकानाल) 2. LIBRARY SECURITY (DHENKANAL)	1,59,300.00
3. छात्रावास जमानती राशि (अइजोल) 3. LIBRARY SECURITY (AIZAWL)	5,000.00
4. छात्रावास जमानती राशि (अमरावती) 4. LIBRARY SECURITY (AMRAVATI)	45,000.00
5. छात्रावास जमानती राशि (कोट्टायम) 5. LIBRARY SECURITY (KOTTAYAM)	10,000.00
6. छात्रावास जमानती राशि (मुख्यालय) 6. HOSTEL SECURITY (HEAD OFFICE)	5,71,000.00
7. छात्रावास जमानती राशि (डिंकानाल) मुख्यालय में 7. HOSTEL SECURITY (DHENKANAL) AT H.O	1,50,000.00
8. छात्रावास जमानती राशि डिंकानाल में 8. HOSTEL SECURITY AT DHENKANAL	-
9. छात्रावास जमानती राशि जम्मू में 9. HOSTEL SECURITY AT JAMMU	28,000.00
10. छात्रावास जमानती राशि अमरावती में 10. HOSTEL SECURITY AT AMRAVATI	63,000.00
11. छात्रावास जमानती राशि कोट्टायम में 11. HOSTEL SECURITY AT KOTTAYAM	30,000.00
12. जमानती राशि (डिंकानाल) 12. SECURITY DEPOSIT (DHENKANAL)	1,23,428.00
13. प्रतिधारण राशि जमा 13. RETENTION MONEY DEPOSIT	8,16,575.00
14. पेंशन/व्यापन (मुख्यालय) 14. EARNST MONEY DEPOSIT (HEAD OFFICE)	5,87,941.00
ख) अन्य देयताएँ B. OTHER LIABILITIES	
पुरस्कार (प्रयोजित) AWARD (SPONSORED)	15,000.00
छात्रवृत्ति SCHOLARSHIP	6,11,550.00
विविध देय SUNDRY PAYABLE	-
छात्र कल्याण निधि STUDENT WELFARE FUND	17,45,198.00
वॉक्स पॉप 2014 VOX POP 2014	4,000.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018	
अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7)		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year	
GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)			
रेक लगेई रकम (रमेश पांडे)		51,36,994.00	
WITHHELD AMOUNT (RAMESH PANDEY & Kishan Lal)			
टीडीएस देय		-	
TDS PAYABLE			
पुराने चेक		4,33,286.00	
STALE CHEQUE			
सुरेश अग्रिम भुगतान		1,000.00	
SURESH ADVANCE PAYABLE ACCOUNT			
सीजीआईआईएस (आईआईएस उम्मेदवार)		2,640.00	
CGEGIS (IIS PROB)			
सीजीएचएस (आईआईएस उम्मेदवार)		14,300.00	
CGHS (IIS PROB)			
एनपीएस (आईआईएस)		1,40,622.00	
NPS (IIS)			
एसआरएस का वकाया		1,62,657.00	
SRS PAYABLE ACCOUNT			
सीपीएफ को भुगतान		9,91,650.00	
PAYABLE TO CPF			
कुल TOTAL		1,44,05,841.00	
परियोजनाओं एवं अल्पावधि पाठ्यक्रमों का अनग्रयुक्त शेष			
UNSPENT BALANCE OF PROJECTS & SHORT COURSES:			
परियोजनाएँ (मुख्यालय)			
PROJECTS (H.O)			
एनसीओई		10,93,204.00	
NCOE			
पेयजल और स्वच्छता		4,37,557.00	
DRINKING WATER AND SANITATION			
जगो ग्राहक जगो		15,83,150.00	
JAGO GRAHAK JAGO			
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय		1,66,013.00	
MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE			
सड़क सुरक्षा अभियान		4,230.00	
ROAD SAFETY CAMPAIGN			
डीपीडी के जर्नल के सर्वेक्षण एवं मार्केट मूल्यांकन		10,73,520.00	
SURVEY & MKT ASS OF DPD JOURNALS			
जलपूर्ति और स्वच्छता		3,90,550.00	
WATER SUPPLY & SANITATION			
अल्पावधि पाठ्यक्रम			
SHORT COURSES			
आसाम पीआरओ कोर्स		350.00	
ASSAM PRO COURSE			

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018 (राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
भारतीय सूचना सेवा आधार कार्यक्रम IIS OFFICERS COURSES	19,55,729.00	
आईटेक ITEC	55,76,860.00	
आर्मी के लिए मीडिया क्यूनिक्शन कोर्स MEDIA COMM COURSE FOR ARMY	1,06,018.00	
मीडिया क्यूनिक्शन कोर्स MEDIA COMM COURSE	-	
एनडीआरएफ NDRF	3,772.00	
स्कैप SCAAP	6,14,551.00	
एसएसबी कोर्स SSB COURSE	33,933.00	
एफटीआईआई FTII	1,65,000.00	
मीडिया महकुंभ मेला MEDIA MAHAKUMBH FEST	7,40,200.00	
कुल TOTAL	1,39,44,636.00	

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

विवरण
Description

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK		मूल्य ह्रास DEPRECIATION		शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यंकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	लागत/मूल्यंकन वर्ष के अंत में Cost/valuation at the year end	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के अंत में As at the current year end

क. स्थाई परिसम्पत्तियाँ:

A. FIXED ASSETS:

1. भूमि:

1. Land:

क) पूर्ण स्वामित्व

a) Freehold

ख) पट्टे पर

b) Leasehold

2. भवन

2. Building

क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर

a) On Freehold Land

ख) पट्टे वाली भूमि पर

b) On Leasehold Land

ग) फ्लैट/परिसरों का स्वामित्व

c) Ownership Flats/Premises

घ) गैरसमलिकाना भूमि पर अधिरचना

d) Superstructures on land

not belonging to the entity

3. प्लांट, मशीनें एवं उपकरण

3. Plant, Machinery & Equipment

4. वाहन

4. Vehicles

5. फर्नीचर और फिक्सचर

5. Furniture & Fixtures

6. कम्प्यूटर संबंधी

6. Computer Peripherals

7. पुस्तकालय की पुस्तकें

7. Library Books

8. ट्यूबवेल एवं जल वितरण

8. Tubewells & W. Supply

(अग्रणीत)

(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

विवरण
Description

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(अग्रणीत)
(Brought forward)

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK			मूल्य ह्रास DEPRECIATION			शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यांकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के दौरान घटाव On ded during the year	वर्ष के दौरान कुल योग Total up to the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end

- अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ
- Other Fixed Assets

चालू वर्ष का कुल योग (क)

TOTAL OF CURRENT YEAR(A) 46,90,50,036.00 53,11,621.00 1,33,08,706.00 46,10,52,950.00 46,10,52,950.00 46,90,50,036.00

ख. पूंजीगत कार्य में प्रगति B. CAPITAL WORK IN PROGRESS

- सी.सी.डब्ल्यू. (आकाशवाणी) एवं अन्य को भवन परियोजना हेतु अग्रिम

1. Advance to CCW(AIR) & others for Building Project

28,45,93,419.00 8,72,00,000.00 - 37,17,93,419.00

2. उपकरणों इत्यादि की खरीद हेतु अग्रिम

2. Advance for purchase of Equipments & etc.

3. एफ.एम. रेडियो हेतु अग्रिम

3. Advance for FM Radio

चालू वर्ष का कुल योग (ख)

TOTAL OF CURRENT YEAR(B) 28,45,93,419.00 8,72,00,000.00 - 37,17,93,419.00 37,17,93,419.00 28,45,93,419.00

कुल (क+ख)TOTAL (A+B)

75,36,43,455.00 9,25,11,621.00 1,33,08,706.00 83,28,46,369.00 83,28,46,369.00 75,36,43,455.00

टिप्पणियाँ/Notes :

- प्लांट एवं मशीनों में प्रिंटिंग प्रेस उपकरण, दृश्य-श्रव्य उपकरण एवं ऑफिस उपकरण शामिल हैं।
1. Plant & Machinery includes printing press equipments, audio visual equipments, office equipments.
- "परिसम्पत्तियों को 'प्लान में डालना'" का विभाजन भवन, कम्प्यूटर्स एवं सहायक उपकरण, फर्नीचर एवं फिक्स्चर, प्लांट, मशीनों एवं उपकरण में किया गया है।
2. "Plan creation of assets" has been bifurcated into building, computers & peripherals, furniture & fixtures, plant, machinery & equipment.

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018				
स्थायी परिसम्पत्तियाँ/अग्रिम FIXED ASSETS/ADVANCES (ADDITIONS DURING THE YEAR)		(राशि-रुपये) Amount-Rs.				
विवरण Description	योजना Plan चालू वर्ष Current Year	गैर-योजना Non-Plan डेंकनाल Dhenkanal	गैर-योजना Non-Plan मुख्यालय At H.O.	कुल Total गैर-योजना Non-Plan	योजना+गैर योजना Plan+Non-Plan	शुद्ध राशि Net Amount Deletions
1. भवन						
1. Building	1,63,705.00	-	-	-	1,63,705.00	1,63,705.00
2. फर्नीचर एवं फिक्सचर						
2. Furniture & Fixtures	3,21,644.00	4,46,249.00	85,490.00	5,31,739.00	8,53,383.00	7,67,926.00
3. पुस्तकें						
3. Books	2,205.00	20,588.00	4,04,569.00	4,25,157.00	4,27,362.00	4,02,428.00
4. कम्प्यूटर						
4. Computers	21,05,979.00	-	5,05,826.00	5,05,826.00	26,11,805.00	(17,42,970.00)
5. वाहन						
5. Vehicles	-	-	6,83,663.00	6,83,663.00	6,83,663.00	(1,00,703.00)
6. प्लांट, मशीनरी एवं उपकरण						
6. Plant, Machinery & Equipment	-	3,000.00	5,68,703.00	5,71,703.00	5,71,703.00	(74,87,471.00)
7. सी सी डबल्यू (आकाशवाणी) और अन्य को भवन निर्माण हेतु अग्रिम						
7. Advance to CPWD for building Projects	8,72,00,000.00	-	-	-	8,72,00,000.00	8,72,00,000.00
कुल TOTAL	8,97,93,533.00	4,69,837.00	22,48,251.00	27,18,088.00	9,25,11,621.00	7,92,02,915.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)

(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 9-उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश SCHEDULE 9- INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
1. In Government Securities		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	15,62,713.00	15,62,713.00
2. Other Approved Securities (fixed deposit of awards fund in scheduled banks)		
3. शेयर	-	-
3. Shares		
4. डिबेंचर एवं बांड	-	-
4. Debenturs and Bonds		
5. गैंग एवं संयुक्त उद्यम	-	-
5. Subsidiaries and Joint Ventures		
6. अन्य	-	-
6. Others		
कुल TOTAL	15,62,713.00	15,62,713.00
तालिका 10-निवेश-अन्य SCHEDULE 10- INVESTMENT-OTHERS		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
1. In Government Securities		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में (अनुसूचित बैंको में सावधि जमा)	-	-
2. Other Approved Securities (Fixed Deposit at Scheduled Banks)		
3. शेयर	-	-
3. Shares		
4. डिबेंचर एवं बांड	-	-
4. Debenturs and Bonds		
5. गैंग एवं संयुक्त उद्यम	-	-
5. Subsidiaries and Joint Ventures		
6. अन्य	46,12,154.00	-
6. Others		
कुल TOTAL	46,12,154.00	-

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
समूहों में तालिका 9 निवेश GROUPING OF SCH-9 INVESTMENT FROM EARMARKED FUNDS 1. बैंकों में सावधिक जमा (पुरस्कार राशि) I. Fixed Deposit with Bank (Award Fund) क) मुख्यालय A) Head Office ख) धेकनाल B) Dhenkanal	- 12,12,713.00 3,50,000.00	- 12,12,713.00 3,50,000.00
कुल TOTAL	15,62,713 .00	15,62,713 .00
समूहों में तालिका 10 निवेश एवं अन्य GROUPING OF SCH-10 INVESTMENT OTHERS 1. पी.डब्ल्यू.डी में सावधिक जमा I. Fixed Deposit at PWD 2. अल्पवधि सावधिक जमा 2. Short Term Fixed Deposits	- - -	- - -
कुल TOTAL	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 11 चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज और अग्रिम इत्यादि SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क. चालू परिसम्पत्तियाँ		
A. CURRENT ASSETS:		
1. वस्तु सूची		
I. Inventories		
क. भंडार एवं अतिरिक्त		
a) Stores and Spares	-	-
ख. माल व्यापार में		
b) Stock-in-Trade	-	-
- तैयार माल		
- Finished Goods		
- कार्य में प्रगति		
- Work-in-Progress		
- कच्चा माल		
- Raw Materials		
2. विविध देनदार		
2. Sundry Debtors:		
क. छ: महीने से अधिक अवधि का बकाया कर्ज		
a) Debts outstanding for a period exceeding six months	-	-
ख. अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों को वसूलने योग्य अनुदान/निधियों)		
b) Others (Grants/Funds for project/courses recoverable)	11,75,678.00	11,75,678.00
ग. नकद शेष (चेक/ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
3. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)	35,482.00	59,318.00
4. बैंक शेष:		
4. Bank Balances:		
क. अनुसूचित बैंकों में:		
a) With Scheduled Banks:		
- चालू खाते में		
- On Current Accounts	-	-
- संचयि खाते में (मार्जिन राशि सहित)		
- On Deposit Accounts (includes margin money)	-	-
- बचत खाते में		
- On Saving Accounts		
- प्रधान कार्यालय (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया)		
- Head Office (CBI)	8,09,93,669.00	5,06,25,130.00
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया - पुरस्कार निधि		
- Central Bank of India-Award Fund	-	-
- डेकनाल बैंक		
- Dhenkanal Bank		
- अं.म.नि बैंक	10,59,711.00	18,77,429.00
- CPF Bank Balance	-	-
(अग्रणीत) (Carried over)		

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
5. आईसीएसएसआर फेलोशिप पुरस्कार खाता (रिंकू पेगु)	(अग्रनीति) (Brought forward)	26,948.00	26,948.00
5. ICSSR Fellowship Award A/c (Rinku Pegu)			
6. अवकाश यात्रा भत्ता अग्रिम		-	-
6. LTC Advance			
7. सोत्र पर कर कटौती वापसी		21,34,662.00	14,48,343.00
7. TDS Refund			
8. अनुदान प्राप्त करने योग्य		-	5,78,00,000.00
8. Grant Receivable			
कुल (क)		8,54,26,150.00	11,30,12,846.00
TOTAL (A)			
ख. कर्ज, अग्रिम और अन्य परिसम्पत्तियाँ			
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS			
1. कर्ज :			
1. Loans :			
क) कर्मचारी (आवर्ती निधि)			
क) Staff (Revolving Fund)		21,000.00	62,000.00
ख) गतिविधियों/उद्देश्यों में लगे हुए अन्य तत्व जो उन तत्वों के समान हों		-	-
ख) Other entities engaged in activities/objectives similar to that of the entity			
ग) अन्य		-	-
ग) Others			
2. नकद या माल के रूप में या प्राप्त मूल्य हेतु वसूलने योग्य अग्रिम या अन्य राशियाँ			
2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received			
क) पूंजीगत लेखे रूप में			
क) On Capital Account		-	-
ख) पूर्व भुगतान	1,42,442.00	1,31,922.00	-
ख) Prepayments			
ग) अन्य	17,24,471.00	18,66,912.00	4,86,389.00
ग) Others			
3. प्रोद्भूत आय			
3. Income Accrued:			
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर (अं.भ.नि. के प्रोद्भूत ब्याज)			
क) On Investment from Earmarked/Endowment Funds (Accrued interest of award fund)	9,968.00	-	-
ख) निवेश/अन्य (संस्थान की पुरस्कार निधि एवं खजाना पर प्रोद्भूत ब्याज)		57,666.00	-
ख) On Investments-Others			
	(अग्रनीति) (Carried over)	-	57,666.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)

(Amount-Rs.)

	(अग्रणीत) (Brought forward)	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
ग) अन्य (अप्राप्य देय राशि शामिल है रु.) c) Others (includes income due unrealised-Rs.) ADVANCE TO BRANCHES		-	-
4. कोट्टायम विप्रेषण खाता			
4. Kottayam Remittance A/c Advance to Branches			
Cash	-		
Bank	2,367.00		77,425.00
5. अमरावती विप्रेषण खाता			
5. Amravati Remittance A/c			
Cash	5,75,033.00		-
Bank			-
6. जम्मू विप्रेषण खाता			
6. Jammu Remittance A/c			
Cash	-		
Bank	905.00		69,373.00
7. आइजेल विप्रेषण खाता			
7. Aizwal Remittance A/c			
Cash	2,112.00		-
Bank	3,57,402.00		-
8. विद्यार्थी कल्याण कोष खाता			
8. Student Welfare Fund A/c			
9. अंतरराष्ट्रीय मीडिया विश्वविद्यालय का प्रगत कार्य (योजना)			
9. International Media University (Plan) (work in progress)			
कुल (ख) TOTAL (B)		16,09,212	4,05,697.00
कुल (क+ख) TOTAL (A+B)		35,07,092.00	10,11,751.00
		8,89,33,242.00	11,40,24,597.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year
वर्तमान परिसम्पत्तियों का समूह (तालिका 11) GROUPING OF CURRENT ASSETS (SCHEDULE 11)	
परियोजनाओं/अल्पकालिक पाठ्यक्रमों पर अधिखर्च शेष (31.03.2017) OVERSPENT BALANCE OF PROJECTS/ SHORT COURSES (31.3.2017)	
बीपीआरडी कार्यशाला खाता BPRD Workshop A/c	73,155.00
वॉटसन परियोजना Watson Project	8,34,688.00
पंचायती राज सशक्तीकरण Empowering Panchayati Raj	2,67,835.00
कुल TOTAL	11,75,678.00
नकद शेष CASH BALANCES	
मुख्यालय Head Office	19,397.00
ढेंकनाल Dhenkanal	16,085.00
प्रेक्विप मशीन में टिकट Stamps in Franking Machine	-
कुल TOTAL	35,482.00
बैंक शेष BANK BALANCES	
1. मुख्यालय 1. Head Office	
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India	7,99,00,466.00
2. एनसीओई 2. NCOE	10,93,204.00
3. ढेंकनाल 3. DHENKANAL	10,59,711.00
कुल TOTAL	8,20,53,380.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

चालू वर्ष
Current Year

क) आवर्ती निधि	
A) REVOLVING FUND	
आवर्ती निधि से अग्रिम का इतिशेष Closing Balance of Revolving fund Advances	
ख) नकद या वस्तुओं के रूप में (अन्य) अग्रियों की वसूली	21,000.00
B) ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR KIND (Others)	
मुख्यालय	
HEAD OFFICE	
भारत दर्शन अध्ययन दौरा Bharat Darshan Study Tour 2017	53,403.00
भारत दर्शन अध्ययन दौरा Bharat Darshan Study Tour 2018	6,67,936.00
खाते से अग्रिम (खरीद) On A/c Advance (Purchase)	6,92,215.00
खाते से अग्रिम (एनपी) On A/c Advance (NP)	5,000.00
पर्व अग्रिम Festival Advance	45,515.00
बामर लोरी को अग्रिम Advance to Balmer Lowrie	58,344.00
अल और साईलो पर बकाया L R Sailo Receivable Account	500.00
कर्मचारियों को अग्रिम Advance to Employees	1,80,000.00
कुल (क)	17,02,913.00
TOTAL (A)	
देहिनाल	
DHENKANAL	
ओ वाई टी जमा OYT Deposit	7,964.00
कर्मचारियों को अग्रिम Advances to employees	13,594.00
कुल (ख)	21,558.00
TOTAL (B)	
कुल (क+ख)	17,24,471.00
TOTAL (A+B)	

(अग्रणीत)
(Brought forward)

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(राशि-रुपये)

(Amount-Rs.)

चाबू वर्ष Current Year

नकदी या वस्तु के रूप में मीडिया में अभिगमों की वसूली
ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR IN KIND

1. पूर्व भुगतान, प्रलिभिलियाँ का भुगतान

1. Prepayments, Security Deposits Paid

मुख्यालय

Head Office

ढेंकानाल

Dhenkanal

59,630.00

82,812.00

कुल

TOTAL

1,42,442.00

(अग्रानीत)
(Brought forward)

(अग्रानीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

(राशि-रुपये)

(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 12- विक्री/सेवाओं से आय		
SCHEDULE 12-INCOME FROM SALES/SERVICES		
1. विक्री से आय		
1. Income from Sales		
क) तैयार माल की विक्री से		
a) Sale of Finished Goods	-	-
ख) कच्चे माल की विक्री से		
b) Sale of Raw Material	-	-
ग) कबाड़ की विक्री से		
c) Sale of Scraps	78,805.00	-
2. सेवाओं से आय		
2. Income from Services		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
a) Labour and Processing Charges	-	-
ख) व्यावसायिक/परामर्श सेवाएँ		
b) Professional/Consultancy Services	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
c) Agency Commission and Brokerage	-	-
घ) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)		
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-
ड.) अन्य (स्पष्ट करें)		
e) Others (Specify)		
-छात्रावास किराया	48,59,215.00	77,71,726.00
-Hostel Rent		
-विविध प्रशिक्षण	1,11,07,364.00	74,19,581.00
-Misc Receipt including Short Courses & Projects		
-सभाघार का किराया	6,60,930.00	2,44,570.00
-Rent of Auditorium		
-आईआईएमसी पुरस्कार पर प्राप्त ब्याज		
f) Interest received on award IIMC	-	-
कुल	1,67,06,314.00	1,54,35,877.00
TOTAL		

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को तुलनपत्र की तालिकाएँ		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018	
समूहों में तालिका 12 GROUPING OF SCHEDULE 12		(राशि-रुपये)/(Amount-Rs.) चाबू वर्ष Current Year	
आवर्ती निधि HOSTEL RENT अधिकारियों के अतिथि गृह का किराया Officers Guest House Rent छात्र छात्रावास किराया Student Hostel Rent मकान किराया योगदान House Rent Contribution छात्रावास सीट का किराया (दैनिकनाल) Hostel Seat Rent (Dhen.) छात्रावास सीट का किराया (अमरावती) Hostel Seat Rent (Amravati)		17,45,750.00 22,44,050.00 1,41,615.00 7,18,800.00 9000.00	
कुल (क) TOTAL (A)		48,59,215.00	
सभागार/सम्मेलन कक्ष/लाउंज का किराया RENT OF AUDITORIUM/CONFERENCE ROOM/LOUNGE खाते से अग्रिम (खरीद) Booking of Auditorium खाते से अग्रिम (प्रायोजक) Booking of Lounge मिनी सभागार से पूर्व अग्रिम Booking of Mini Auditorium		6,60,930.00 - -	
कुल (क) TOTAL (A)		6,60,930.00	
विविध प्राप्ति MISC. RECEIPT विविध कार्यालय प्राप्ति Misc. Office Receipt वेतन के विरुद्ध प्राप्ति Receipt against Salary विविध कार्यालय रसीद (दैनिकनाल) Misc. Office receipt (Dhenkenal) ओआईएस अधिकारी का प्रशिक्षण (दैनिकनाल) Training of OIS Officer (Dhenkenal)		1,11,06,614.00 750.00 - -	
कुल (क) TOTAL (A)		1,11,07,364.00	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को आय और व्यय तालिका		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018	
तालिका 13-अनुदान/आर्थिक सहायता SCHEDULE 13- GRANTS/SUBSIDIES		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
(प्राप्त अटल अनुदान एवं आर्थिक सहायता) (Irrevocable Grants & Subsidies Received)			
1. केन्द्र सरकार (गैर-योजना)	1. Central Government (Non-Plan)	9,07,81,000.00	18,66,90,570.00
2. केन्द्र सरकार (मंजूर परिसंपत्तियों के लिए गैर योजना)	2. Central Government (Non-Plan for capital assets)	11,45,000.00	16,00,000.00
कुल (1+2)	TOTAL (1+2)	9,19,26,000.00	18,82,90,570.00
3. केन्द्र सरकार (योजना)	3. Central Government (Plan)	10,94,50,000.00	14,36,00,000.00
4. राज्य सरकार	4. State Governments	-	-
5. सरकारी एजेंसियाँ	5. Government Agencies	-	-
6. संस्थाएँ/कल्याण निकाय	6. Institutions/Welfare Bodies	-	-
7. अंतरराष्ट्रीय संगठन	7. International Organisations	-	-
8. अन्य (विविध योजना के तहत प्राप्ति)	8. Others (Misc. receipt under Plan)	70,24,753.00	34,78,576.00
कुल	TOTAL	20,84,00,753.00	33,53,69,146.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को आय और व्यय तालिका

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

(राशि-रुपये) (Amount-Rs)		
तालिका 14- शुल्क/वर्दा SCHEDULE 14-FEE/SUBSCRIPTION	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. प्रवेश शुल्क 1. Entrance Fee	-	-
2. वार्षिक शुल्क/वर्दी 2. Annual Fees/Subscriptions	2,73,26,830.00	2,51,44,626.00
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क 3. Seminar/Program fees	-	-
4. परामर्श शुल्क 4. Consultancy Fees	-	-
5. अन्य (स्पष्ट करें) 5. Others (specify)	-	-
कुल TOTAL	2,73,26,830.00	2,51,44,626.00
तालिका 14 समूहों का GROUPING OF SCHEDULE 14	(राशि-रुपये)(Amount-Rs.) चालू वर्ष Current Year	
वार्षिक शुल्क/वर्दा ANNUAL FEES/SUBSCRIPTIONS		
शिक्षा शुल्क (मुख्यालय) TUTION FEES (HEAD OFFICE)	2,51,43,178.00	
शिक्षा शुल्क (डिक्कनाल) मुख्यालय में TUTION FEES (DHEN) AT HEAD OFFICE	-	
शिक्षा शुल्क (डिक्कनाल) TUTION FEE (DHENKANAL)	21,19,500.00	
प्रकाशन शुल्क PUBLICATION FEES	51,612.00	
विलंब शुल्क LATE FEES	12,540.00	
कुल Total	2,73,26,830.00	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को आय और व्यय की तालिका		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018				(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)	
तालिका 15-निवेशों से आय SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS		उद्दिष्ट निधि से निवेश Investment from Earmarked Fund		अन्य निवेश Investment-Others			
(उद्दिष्ट/अक्षय से स्थानांतरित निधि से निवेश पर आय) (Income on Invest. from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year		
1. ब्याज							
1. Interest							
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर							
a) On Govt. Securities		-	-	-	-		
ख) अन्य बॉन्ड एवं डिबेंचर							
b) Other Bonds/Debentures		-	-	-	-		
2. लाभांश							
2. Dividends:							
क) शेयरों पर							
a) On Shares		-	-	-	-		
ख) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर							
b) On Mutual Fund Securities		-	-	-	-		
3. किराया							
3. Rents							
4. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में निवेश पर ब्याज							
4. Interest on Investment with CBI		-	-	-	-		
5. अन्य (अल्पवधि जमा ब्याज) (मुख्यालय)							
5. Others (Interest on Short Term Deposit) (Head Office)		-	-	-	-		
6. अल्पवधि जमा ब्याज (हैंकनाल)							
6. Interest on Short Term Deposit (Dhenkanal)		-	-	-	-		
कुल							
TOTAL		-	-	-	-		
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों में स्थानांतरित							
Transferred to Earmarked/Endowment Funds		-	-	-	-		

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को आय और व्यय तालिका		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018 (राशि-रुपये) (Amount-Rs.)	
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय SCHEDULE 16- INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	
1. रॉयल्टी से आय 1. Income from Royalty	-	-	
2. प्रकाशन से आय 2. Income from sale of application & publication	78,65,926.00	56,90,224.00	
3. अन्य (स्पष्ट करें) 3. Others (Specify)	-	-	
कुल TOTAL	78,65,926.00	56,90,224.00	
तालिका 16 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 16			
प्रकाशनों से हुई आय INCOME FROM PUBLICATION			
अविदन पत्रों की बिक्री SALE OF APPLICATION FORM		78,43,955.00	
प्रकाशनों की बिक्री SALE OF PUBLICATION		21,971.00	
कुल TOTAL		78,65,926.00	

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

तालिका 17-अर्जित ब्याज SCHEDULE 17-INTEREST EARNED		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)	
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	
1. सावधि जमा:			
1. On Term Deposits:			
क) अनुसूचित बैंकों में			
a) With Scheduled Banks			
मुख्यालय			
Head Office	32,74,114.00	15,53,032.00	
ढाकनाल			
Dhenkanal	-	-	
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में			
b) With Non-Scheduled Banks			
संस्थाओं में			
c) With Institutions	-	-	
घ) अन्य			
d) Others	-	-	
2. बचत खातों में:			
2. On Saving Accounts:			
क) अनुसूचित बैंकों में			
a) With Scheduled Banks			
मुख्यालय			
Head Office	4,83,664.00	16,94,392.00	
ढाकनाल			
Dhenkanal	64,941.00	62,277.00	
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में			
b) With Non-Scheduled Banks	-	-	
ड्राफ्ट खाते में बचत खाते			
c) Post Office Savings Accounts	-	-	
घ) अन्य			
d) Others	-	-	
3. कर्ज पर:			
3. On Loans:			
क) कर्मचारी/स्टाफ			
a) Employees/Staff	-	-	
ख) अन्य			
b) Others	-	-	
4. पुरस्कार खाते पर ब्याज			
4. Interest on Award A/c	-	-	
कुल Total	38,22,719.00	33,09,701.00	

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2018 को आय और व्यय की तालिका

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 18-अन्य आय SCHEDULE 18-OTHER INCOME	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. विक्री पर लाभ/परिसम्पत्तियों का निपटान: 1. Profit on Sale/Disposal of Assets: क) निजी परिसम्पत्तियाँ a) Owned Assets ख) निधियों से अर्जित या मुफ्त प्राप्त परिसम्पत्तियाँ b) Assets acquired out of grants or received free of cost 2. निर्यात प्रोत्साहन वसुली 2. Export Incentives Realized 3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क 3. Fees for Miscellaneous Services 4. विविध आय (अं.प्र. निधि से आय) 4. Miscellaneous Income	- - - - -	- - - - -
कुल TOTAL	-	-
तालिका 19-स्टॉक तैयार एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/कमी SCHEDULE 19-INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WIP	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) अन्तिम स्टॉक a) Closing Stock -तैयार माल -Finished Goods -चल रहे कार्य -Work-in-Progress ख) घटाए : प्रारंभिक स्टॉक b) Less: Opening Stock -तैयार माल -Finished Goods -कार्य में प्रगति -Work-in-Progress	- - - - -	- - - - -
शुद्ध वृद्धि/(कमी) (क-ख) NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2018 को आय और व्यय की तालिका

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

तालिका 20-स्थापना खर्चे SCHEDULE 20-ESTABLISHMENT EXPENSES	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)		
क) वेतन एवं मजदूरी		
a) Salaries and Wages	4,99,65,117.00	2,81,70,640.00
ख) भत्ते एवं बोनस		
b) Allowances and Bonus	4,00,60,828.00	4,88,46,429.00
ग) भविष्य निधि/एनपीएस में अंशदान		
c) Contribution to Provident Fund/NPS	83,38,882.00	39,31,255.00
घ) अन्य निधियों में अंशदान	-	-
d) Contribution to Other Fund	-	-
ड.) कर्मचारी कल्याण खर्चे		
e) Staff Welfare Expenses	-	-
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभों पर खर्च		
f) Expenses on Employees' Retirement and Terminal Benefits	1,72,22,198.00	1,35,82,601.00
छ) अन्य		
g) Others	51,67,271.00	46,38,936.00
कुल TOTAL	12,07,54,296.00	9,91,69,861.00
		(राशि-रुपये)
		(Amount-Rs.)
तालिका 20 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 20		चालू वर्ष Current Year
तनख्वाह एवं मजदूरी SALARIES & WAGES		
मुख्यालय एवं डेकानाल के खाते BOOKS OF HEAD OFFICE & DHENKANAL		
अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन		
Pay to Officers/Staff		
संकाय का वेतन		
Pay to Faculty		
आईआईएस को भुगतान		
Pay to IIS		
कर्मचारियों को मानदेय		
Hon. to Staff		
कुल Total		4,99,65,117.00
		(अग्रणीत) (Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को आय और व्यय तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018	
तालिका 20 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 20	(अग्रणीत) (Brought forward)
भत्ते एवं बोनस ALLOWANCE & BONUS	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
महंगाई भत्ता DA	चाहू वर्ष Current Year
मकान दर भत्ता HRA	2,57,71,476.00
अन्य भत्ते Overtime Allowances	88,57,106.00
परिवहन भत्ते Transport Allowances	97,403.00
धुलाई भत्ते Washing Allowances	46,60,446.00
बोनस Bonus	1,34,167.00
कुल Total	5,40,230.00
अ.म.नि और नई पेंशन योजना के लिए अंशदान CONTRIBUTION TO PROVIDENT FUND AND NEW PENSION SCHEME	4,00,60,828.00
मुख्यालय Head Office	57,08,906.00
ढेंकनाल Dhenkanal	-
नई पेंशन योजना New Pension Scheme	26,29,976.00
कुल Total	83,38,882.00
(अग्रणीत) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को आय और व्यय तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018		(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	
कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ EXPENSES ON EMPLOYEES RETIREMENT & TERMINAL BENEFITS		(अग्रनीति) (Brought forward)
ग्रेजुएटि Gratuity अवकाश वेतन एवं सेवा निवृत्ति अंशदान Leave Salary & Pension Contribution अवकाश भुगतान Leave Encashment जमा से संबद्ध बीमा योजना Deposit Linked Insurance Scheme	1,08,36,988.00 1,56,158.00 62,29,052.00 -	
कुल Total	1,72,22,198.00	
अन्य OTHERS चिकित्सा खर्च Medical Expenses यात्रा खर्च (एलटीसी) Travelling Expenses (LTC) शिक्षा शुल्क वापसी Tuition Fee Reimbursement अवकाश भुगतान Leave Encashment	36,65,586.00 6,78,798.00 2,76,600.00 5,46,287.00	
कुल Total	51,67,271.00	

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2018 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) खरीद (फोटोग्राफी सामग्री) a) Purchases (Photographic material)	-	-
ख) श्रम एवं प्रोसेसिंग खर्चे b) Labour and Processing Expenses	-	-
ग) हुलाई एवं अवक गाड़ी c) Cartage and Carriage Inwards	-	-
घ) पावर एवं बिजली एवं पानी के खर्चे d) Electricity and Power & Water charges	95,63,802.00	93,67,197.00
ड.) जल प्रभार e) Water Charges	-	-
च) बीमा f) Insurance	-	-
छ) मरम्मत एवं रखरखाव g) Repair and Maintenance	67,42,627.00	89,56,671.00
ज) उत्पाद शुल्क h) Excise Duty	-	-
झ) किराया, दरें एवं कर I) Rent, Rates and Taxes	36,162.00	36,084.00
ञ) वाहन संचालन एवं रखरखाव j) Vehicles Running and Maintenance	12,23,177.00	12,08,928.00
ट) डाक टिकटें, टेलीफोन एवं संचार प्रभार k) Postage, Telephone and Communication Charges	10,15,111.00	11,07,091.00
ठ) छपाई और लेखन सामग्री l) Printing and Stationery	13,77,806.00	15,03,520.00
ड) यात्रा और वाहन पर खर्च m) Travelling and Conveyance Expenses	14,46,838.00	15,71,545.00
ण) संगठित/कार्यशालाओं पर खर्च n) Expenses on Seminar/Workshop	1,46,185.00	2,12,753.00
त) अभिदान खर्च o) Subscription Expenses of News Papers & Periodical	7,21,175.00	16,29,036.00
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक सहित कानूनी और पेशेवर शुल्क पर व्यय p) Expenses on Legal and Professional Fee including auditor remuneration	16,44,180.00	5,43,462.00
द) आतिथ्य सत्कार खर्च q) Hospitality Expenses	12,19,075.00	12,61,972.00

(अग्रणीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2018 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
न) व्यावसायिक शुल्क (संकाय दौरा) r) Professional (Visiting Faculty) Fee	25,69,648.00	23,20,354.00
प) अशोध एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान s) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	-	-
फ) अवसूलीय शेष बढ़ते खाते में डाला गया t) Irrecoverable Balances Written off	-	-
ब) पैकिंग खर्च u) Packing Expenses	-	-
म) वितरण खर्च v) Distribution Expenses	-	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार w) Advertisement and Publicity	12,29,273.00	-
य) विविध x) Miscellaneous	22,55,221.00	35,12,265.00
र) कैन्युल कर्मचारियों की मजदूरी y) Wages to Casual Staff	3,19,33,953.00	2,49,22,681.00
ल) अन्य - संपत्तिकर z) Property Tax	10,41,397.00	10,41,397.00
व) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर इत्यादि पर खर्च za) Expenses on computer software, etc.	1,29,841.00	4,67,359.00
श) अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संचार विश्वविद्यालय zb) International Media Communication University	-	-
ष) अन्य zc) Others	2,18,144.00	33,366.00
कुल TOTAL	6,45,12,615.00	5,96,95,681.00

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year	
बिजली और पानी ELECTRICITY & WATER		
मुख्यालय Headoffice	88,29,506.00	
ढेंकनाल Dhenkanal	7,34,296.00	
कुल TOTAL	95,63,802.00	
मरम्मत और रखरखाव REPAIR AND MAINTENANCE		
क. गैर-योजना A. NON- PLAN		
भवन BUILDING		
मुख्यालय HO	54,09,093.00	
ढेंकनाल Dhenkanal	6,82,570.00	
	(A) 60,91,663.00	
उपकरण EQUIPMENT		
मुख्यालय HO	3,71,315.00	
ढेंकनाल Dhenkanal	2,16,599.00	
	(B) 5,87,914.00	
फर्नीचर मुख्यालय FURNITURE H.O	63,050.00	
कुल TOTAL	67,42,627.00	
ख. योजना B. PLAN		
उपकरणों की मरम्मत और पट्टा लाइनों का किराया Service Repair of Equipment and Lease Line Rent	-	
कुल (योजना+गैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN)	67,42,627.00	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year	
वाहन परिचालन एवं रखरखाव VEHICLE RUNNING & MAINTENANCE		(अग्रणीत) (Brought forward)
ईंधन की लागत Cost of fuel	9,09,915.00	
मरम्मत एवं रखरखाव Repair and Maintenance		
मुख्यालय HO	2,39,440.00	
देवकानाल Dhenkenal	73,822.00	
कुल TOTAL	12,23,177.00	
डाक टिकट, टेलीफोन और टेलीप्रिंटर के खर्च POSTAGE, TELEPHONE AND TELEPRINTER CHGS		
क. नैर-योजना A. NON- PLAN		
डाक टिकट एवं तार खर्च POSTAGE & TELEGRAPHIC CHARGES		
मुख्यालय HO	34,888.00	
देवकानाल Dhenkenal	8,775.00	
	(A) 43,663.00	
दूरभाष खर्च TELEPHONE EXPS		
मुख्यालय HO	7,39,494.00	
देवकानाल Dhenkenal	2,31,954.00	
	(B) 9,71,448.00	
ख. योजना B. PLAN	-	
कुल (योजना+नैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN)	10,15,111.00	
		(अग्रणीत) (Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को आय और व्यय तालिका		Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018	
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)	चालू वर्ष Current Year
मुद्रण एवं लेखन सामग्री PRINTING & STATIONERY क. नैर योजना A. NON PLAN मुख्यालय Head Office देंकनाल Dhenkenal ख. योजना B. PLAN		(अग्रनीति) (Brought forward)	12,74,333.00 1,03,473.00 -
कुल (योजना+नैर योजना) TOTAL (PLAN + NON PLAN)			13,77,806.00
यात्रा एवं परिवहन TRAVELLING & CONVEYANCE क. नैर-योजना A. NON- PLAN मुख्यालय HEAD OFFICE स्थानीय यात्रा Local Travel बाहरी यात्राएँ Outstation Travels विदेश यात्राएँ Foreign Travel देंकनाल Dhenkenal स्थानीय यात्रा Local Travel बाहरी यात्राएँ Outstation Travels ख. योजना B. PLAN			2,23,084.00 10,10,286.00 - - 12,920.00 2,00,548.00 14,46,838.00 -
कुल (योजना+नैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN)			14,46,838.00
		(अग्रनीति) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान Indian Institute of Mass Communication 31.03.2018 को आय और व्यय तालिका SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year	
शैक्षिक भ्रमण एवं यात्राएँ STUDY TOUR & TRAVELS मुख्यालय Head Office ढेंकनाल Dhenkanal ढेंकनाल पर सेमिनार का खर्च Seminar Expense at Dhenkanal	(अग्रणीत) (Brought forward)	79,149.00 67,036.00 -
कुल TOTAL		1,46,185.00
चंदे के खर्चे SUBSCRIPTION EXPENSES अखबार एवं सार्वधिक प्रकाशन NEWSPAPER & PERIODICALS क. नैर-योजना A. NON- PLAN मुख्यालय Head Office यू.एन.आई टेलिप्रिटर का किराया Rent of Umi Teleprinter ढेंकनाल Dhenkanal		6,46,535.00 - 74,640.00 Total 7,21,175.00
ख. योजना B. PLAN		-
कुल (योजना+नैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN)		7,21,175.00
मनोरंजन/ आतिथ्य ENTERTAINMENT/HOSPITALITY मुख्यालय Head Office ढेंकनाल Dhenkanal		11,41,163.00 77,912.00
कुल TOTAL		12,19,075.00
	(अग्रणीत) (Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को आय और व्यय तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
समूहों में तालिका-21 GROUPING OF SCH-21	वर्तमान वर्ष Current Year	
पेशेवर शुल्क PROFESSIONAL FEE क. गैर-योजना A. NON-PLAN बाहरी/अतिथि वक्ताओं (मुख्यालय) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (H.O) बाहरी/अतिथि वक्ताओं (हेक्कनाल) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (Dhenkenal)	(अग्रनीति) (Brought forward) 2,55,160.00 2,00,238.00 4,55,398.00 Total	
मुख्यालय H.O विज्ञापन जन संपर्क ADPR विकास पत्रकारिता DJ हिंदी पत्रकारिता HJ रेडियो टीवी पत्रकारिता RTV अंग्रेजी पत्रकारिता EJ उर्दू URDU प्रकाशन PUBLICATION	5,33,750.00 2,35,500.00 2,64,000.00 4,01,500.00 5,70,000.00 49,500.00 60,000.00 21,14,250.00 Total	
ख. योजना B. PLAN अतिथि संचाय को मानदेय (हेक्कनाल) Fee to Guest Faculty मानदेय/मजदूरी Hon/Wages	- - -	
कुल (योजना+गैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN)	25,69,648.00	
		(अग्रनीति) (Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2018 को आय और व्यय तालिका SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

(राशि-रुपये)/(Amount-Rs.)

GROUPING OF SCH-21/समूहों में तालिका-21	Current Year/वातु वर्ष
विविध खर्च MISCELLANEOUS EXPENSES क. नैर-योजना A. NON- PLAN बैंक प्रभार Bank Charges मुख्यालय HO डेकनाल Dhenkenal विविध खर्च Misc Exps मुख्यालय HO डेकनाल Dhenkenal वर्दी Liveries पुरस्कार खर्च Award Expense सदस्यों और सदस्यता खर्च Members & Subs. Expenses छात्र कल्याण खर्च (डेकनाल) Student Welfare Expense (Dhenkenal) फोटोग्राफी सामग्री Photography Material कम और अतिरिक्त Short & Excess ख. योजना B. PLAN	26,213.00 1,165.00 Total 27,378.00 20,36,334.00 1,70,313.00 Total 22,06,647.00 21,196.00 - - - - - Total 22,55,221.00 -
कुल (योजना+नैर योजना) TOTAL (PLAN+NON PLAN) आकस्मिक कर्मचारियों की मजदूरी WAGES TO CASUAL STAFF मुख्यालय HO डेकनाल Dhenkenal आकस्मिक कर्मचारियों के लिए बोनस Bonus to Casual Staff कुल TOTAL	22,55,221.00 2,70,93,289.00 47,99,408.00 40,256.00 3,19,32,953.00

(अग्रगति)
(Brought forward)

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

तालिका 22-अनुदान एवं इमदाद इत्यादि पर खर्च SCHEDULE 22- EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) संस्थाओं/संगठनों को दिया गया अनुदान a) Grants given to Institutions/Organisations	-	-
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई इमदाद b) Subsidies given to Institutions/Organisations	-	-
कुल TOTAL	-	-

टिप्पणी: संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियाँ तथा अनुदान/इमदाद की राशि बताई जाएँ

Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को आय और व्यय की तालिका Indian Institute of Mass Communication SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018		(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 23-ब्याज SCHEDULE 23- INTEREST क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर a) On Fixed Assets ख) अन्य कर्जों पर (बैंक प्रभार सहित) b) On Other Loans (Including Bank Charges) ग) अन्य c) Others	- - -	- - -
कुल	-	-
TOTAL		
		(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 24- पूर्व अवधि वस्तुओं का विवरण SCHEDULE 24- DETAILS OF PRIOR PERIOD ITEMS क) अंशदायी भविष्य निधि का ब्याज अंतर a) Interest Difference of CP Fund ख) परियोजना खाता स्वस्थ भारत एवं भारत निर्माण के तीव्र सहायक b) Swasth Bharat Project Account & Rapid Ass. of Bharat Nirman ग) डेनकनाल प्रेषण c) Dhenkanal Remittance	- - -	- - -
कुल	-	-
TOTAL		

तालिका-25

SCHEDULE-25

क. 31.3.2018 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

A: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES (Y.E. 31.3.2018):

1. लेखे मंत्रालय के वित्तिक 31.8.2005 के पत्र सं. 10(1) मितलेनियस/2005 (टीए/606) द्वारा प्रेषित नए प्रारूप के अनुसार तैयार किये गए हैं ।
1. Accounts has been provided as per new format provided by Ministry vide letter Dated 10(1) MISC/2005 (TA/606) dated 31.08.2005.
2. ऑकड़ों को, आवश्यकतानुसार पुनःसमूहबद्ध/पुनःव्यवस्थित किया गया है ।
2. Figures have been regrouped/rearranged wherever considered necessary.
3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान, तुलनपत्र में एकीकृत ऑकड़ों में दर्शाए गए हैं हालांकि उनके पृथक विवरण मंडों में विस्तार से दिए गए हैं।
3. Grants-in-Aid from the Ministry of I & B as shown at one consolidated figure in the balance sheet though separate details are given in detailed accounts under various heads.
4. सभी अंशदायी भविष्य निधि लेखे सोसाईटी की लेखा वही से अलग कर दिये गए हैं।
4. Contributory Provident Fund account has been separated from books of account of society.
5. कर्मचारियों को दिया जाने वाला उपदान और छुट्टी के बदले नकद भुगतान नकद आधार पर दर्ज किया गया है ।
5. Gratuity and Leave encashment is booked on cash basis.
6. केवल पुरस्कार निधि एवं खजाना जमा पर प्राप्त ब्याज को छोड़कर, जिन्हें प्रोद्भूत आधार पर दर्शाया गया है। आय और व्यय लेखे की सभी मदें नकद आधार पर हैं ।
6. All item of income and expenditure are accounted for on cash basis except the interest on Fixed Deposits of Award fund and Khajana deposit which is accounted for on accrual basis.
7. स्थायी परिसम्पत्तियाँ लागत मूल्य पर हैं और उनमें नकद आधार पर मूल्य ह्रास प्रभार नहीं लगाया गया है ।
7. Fixed Assets are stated at cost and no depreciation is accounted for on cash basis.
8. खर्च को योजना, नैर-योजना या अन्य प्रोजेक्टों में डालना गतिविधियों की प्रकृति/अनुदान की शर्तों के आधार पर है ।
8. The charging of expenses to plan, Non-plan and other projects are on the basis of nature of activities/terms of grant.
9. वर्ष के दौरान व्यय और पूंजीगत खर्च के मुकाबले आय की अधिकता को भारत सरकार से प्राप्त अनुदान राशि से पूरा किया गया । उसे न तो आय और व्यय लेखे में ले जाया गया है तथा न ही मंत्रालय के प्रारूप के अनुसार आरक्षित लेखे में अंतर्गत किया गया है ।
9. Excess of Income over expenditure and capital expenditure during the year is met out of the Grant-in-Aid received from the Government of India. The same is not routed through Income and Expenditure account and not been transferred to Reserves account as per format provided by ministry.
10. अनुदान के अप्रयुक्त शेषों को या तो सरकार को वापस कर दिया गया या सरकार द्वारा आने वाले वर्ष की अंतिम किश्त से घटा दिया
10. Any Unutilised balances of Grants are either refunded to the government or deducted by the government from the last installment during the subsequent year.
11. परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के लिए अनुदान का अधिक प्रयुक्त/अप्रयुक्त शेष अंतिम समायोजन के आधार पर होगा ।
11. The Overspent/Unspent balance of Grants received for projects/Courses are subject to final settlement.

SCHEDULE-26-CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. आकस्मिक देयताएँ

1. CONTINGENT LIABILITIES

1.1	एंडोटी के दवे जिन्हें ऋण के रूप में अस्वीकृत किया गया रु. शून्य	
1.1	Claims against the Entity not acknowledged as debts-Rs.NIL....	
	वर्ष के दौरान क्योंकि सभी बकाया मामलों संस्थान के पक्ष में रहे थे, अतः कथित राशि शून्य रु. दर्शाई गई है।	
	During the year as all pending cases have been in favour of the Institute, hence the said amount is shown as Rs. NIL	
1.2	निम्नलिखित के संबंध में विवादित माँग	
1.2	Disputed demand in respect of:	
	आय कर शून्य रुपये	पिछले वर्ष शून्य रुपये
	विक्री कर शून्य रुपये	पिछले वर्ष शून्य रुपये
	नगरपालिका कर शून्य रुपये	पिछले वर्ष शून्य रुपये
	Income tax Rs NIL Previous year Rs NIL	
	Sales tax Rs NIL Previous year Rs NIL	
	Municipal Taxes.....NIL.....Previous year Rs.....NIL.....	
1.3	विभिन्न पक्षों द्वारा निष्पादित न किए गए दवों को संस्थान ने खारिज किया	
13	शून्य रुपये	पिछले वर्ष शून्य रुपये
	In respect of claims from parties for non-execution of orders, but contested by the entity	
	Rs NIL	Previous year Rs. NIL

2. पूंजीगत वचनबद्धता

2. CAPITAL COMMITMENTS

पूँजीगत लेखों में निष्पादन हेतु अवशिष्ट ठेकों का अनुमानित मूल्य जिन्हें अग्रिमों की श्रेणी में नहीं रखा गया
शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये
Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for net of advances
Rs NIL Previous year Rs. NIL

3. पट्टेदारी की बाध्यता

3. LEASE OBLIGATIONS

प्लॉट और मशीनरी हेतु वित्त लीज व्यवस्था के तहत भविष्य में किराये की बाध्यता शून्य रु. पिछले वर्ष शून्य रु.
Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amount to Rs.NIL Previous year Rs.NIL

4. चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्जें एवं अग्रिम

4. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

प्रबंधन के मत में चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्जें, अग्रिमों का मूल्य सामान्यतः वसूला जाएगा जो कम से कम तुल्यपत्र में दिखायी गई कुल राशि के बराबर होगा।
In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realisation in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2018 को आय और व्यय की तालिका

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2018

5. करधान

5. TAXATION

आयकर अधिनियम 1961, के अनुसार कर योग्य कोई आय न होने पर आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं होगा
In view of there being no taxable income under Income tax Act 1961, No provision for income tax has been considered necessary.

6. विदेशी मुद्रा लेन देन

6. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

6.1 आयात का परिकलित मूल्य सी. आई. एफ. आधार पर

6.1 Value of Imports calculated on C.I.F basis:

तैयार माल की खरीद Purchase of Finished Goods	शून्य NIL
पारगमन सहित कच्चा माल एवं उपकरण Raw Material & Components including in transit	शून्य NIL
पूँजीगत माल Capital Goods	शून्य NIL
भंडार, अतिरिक्त एवं उपयोग्य वस्तु Stores, Spares and Consumables	शून्य NIL

6.2

विदेशी मुद्रा में खर्च

6.2 Expenditure in Foreign Currency

यात्रा Travel	शून्य NIL
------------------	--------------

वित्तीय संस्थाओं/बैंकों को विदेशी मुद्रा में प्रेषण एवं ब्याज भुगतान

Remittances and interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign currency

अन्य खर्चे

Other expenditure:

बिक्री पर कमीशन Commission on Sales	शून्य NIL
कानूनी एवं व्यावसायिक खर्चे Legal and Professional Expenses	शून्य NIL
विविध खर्चे Miscellaneous Expenses	शून्य NIL

6.3 आय:

6.3 Earnings:

एफ ओ बी आधार पर निर्यात मूल्य
Value of Exports on FOB basis

फार्म से संलग्न 1 से 26 तक की संलग्न तालिकाएं 31.03.2017 के तुलनात्र के तथा आय और व्यय लेख के अभिन्न अंग हैं।
Schedules 1 to 26 are annexed to and form an integral part of the Balance sheet as at 31.03.2018 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

एस के मिश्रा और गुजराती सनदी लेखाकार

प्रबंध टिप्पवणियों सहित स्वकतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्य

भारतीय जनसंचार संस्थान सोसाइटी

वित्तीय विवरण संबंधी रिपोर्ट

हमने भारतीय जन संचार संस्थान सोसाइटी ("संस्थान") के सहवित्तीय विवरणों जिनमें, 31 मार्च, 2018 तक का तुलन-पत्र (बैलेंस शीट), उस दौरान समाप्त हुई अवधि के आय और व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी शामिल हैं, की लेखा-परीक्षा की है।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधकीय दायित्व

संस्थान का प्रबंधन तंत्र इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है जोकि भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखांकन पद्धतियों के अनुरूप संस्थान की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन, नगद- प्रवाह की सही और स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है। इस दायित्व में संस्थान की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, प्रवचनाओं तथा अन्य अनियमिताओं का पता लगाने और उन्हें रोकने हेतु अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्डों को बनाए रखना; गलत विवरणों, चाहे वह त्रुटि अथवा कपट के कारण हो, से मुक्त सही और निष्पक्ष विवरण प्रदान करने वाले वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने के संबंध में लेखांकन अभिलेखों की पूर्ति और शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी रूप से कार्यात्मक उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग, तर्कसंगत तथा विवेकपूर्ण अनुमान लगाना तथा निर्णय लेना और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का निर्माण, कार्यान्वयन, रखरखाव भी शामिल है।

लेखा परीक्षक का दायित्व

हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय प्रकट करना है।

हमने अधिनियम के प्रावधानों, अधिनियम तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमावली के प्रावधानों के अंतर्गत लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल किए जाने हेतु अपेक्षित लेखांकन और लेखा-परीक्षा मानकों और मामलों को ध्यान में रखा है।

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप अपनी लेखा-परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षा की गई है कि हम सैद्धांतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करें और क्या वित्तीय विवरण वस्तुगत मिथ्या कथन से मुक्त है, इस संबंध उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने हेतु लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन करें।

किसी लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरण में दिए गए प्रकटीकरण और राशि के बारे में लेखा-परीक्षा तथ्य प्राप्त करने संबंधी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। चुनी गई प्रक्रियाएं वित्तीय विवरणों के वस्तुगत मिथ्या कथनों, चाहे वह कपट अथवा त्रुटि के कारण हों, के जोखिमों के आकलन सहित लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं। इन जोखिमों का आकलन करते समय, लेखा परीक्षक लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का निर्माण करने के लिए संस्थान के वित्तीय विवरण, जो कि सही और निष्पक्ष जानकारी देता है, को तैयार करने की प्रक्रियाओं से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की परिस्थितियों के अनुरूप उपयुक्तता पर विचार करता है न कि क्या संस्थान ने वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में पर्याप्त वित्तीय नियंत्रण स्थापित किया है तथा ऐसे नियंत्रणों की प्रभावशीलता के बारे में यह राय प्रकट करने के प्रयोजनार्थ किया जाता है। लेखा परीक्षा में उपयोग में लाई गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का आकलन और संस्थान के निदेशक द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता के साथ-साथ वित्तीय विवरण के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है।

हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए लेखा-परीक्षा तथ्य एकल वित्तीय विवरणों पर हमारे लेखा-परीक्षा मत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

मत का अवधारण

हमारे मत में और हमारे प्राप्त जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त पैराग्राफ मत अवधारण का आधार में वर्णित विषय के संभावित प्रभावों के अतिरिक्त अनुमोदित वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित जानकारी को यथा अपेक्षित रीति में उपलब्ध कराता है और भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष जानकारी प्रदान करता है।

- i) तुलन पत्र के मामले में 31 मार्च, 2018 को संस्था के मामलों की स्थिति;
- ii) आय और व्यय खाते के संबंध में, अंत तिथि की समाप्ति पर व्यय की तुलना में आय की अधिकता;

अन्य विधिक और विनियामक उपयोगों पर रिपोर्ट हमने पाया कि :

- (क) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा-परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।
- (ख) उपर्युक्त दिए गए मत पैरा के महत्व के आधार पर उल्लिखित मामले के संभावित प्रभाव को छोड़कर हमारे मत में संस्थान में कानून द्वारा अपेक्षित लेखा बहियां सही तरीके से रखी गई हैं। यह उनकी जांच से पता चलता है।
- (ग) इस रिपोर्ट के साथ उल्लिखित तुलन-पत्र और आय एवं व्यय विवरण पुस्तकालय सुरक्षा रजिस्टर, पुस्तकालय रजिस्टर और छात्र शुल्क रजिस्टर को छोड़कर शाखाओं की खाता बही और लेखाओं के अनुरूप है।
- (घ) हमारे मत में, तुलन-पत्र, आय और व्यय विवरण तथा प्राप्ति और भुगतान लेखांकन मानकों के अनुरूप हैं।
- (ङ.) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों के संचालन की प्रभावकारिता के संबंध में **अनुलग्नक "क"** में प्रस्तुत हमारी पृथक रिपोर्ट का अवलोकन करें।

एसके मिश्रा एंड गुजराती
सनदी लेखाकार

पंजीकरण संख्या : 001978सी

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25.09.2018

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT ALONG WITH THE MANAGEMENT COMMENTS

TO

THE MEMBERS

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION SOCIETY

Report on the Financial Statements

We have audited the accompanying financial statements of **Indian Institute of Mass Communication Society ("The Institute")** which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2018, the Statement of Income and Expenditure account, for the period then ended, and a summary of the significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management of the Institute is responsible for preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Institute in accordance with the accounting principles generally accepted in India. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Institute and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these Financial statements based on our audit.

We have taken into account the provisions of the Act, the accounting and auditing standards and matters which are required to be included in the audit report under the provisions of the Act and the Rules made there under.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Institute's preparation of the financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on whether the Institute has in place an adequate internal financial controls system over financial reporting and the operating effectiveness of such controls. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Institute's Directors, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the standalone financial statements.

Emphasis of Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the possible effects of the matter described in the Basis of Emphasis of Opinion paragraph above, the approved financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

- i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the society as at 31 March 2018;
- ii) In the case of the Income and Expenditure Account, of the excess of the income over expenditure for the ended on that date;

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

We report that:

- (a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

- (b) Except for the possible effects of the matter described on the basis of the emphasis of opinion paragraph above, in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Institute so far as it appears from our examination of those books
- (c) The Balance Sheet and the Income and Expenditure account dealt with by this Report are in agreement with the books of account and with the accounts of the branches except for the Library security register; Library register and student fees register.
- (d) In our opinion, the Balance Sheet, the statement of Income and Expenditure account and the Receipts and Payments comply with the Accounting Standards.
- (e) With respect to the adequacy of the internal financial controls over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate Report in "**Annexure A**"

For S.K MISRA & GUJRATI
Chartered Accountants
FRN:001978C

Place: New Delhi
Date : 25-09-2018

Shruti Vij
(Partner)
M. No.: 528958

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2018 को तुलनपत्र Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
देयताएँ		चालू वर्ष	पिछले वर्ष
LIABILITIES		Current Year	Previous Year
कर्मचारी अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार)			
EMPLOYEES SUBSCRIPTION BALANCE (as Per Schedule "B")		5,63,23,066.00	6,12,24,850.00
नियोक्ता अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार)			
EMPLOYERS CONTRIBUTION BALANCE (as Per Schedule "A")		3,91,86,129.00	3,83,39,787.00
भुगतान योग्य अं.भ.नि.		-	-
CPF PAYABLE		-	-
अदावी अं.भ.नि.		-	-
UNCLAIMED CPF		-	-
संस्थान को देय (अतिरिक्त जमा नियोक्ता अंशदान)		-	-
CURRENT LIABILITIES		-	-
1.4.2017 को लाभ/हानि			
PROFIT/LOSS AS ON 1.4.2017		1,49,377	-
जोड़ें : आय की अपेक्षा खर्चों की अधिकता			
ADD: EXCESS OF EXPENDITURE OVER INCOME		73,383.00	1,49,377.00
कुल		9,55,82,578.00	9,97,14,014.00
TOTAL			
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सन्दी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Viji) भागीदार Partner M. NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018			
हस्ताक्षर/- के.जी. सुरेश Sd/- K.G. Suresh महानिदेशक Director General			
हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General			
हस्ताक्षर/- किरण सिंह Sd/- Kiran Singh उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)			

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2018 को तुलनपत्र Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
परिसम्पत्तियां ASSETS		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश (लागत पर)			
INVESTMENTS (AT COST)			
प्रथम श्रेणी			
FIRST CATEGORY			
6.05% सरकारी 2019 बॉण्ड		15,48,412.00	15,48,412.00
6.05% GOI 12.06.2019			
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कॉर्पोरेशन			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP		15,00,000.00	15,00,000.00
10.5% केटीडीएफसी बॉण्ड 23.04.2017		-	60,00,000.00
10.5% KTDFC BONDS 23.04.2017			
10.5% केटीडीएफसी बॉण्ड 18.03.2016		-	20,00,000.00
10.5% KTDFC BONDS 18.03.2016			
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018		80,00,000.00	80,00,000.00
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28.06.2018 QTRLY INTT. (171207)			
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019		80,00,000.00	80,00,000.00
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24.01.2019 QTRLY INTT. (171207)			
7.5% हुडको 13.04.2019		85,00,000.00	85,00,000.00
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE			
द्वितीय श्रेणी			
SECOND CATEGORY			
9.35% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019		25,00,000.00	25,00,000.00
9.35% FD CBI 28.03.2019			
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		1,88,55,970.00	1,88,55,970.00
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA			
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019		72,00,000.00	72,00,000.00
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019			
7.5% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018		8,00,000.00	8,00,000.00
7.5% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018			
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 28.06.2017		-	8,00,000.00
8.25% LIC HOUSING FINANCE 28-06-2017 CUMULATIVE			
7.85% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 24.01.2018		-	8,00,000.00
7.85% LIC HOUSING FINANCE 24-01-2018 NON-CUMULATIVE			
		-	72,00,000.00
	(अग्रणीत) (Carried over)		

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2018 को तुलनपत्र Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)
परिसम्पत्तियां ASSETS	चाबू वर्ष Current Year	पछले वर्ष Previous Year
8% आईसीआईआई असुरक्षित बॉन्ड 2018	-	20,00,000.00
8% ICICI UNSECURED BONDS 2018		
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 14.03.2016		
9.25% LIC HOUSING FINANCE LTD 14-03-2016	15,00,000.00	15,00,000.00
कुल (क)/TOTAL (A)	5,84,04,382.00	7,64,04,382.00
प्रोद्भूत ब्याज पर देय नहीं		
INTEREST ACCRUED BUT NOT DUE		
6.05% सरकारी 12.06.2019		
6.05% GOI 12-06-2019	22,142.00	22,142.00
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कारपोरेशन		
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP	-	28,849.00
7.5% हुडको 13.04.2019		
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	11,66,092.00	5,54,887.00
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018		
8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE	2,59,471.00	1,23,877.00
9.65% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में संचयि जमा 28.03.2019		
9.65% FD CBI 28.03.2019	19,80,997.00	16,22,333.00
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA	1,04,520.00	1,04,520.00
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017		
8.25% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 29-06-2017 CUMULATIVE	-	44,916.00
कुल (क)/TOTAL (A)	35,33,222.00	25,01,524.00
प्रोद्भूत ब्याज पर देय नहीं		
INTEREST DUE BUT NOT RECEIVED		
		(अग्रणीत) (Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2018 को तुलनपत्र Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
परिसम्पत्तियाँ ASSETS	(अग्रणीत) (Brought forward)	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
7.8% पंजाब राज्य विकास कॉर्पोरेशन 2016			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2016		3,79,849.00	4,68,000.00
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		14,84,765.00	85,497.00
8.9% हुडको			
8.9% HUDCO MATURE ON 26-04-2017		-	1,64,846.00
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018			
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28.06.2018 QTRLY INTT. (171207)		1,71,207.00	1,66,189.00
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.03.2018			
7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018		3,630.00	-
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017			
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017		9,065.00	9,065.00
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 24.02.2018			
8% ICICI UNSECURED BONDS 24.02.2018		-	13,335.00
कुल(ख)/TOTAL (B)		20,48,516.00	9,06,932.00
(अग्रणीत) (Carried over)			

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2018 को तुलनपत्र		Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018	
परिसम्पत्तियाँ ASSETS		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
चालू संपत्तियाँ CURRENT ASSETS	(अग्रणीत) (Brought forward)		
स्रोत पर कर कटौती की वापसी TDS REFUND		5,77,722.00	2,47,618.00
भारतीय जन संचार संस्थान से देय DUES FROM IIMC		9,91,650.00	9,91,650.00
कुल TOTAL		15,69,372.00	12,39,268.00
बैंक शेष BANK BALANCES			
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया STATE BANK OF INDIA		1,65,060.00	1,67,175.00
सैट्रल बैंक ऑफ इंडिया CENTRAL BANK OF INDIA		2,94,61,250.00	1,82,09,533.00
एचडीएफसी बैंक HDFC BANK		4,00,777.00	2,85,200.00
कुल (घ)/TOTAL (D)		3,00,27,087.00	1,86,61,908.00
कुल (क+ख+ग+घ)/TOTAL (A+B+C+D)		9,55,82,579.00	9,97,14,015.00
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भागीदार Partner M.NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018			
		हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General	हस्ताक्षर/- किरण सिंह Sd/- Kiran Singh उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2018 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018

विवरण PARTICULARS	(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
आय	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
INCOME		
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि एवं देयताएँ		
INTEREST ON INVESTMENTS		
प्रथम श्रेणी		
FIRST CATEGORY		
6.05% सरकारी 2019 बांड	1,02,850.00	1,02,850.00
6.05% GOI 2019 BOND		
8% सरकारी बांड 10000000	-	3,67,494.00
8% GOI OF INDIA BONDS RS. 10000000/-		
8% सरकारी बांड 65000000	-	4,95,822.00
8% GOI OF INDIA BONDS 65000000		
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कार्पोरेशन 2014/2016/2017/2018	-	117,000.00
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2014/2016/2017/2018		
10.25% केटीडीएफसी बांड 12.10.2016	-	2,74,951.00
10.25% KTDFC BOND 12-10-2016		
8.9% हडको 26.04.2017	31,375.00	1,78,000.00
8.9% HUDCO 26.04.2017		
10.5% केटीडीएफसी 23.04.2017	37,973.00	6,35,528.00
10.5% KTDFC BOND 23/04/2017		
7.5% हडको 13.04.2019 संचयी	6,79,117.00	6,16,541.00
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE		
8.5% केटीडीएफसी बांड 28.06.2018	6,89,846.00	5,14,192.00
8.5% KTDFC(24M) EXPIRES ON 28.06.18 QIRLY INTT (171207)		
8.5% केटीडीएफसी बांड 24.01.2019	6,84,828.00	1,28,851.00
8.5% KTDFC(24M) EXPIRES ON 24.01.19 QIRLY INTT (171207)		
द्वितीय श्रेणी		
SECOND CATEGORY		
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा	13,99,268.00	16,40,469.00
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		
9.65% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28-03-2019	3,98,516.00	3,66,422.00
9.65% CBI TERM DEPOSIT 28-03-2019		
		(अग्रणीत) (Carried over)

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018

(अग्रानीत)
(Brought forward)

163

भारतीय जन संचार संस्थान कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि 31.03.2018 को आय और व्यय लेखा		Indian Institute of Mass Communication EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018	
		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)	
		चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
विविध प्राप्तियाँ/क्रम और अतिरिक्त MISCELLANEOUS RECEIPTS/SHORT & EXCESS		19,800.00	-
TOTAL		67,02,816.00	82,58,138.00
व्यय/ EXPENDITURE			
बैंक प्रभार BANK CHARGES		8,094.00	177.00
सदस्यों को ब्याज INTEREST CREDITED TO MEMBERS		67,70,716.00	82,41,834.00
व्यय से आय की अधिकता EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE		(75,994.00)	16,127.00
कुल TOTAL		67,02,816.00	82,58,138.00
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सनदी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C		हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shruti Vij) भार्गीदार Partner M. NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018	हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General
		हस्ताक्षर/- किरण सिंह Sd/- Kiran Singh उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)	

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश Indian Institute of Mass Communication POSITION OF CPF INVESTMENTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018	
NAME OF INVESTMENT	AMOUNT (RS)
CATEGORY-I	
6.05% सरकारी बॉण्ड 12.06.2019	15,48,412.00
6.05% GOI BONDS 12-06-2019	
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम	15,00,000.00
7.8% PUNJAB STATE IND DEVELOPMENT CORP	
7.5% हुडको 13.04.2019	85,00,000.00
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	
8.5% कैटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018	80,00,000.00
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28-06-2018, QTRLY INTT. (171207)	
8.5% कैटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019	80,00,000.00
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24-01-2019, QTRLY INTT. (171207)	
TOTAL	2,75,48,412.00
CATEGORY-II	
9.35% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019	25,00,000.00
9.35% CBI TERM DEPOSITS 28-03-2019	
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा	1,88,55,970.00
SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017	15,00,000.00
8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE	
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019	72,00,000.00
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019 QTRLY INTT.	
7.5% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018	8,00,000.00
7.5% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018 QTRLY INTT.	
TOTAL	3,08,55,970.00
GRAND TOTAL	5,84,04,382.00

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को अंशदायी भविष्य निधि Indian Institute of Mass Communication CPF FUND AS AT 31.03.2018		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
क कर्मचारियों का योगदान A. EMPLOYERS CONTRIBUTION		
1.4.2017 को प्रारंभिक शेष Opening Balance as on 1.4.2017		
जोड़ें : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान Add: 1. Contribution For the Year		3,83,39,787.00
2. व्याज		56,42,552.00
2. Interest		25,76,110.00
कुल Total		4,65,58,449.00
रकम की निकासी Amount Withdrawn		73,72,320.00
कुल Total		3,91,86,129.00
ख कर्मचारियों का अभिदान B. EMPLOYEES SUBSCRIPTION		
1.4.2017 को प्रारंभिक शेष Opening Balance as on 1.4.2017		
जोड़ें : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान Add: 1. Subscription Received during the year		6,12,24,850.00
2. अग्रिम की वापसी		1,01,99,350.00
2. Refund of Advance		-
3. अदाविषय अंतरित		0.00
3. Unclaimed Transferred		
4. व्याज		
4. Interest		1,43,93,956.00
कुल Total		7,56,18,806.00

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 को अंशदायी भविष्य निधि Indian Institute of Mass Communication CPF FUND AS AT 31.03.2018		(अग्रणीत) (Brought forward)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
घटाएं :			
Less :			
1. अं.भ.नि. अग्रिम/व्यवस्थान (अंशिक/अंतिम)			
1. CPF Advance/ Settlement (Part/Final)	1,92,95,740.00		
2. नई पेंशन योजना को स्थानांतरित राशि			
2. Amount transfer to new pension scheme	-	1,92,95,740.00	
कुल (ख)			5,63,23,066.00
TOTAL (B)			
कुल अं.भ. निधि शेष (क+ख)			9,55,09,195.00
TOTAL CPF Balance (A+B)			

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication

INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2018

NAME OF SECURITY	Amount Invest	Due But Not Recd. B/f	Accrued Intt. B/f	Int. due	Total Int	TDS	Due & recd. in 17-18	Due but Not Recd.	Accrued Int. C/f
CATEGORY-I									
6.05% सरकारी बॉन्ड 12.06.2019	15,48,412		22,142	1,02,850	1,24,992		1,02,850		22,142
6.05% GOI BONDS 12-06-2019									
7.8% पीएसआईसी 2014, 2015-2016	15,00,000	4,68,000	28,849		4,96,849		1,17,000	3,79,849	
7.8% PSIDC 2014, 2015-2016									
8.9% हुडको प्रौढ़ 26.04.2017	20,00,000	1,64,846		31,375	1,96,221		1,96,221		
8.9% HUDCO MATURE 26-04-2017									
10.5% केटीडीएफसी बॉन्ड 23.04.2017	60,00,000			37,973	37,973		37,973		
10.5% KTDFC BONDS 23.04.2017, INTT-158882 QTR									
7.5% हुडको 13.04.2019	85,00,000		5,54,887	6,79,117	12,34,004	67,912			11,66,092
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE									
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 28.06.2018	80,00,000	1,66,189		6,89,846	8,56,035		6,84,828	1,71,207	
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 28-06-2018, QTRLY INTT. (171207)									
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019	80,00,000			6,84,828	6,84,828		6,84,828		
8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24-01-2019, QTRLY INTT. (171207)									
CATEGORY-II									
9.65% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019	25,00,000		16,22,333	3,98,516	20,20,849	39,852			19,80,997
9.65% CBI TERM DEPOSITS 28-03-2019									
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा 8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	1,88,55,970	85,497	1,04,520	13,99,268	15,89,285			14,84,765	1,04,520
9.4% पीएनबी हाउसिंग फ़ाइनेंस लि० 15.03.2017		9,065						9,065	
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017-22 LACS									

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication

INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2018

8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बॉण्ड 24.02.2018	20,00,000	13,335			1,45,350	1,58,685			
8% ICICI UNSECURED BONDS 24-02-2018									
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017	15,00,000		1,23,877		1,35,594	2,59,471			2,59,471
8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE									
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019	72,00,000				5,76,000	5,76,000	57,600	5,18,400	
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019 QTRLY INTT.									
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018	8,00,000				47,027	47,027	4,340	39,057	3,630
7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018 QTRLY INTT.									
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017	8,00,000		44,916		16,093	61,009	1,609	59,400	
8.25% LIC HOUSING FINANCE 29-06-2017 CUMULATIVE									
7.85% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 24.01.2018	72,00,000				4,61,451	4,61,451	46,145	4,15,306	
7.85% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 24-01-2018 NON-CUMULATIVE									
Total	7,64,04,382	9,06,932	25,01,524		54,05,287	88,04,678		30,14,548	35,33,222

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2018 तक प्राप्त और भुगतान का लेखा

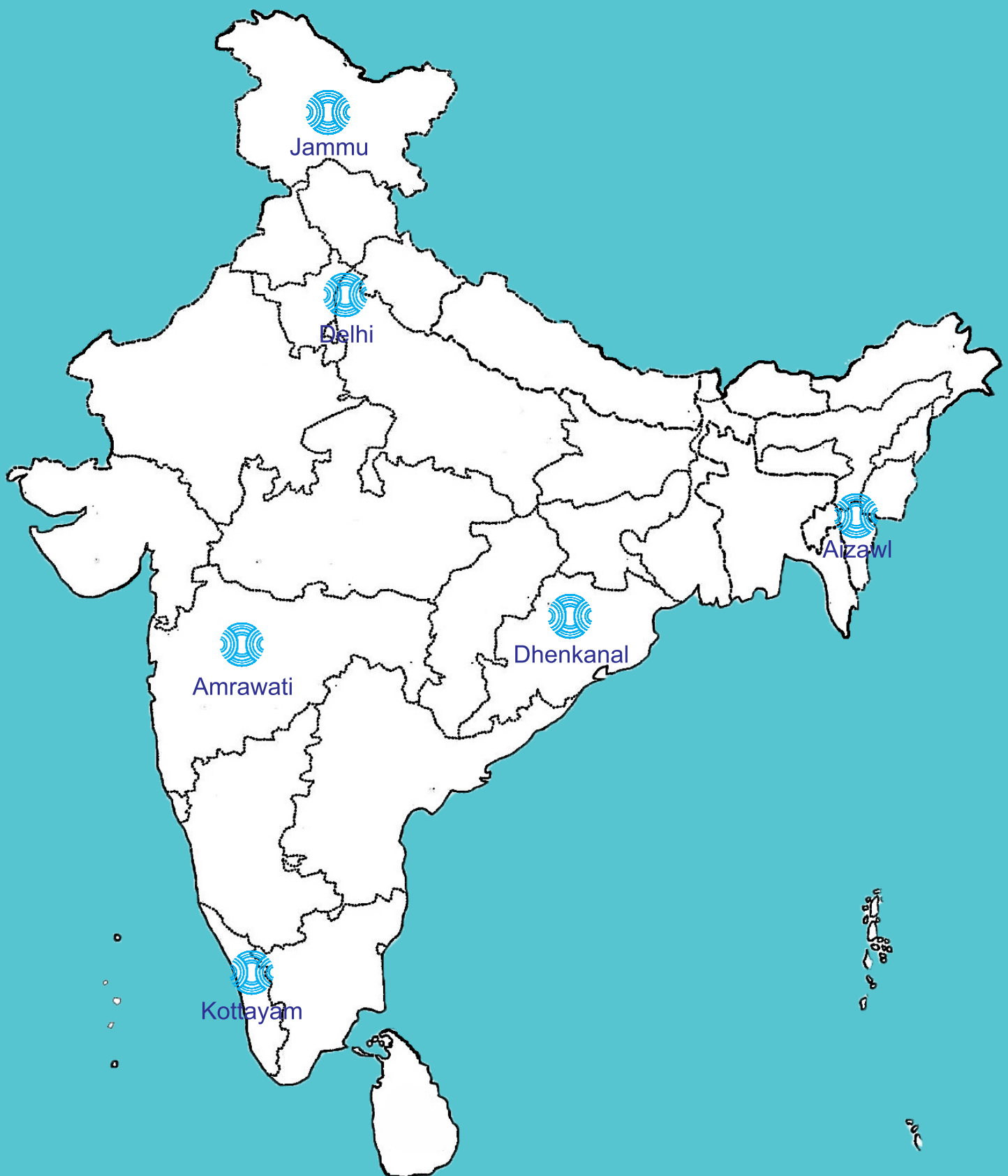
Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2018

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष			1. कर्मचारी अंशदान निधि भुगतान		
I. OPENING BALANCE :			I. Payment made from Employees subscription Fund	1,49,61,898.00	1,50,98,433.00
क) नकद			2.) नियोजता योगदान फंड से भुगतान		
ख) बैंक शेष	-	-	II) Payment made from Employer Contribution Fund	73,72,320.00	88,44,589.00
ब) Bank Balances			3.) किया गया निवेश		
1) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया			III) Investment made	-	3,20,00,000.00
i) Central Bank of India	1,82,09,533.00	64,80,627.00	4.) अ.भ.नि. अग्रिम/आंशिक		
2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया			IV) CPF Advance/part Withdraw	43,33,842.00	83,58,000.00
ii) State Bank of India	1,67,175.00	1,73,063.00	5.) आईआईएमसी को भुगतान		
3) एचडीएफसी बैंक			V) Payable to IIMC	-	-
iii) HDFC Bank	2,85,200.00	1,59,081.00	6.) बैंक प्रकार		
कर्मचारियों सीपीएफ अंशदान			VI) Bank Charges	8,094.00	177.00
II) Subscription of CPF by employees	1,01,99,350.00	1,09,94,138.00	6.) टीडीएस वापस		
नियोजता द्वारा सीपीएफ अंशदान			VII) TDS REFUND	2,06,366.00	11,25,406.00
III) Contribution in CPF by employer	56,42,552.00	17,01,790.00	1. जमा शेष		
निवेशों से आय			I. CLOSING BALANCE :		
IV) Income from investment	31,08,268.00	1,73,71,704.00	क) नकद		
बैंक जमा पर			a) Cash In Hand		
V) Interest received	41,650.00		ख) बैंक शेष		
A) On Bank Deposits	12,36,079.00	12,08,110.00	b) Bank Balance		
कर्न अग्रिम पर			1) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया		
B) On Loan & Advances			i) Central Bank of India	2,94,61,250.00	1,82,09,533.00
परिपक्व निवेश			2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		
VI) Investment Matured	1,80,00,000.00	4,60,00,000.00	ii) State Bank of India	1,65,060.00	1,67,175.00
कर्मचारियों द्वारा सीपीएफ अग्रिम भुगतान			3) एचडीएफसी बैंक		
VII) Repayment of CPF Adv. by employees	-	-	iii) HDFC Bank	4,00,777.00	2,85,200.00
विविध प्राप्तियाँ					
VIII) Miscellaneous Receipts	19,800.00				
आईआईएमसी से प्राप्य					
IX) Receivable from IIMC	-	-			
कुल/Total	5,69,09,607.00	8,40,88,513.00	कुल/Total	5,69,09,607.00	8,40,88,513.00

भारतीय जन संचार संस्थान 31.03.2018 तक प्राप्त और भुगतान का लेखा Indian Institute of Mass Communication RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2018		प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
कृते एस के मिश्रा और गुजराती For S K MISRA & GUJRATI सन्दी लेखाकार Chartered Accountants FRN-001978C		हस्ताक्षर/- (श्रुति विज) Sd/- (Shrutvi Vij) भागीदार Partner M. NO - 528958 स्थान : नई दिल्ली/Place : New Delhi तारीख : 25-09-2018/Date : 25.09.2018	हस्ताक्षर/- के.जी. सुरेश Sd/- K.G. Suresh महानिदेशक Director General		हस्ताक्षर/- मनीष देसाई Sd/- Manish Desai अतिरिक्त महानिदेशक Addl. Director General	हस्ताक्षर/- किरण सिंह Sd/- Kiran Singh उप कुलसचिव Assistant Registrar (DDO)	

IIMC Campuses



IIMC Centres



भारतीय जन संचार संस्थान
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION